संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | ऊना, मंगलवार, 20 फरवरी 2024 ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 13 अंक: 50 पृष्ठ: 12 | RNI : HPHIN/2012/48072

actionindiauna@gmail.com | हिमाचल संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्री कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान पूजा-अर्चना करते हुए।

भाजपा में जाने पर अब नाथ परिवार का इनकार

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलों को अब विराम लगता दिख रहा है। खुद कमलनाथ ने सामने आकर भाजपा में नहीं जाने की बात कही है। इसे लेकर वे कुछ देर में मीडिया से विस्तार से बात करेंगे। लेकिन इधर माना जा रहा है कि भाजपा के एक धड़े के विरोध के बाद कमलनाथ की भाजपा में एंट्री नहीं हो सकी। गौरतलब है कि कई दिनों से चर्चा है कि कमलनाथ अपने बेटे के साथ भाजपा में जाएंगे। उनके छिंदवाड़ा के दौरे रद्द कर अचानक दिल्ली पहुंचना, मीडिया से बातचीत में न इनकार, न इकरार वाली स्थिति होने से अटकलों को और बल मिलता रहा। कहा ये भी जा रहा है कि कमलनाथ के इस समय भाजपा में आने से भाजपा को कोई बड़ा फायदा होता नहीं दिख रहा, वहीं पार्टी के ही कई नेता कमलनाथ को लेकर साफ कह चुके हैं कि उनके लिए भाजपा के दरवाजे बंद हैं। भाजपा के पूर्व महासचिव कैलाश विजयवर्गीय बार-बार कमलनाथ के भाजपा में आने का विरोध करते देखे गए। भाजपा नेता और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर कहा था कि मध्य प्रदेश भाजपा में उनके लिए कोई जगह नहीं है। प्रदेश भाजपा में उनके लिए दरवाजे बंद हैं। अगर केंद्रीय नेतृत्व चाहे तो कमलनाथ को पार्टी में शामिल कर सकता है, लेकिन मध्य प्रदेश भाजपा का निर्णय साफ है कि कमलनाथ के लिए कोई जगह नहीं है। ऐसा नहीं है कि विजयवर्गीय ने ऐसा पहली बार कहा। दो हफ्ते पहले भी कैलाश ने कहा था कि कमलनाथ के लिए भाजपा के दरवाजे बंद हैं। तंज कसते हुए कहा था कि कोई बाजार में जाएगा तो ताजे फल खरीदेगा, बासे फल कौन खरीदता है। भाजपा नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा भी कमलनाथ के भाजपा में आने की बात पर नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि देश के अंदर साल 1984 में जो सिखों का नरसंहार हुआ था. उस नरसंहार के अंदर कमलनाथ एक मुख्य आरोपी है. उन्होंने कहा है कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के आरोपी कमलनाथ के लिए भाजपा में कोई जगह नहीं है।

एक धड़े ने नहीं किया कमलनाथ को इनकार: बताते चलें कि प्रदेश भाजपा के कई नेताओं से जब इस बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कमलनाथ के भाजपा में आने पर स्वागत करने की बात कही थी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बयान में कहा था कि कोई भाजपा में आना चाहता है तो उसका स्वागत है, वहीं पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने तो खुद कमलनाथ को भाजपा में शामिल हो जाने का न्योता दिया था। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी कहा था कि कमलनाथ भाजपा में आएंगे या नहीं, इसका निर्णय तो वे ही लेंगे लेकिन हमारे दरवाजे हर उस व्यक्ति के लिए खुले हैं जो देश का विकास और तरक्की चाहता है।

'यूपी में अब व्यापार, विकास और विश्वास का माहौल'

पीएम ने 10 लाख करोड़ की परियोजनाओं का किया शुभारंभ, हर हिन्दुस्तानी को गर्व होता है कि यूपी ने ठान लिया है कि वो एक ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनेगा

आदर्श विचार

"एक अनुशासित व्यक्ति अपना तथा समाज व देश का विकास कर सकता है। भागवद्"

मन की बात

"चिंतन करो, चिंता नहीं, नए विचारों को जन्म दो।

स्वामी विवेकानंद"

डबल इंजन

8 आपने कभी सोचा नहीं होगा उतनी तेजी से यूपी अपने सारे संकल्पों को पूरा कर रहा है : पीएम मोदी

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

मुझे यूपी के सामर्थ और डबल इंजन सरकार के परिश्रम पर पूरा विश्वास है। मैं योगी को विशेष बधाई देता हूं। हर हिन्दुस्तानी को गर्व होता है कि यूपी ने ठान लिया है कि वो एक ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनेगा। देश के सभी राजनीतिक दलों से कहूंगा कि राजनीति छोड़िए और यूपी से सीखिए। आप कितने ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी अपने राज्य को बनाएंगे, ये संकल्प करके मैदान में आइए। देश तभी आगे बढ़ेगा जब यूपी की तरह हर राज्य बड़े सपने और संकल्प लेकर चल पड़ेगा। उद्योग जगत के साथियों के लिए यूपी में अनंत अवसर की बेला है। आपने कभी सोचा नहीं होगा उतनी तेजी से यूपी अपने सारे संकल्पों को पूरा कर रहा है। ये बातें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह के दौरान कही। प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की 14 हजार से ज्यादा परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने चलचित्र के माध्यम से बदलते उत्तर प्रदेश की झलक भी देखी।

उत्तर प्रदेश में पर्यटन हब बनने का सामर्थ्य: मोदी

प्रधानमंत्री ने लखपति दीदी योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना की भी विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण और शहरी मध्यम वर्ग की खरीद शक्ति बढ़ी है। उन्होंने एमएसएमई को यूपी की ताकत बताया। साथ ही ओडीओपी और पीएम श्रम सम्मान योजना की भी चर्चा करी। प्रधानमंत्री ने काशी की चर्चा करते हुए कहा कि वहां का सांसद होने के नाते काशी के लकड़ी के खिलौनों को हमेशा प्रमोट करता हूं। भारत में खिलौना कारोबार की बहुत समृद्ध परंपरा रही है।

यूपी की तस्वीर बदल देंगे उद्योग: अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि सात वर्ष पहले हम सोच भी नहीं सकते थे कि यूपी में निवेश और नौकरियों को लेकर ऐसा माहौल बनेगा। पहले चारों तरफ अपराध, दंगे, छीनाझपटी यही खबरें आती रहती थीं। उस दौरान अगर कोई कहता कि यूपी को विकसित बनाएंगे तो शायद कोई सुनने को भी तैयार नहीं होता। आज लाखों करोड़ का निवेश उत्तर प्रदेश में उतर रहा है।

'पूरी दुनिया भारत को बेहतर रिटर्न की गारंटी मान रही'

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को लेकर पूरी दुनिया में अभूतपूर्व पॉजिटिविटी दिख रही है। पीएम मोदी ने कतर और यूएई की यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि हर देश भारत के विकास को लेकर आश्वस्त और भरोसे से भरा हुआ है। पूरी दुनिया भारत को बेहतर रिटर्न की गारंटी मान रही है। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि चुनाव नजदीक होने पर लोग नये निवेश से बचते हैं। लेकिन आज उत्तर प्रदेश में सोच भी तोड़ दी है। दुनियाभर के इन्वेस्टर्स को सरकार की पॉलिसी और स्टेबिलिटी पर पूरा भरोसा है। ये विश्वास लखनऊ में झलक रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में जिस प्रकार की सोच आजादी के बाद से अनेक दशकों तक रही है उस पर चलते हुए ये परिवर्तन संभव ही नहीं था।

पीएम ने किया कल्कि धाम का शिलान्यास

टीम एक्शन इंडिया/मुरादाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभल के ऐंचोड़ा कंबोह स्थित श्री कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास किया। कल्कि मंदिर के गर्भगृह में पीएम मोदी ने पूजा अर्चना की। इस दौरान पीएम मोदी के अलावा सीएम योगी और आचार्य प्रमोद कृष्णम भी साथ रहे। कल्कि धाम शिलान्यास कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि संबल जिले की इस धरती का मैं हृदय से स्वागत करता हूं। यहां के लोगों का अभिनंदन देखकर गदगद हूं। उन्होंने कहा कि कल्कि धाम के शिलान्यास का सौभाग्य उन्हें मिला है। विश्वास है कि यह भारतीय आस्था के एक और विराट केंद्र के रूप में उभर कर सामने आएगा। 18 साल की प्रतीक्षा के बाद यह अवसर आया है। कहा कि कुछ लोग अच्छे कार्य उनके लिए ही छोड़ गए हैं।

यूपी: सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर हुआ लीक

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा लीक होने की खबर आने के बाद अभ्यर्थियों में आक्रोश है। उत्तर प्रदेश के मथुरा में सोमवार को अभ्यर्थियों ने पेपर रद्द करने की मांग की है। अन्यथा आंदोलन करने की चेतावनी दी है। अभ्यर्थियों ने एकत्र होकर डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। इसके अलावा सभी अभ्यर्थी हाथों में तख्तियां लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। पेपर लीक के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि परीक्षा का पेपर लीक हुआ है। ऐसे में जालसाजी करने वाले नौकरी पा जाएंगे।

केंद्र सरकार का प्रस्ताव किसानों को नामंजूर

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़

एमएसपी की कानूनी गारंटी पर चंडीगढ़ में किसान नेताओं और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच चौथे दौर की बैठक हुई। इसमें केंद्र सरकार चार और फसलों पर एमएसपी देने को तैयार हो गई है। केंद्र के इस प्रस्ताव पर बैठक में मौजूद किसान नेताओं ने कहा कि वह सभी संगठनों से बात कर आज इस पर अंतिम फैसला बताएंगे। वहीं हरियाणा के बॉर्डर पर किसान डटे हुए हैं। सरकार अपने प्रस्ताव के जरिए सिर्फ हरियाणा पंजाब के किसानों को देख रही है जबकि आंदोलन देशभर के किसानों की विभिन्न फसलों के लिए है। वहीं धान पर सरकार एमएसपी देने के लिए राजी हुई है मगर पैदावार अपने हिसाब से कराना चाहती है। यह किसानों को मंजूर नहीं है। भाकियू शहीद भगत सिह के किसान नेता जय सिंह जलबेड़ा ने भी इसकी पुष्टि की है।

'बातचीत में हरियाणा के सीएम को शामिल करें'

भाकियू चढूनी के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने मांग की कि आंदोलनरत किसानों के साथ सरकार की वार्ता में हरियाणा के मुख्यमंत्री भी शामिल हों। उनके शामिल न होने पर हरियाणा के किसानों की मांगों की अनदेखी की आशंका हो रही है। चढूनी ने कहा कि जब पंजाब के मुख्यमंत्री वार्ता में शामिल हैं तो हरियाणा के मुख्यमंत्री क्यों नहीं।

दिल्ली के अफसर हमारी बात नहीं सुनते हैं: सीएम केजरीवाल

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सदन को संबोधित किया और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से एक अपील भी की। विधानसभा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम शानदार स्कीम लेकर आए। लोगों को दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ये लोग स्कीम का विरोध कर रहे हैं। इन लोगों ने हमारी सरकार द्वारा लाई गई ज्यादातर स्कीमों को बंद कर दिया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ये लोग इतनी नफरत करते हैं। दिल्ली के अफसर हमारी बात नहीं सुनते हैं। सीएम केजरीवाल ने सदन के अंदर उपराज्यपाल वीके सक्सेना से अपील की। उन्होंने कहा कि अगर आप एक फोन भी कर देंगे तो ये अफसर काम करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में 10 लाख से ज्यादा लोगों के पानी के ज्यादा बिल आए हैं। इन्हें ठीक करने की हम योजना लाए हैं। ये लोग उसे भी लागू नहीं करने दे रहे। पर चिंता मत करना, पहले की तरह इसे भी लागू करवाएंगे

भाजपा को झटका: दोबारा नहीं होगा मेयर चुनाव

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़

सुप्रीम कोर्ट चंडीगढ़ मेयर चुनाव में मसीह द्वारा निशान लगाए गए बैलेट पेपर की जांच खुद करेगा। कोर्ट मामले की वीडियो फुटेज भी जांचेगा। कोर्ट ने कहा कि पीठासीन अधिकारी ने नियमों का पालन नहीं किया। उनके लगाए निशान को नजरअंदाज कर कल यानी मंगलवार को वोटों की गिनती की जाएगी। इसके बाद यह स्पष्ट हो गया है कि मेयर चुनाव दोबारा नहीं होगा। मेयर चुनाव के पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में रिटर्निंग ऑफिसर अनिल मसीह पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए क्योंकि वह चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे थे।

'धर्म, जाति के नाम पर देश को तोड़ रहे पीएम मोदी'

टीम एक्शन इंडिया/प्रतापगढ़

भारत जोड़ो यात्रा में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार देश की 73 फीसदी जनता के साथ अन्याय कर रही है। दलित, आदिवासी, गरीब सवर्ण और पिछड़ी जातियों को उनका वाजिब हक नहीं मिल रहा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी आदिवासी, दलित और पिछड़ों की उपेक्षा की गई। राहुल गांधी प्रतापगढ़ के रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र के लालगंज में मोदी सरकार की राष्ट्रीय नीतियों की खामियां को गिनाया। उन्होंने कहा कि देश के 73 प्रतिशत पिछड़ों दलितों तथा आदिवासियों व गरीब सवर्णों के हक के साथ नाइंसाफी हो रही है। इंदिरा चौक पर भारी भीड़ के बीच राहुल गांधी ने श्रीरामोत्सव में आदिवासी, दलित पिछड़ों की भागीदारी में उपेक्षा का आरोप लगाया।

बजट सत्र चर्चा की शुरूआत करते हुए जयराम ठाकुर ने सरकार पर एक के बाद एक कई हमले बोले

पैसे मांगने के सबूत दे विपक्ष, करेंगे कार्रवाई: सीएम

टी एक्शन इंडिया/शिमला

रविवार के अवकाश के बाद हिमाचल विधान सभा का बजट सत्र फिर शुरू हुआ। सदन में सोमवार को प्रश्नकाल के बाद बजट पर चर्चा शुरू हुई। चर्चा का आगाज नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने किया। चर्चा की शुरूआत करते हुए जयराम ठाकुर ने सरकार पर एक के बाद एक कई हमले बोले। खासतौर पर कांग्रेस की चुनावी गारंटियों का जिक्र बजट में न होने, माली साल 2023-24 के बजट में की गई घोषणाओं पर काम न होने , हैली टैक्सी सेवा के बंद होने तथा संसाधन जुटाने के नाम पर सरकार की घोषणाओं के बावजूद पूंजीगत खर्चों में कटौती व आबकारी नीति से राजस्व जुटाने के मुद्दे को लेकर जयराम ने सरकार को घेरा। आबकारी नीति का उल्लेख करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार चालू माली साल की आबकारी नीति के लागू होने के बाद राजस्व में 40 फीसद का इजाफा होने का दावा कर रही है, मगर इस वित्तीय वर्ष में अब तक आबकारी नीति के जरिए खजाने में सिर्फ 1855 करोड़ की रकम आई है, जबकि 2500 करोड़ की रकम आनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि ठेकेदार अँग्रेजी शराब व बीयर का कोटा नहीं उठा रहे। लिहाजा सरकार 700 करोड़ के राजस्व के अंतर को कैसे पाटेगी। उन्होंने कहा कि यह आबकारी नीति दिल्ली की पॉलिसी की तर्ज पर ही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ठेकेदारों के बिलों का भुगतान नहीं कर रही है। ठेकेदारों से धन की मांग की जा रही है। नेता प्रतिपक्ष द्वारा सदन में ठेकेदारों से पैसे मांगने का आरोप लगाए जाने के बाद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को दो बातें सरकार के समक्ष लानी होंगी। एक तो किस ठेकेदार के बिलों का भुगतान नहीं हुआ तथा दूसरा किससे पैसे मांगे गए। इस पर भाजपा के विक्रम ठाकुर ने कहा कि कांगड़ा जिला के डाडासिबा में ठेकेदार से रकम की मांग की गई। बाकायदा इस बारे मामला सरकार के संज्ञान में लाया गया है।

पक्की होगी दोलांजी मोनेस्ट्री को जाने वाली सड़क : विक्रमादित्य सिंह

टीम एक्शन इंडिया/ नाहन/ एसपी जैरथ

लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने पच्छाद के मेनरी मोनेस्ट्री दौलांजी में लोसर के उपलक्ष्य में आयोजित मुखौटा नृत्य में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में विक्रमादित्य सिंह ने इस धार्मिक अनुष्ठान के शुभ अवसर पर उन्हें आमंत्रित करने के लिए आभार जताया। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि मेनरी मोनेस्ट्री की स्थापना सन 1967 में 33वें मेनरी ट्रिजीन रिनपोछे द्वारा अनेकों विपरीत परिस्थितियों को सहते हुए किया गया था, जिसका मूल उद्देश्य

तिब्बत मूल धर्म युंडडुड बोन के शिक्षा तथा तिब्बत के प्राचीन संस्कृति एवं परम्पराओं के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार करना था। उन्होंने कहा कि गोनपा के विगत वर्षों के इतिहास से ज्ञात हुआ कि

विद्यमान

8 जिसका मूल राजधानी वर्तमान किन्नौर जिले के मौने नामक गांव में था जहां आज भी एक किला विद्यमान है

गोनपा ने बहुत ही सफलता पूर्वक अपने उद्देश्य को प्राप्त करते हुए सैकड़ों विद्वान गैशे पैदा किए। आज भी सभी विद्वान गैशे भारत सहित तिब्बत तथा पश्चिमी देशों के कौने-कौने में जाकर तिब्बत के मूल एवं प्राचीन धर्म युग युग बोन के प्रचार प्रसार में संलग्न हैं। इसी प्रकार से गोनपा ने नष्ट होने के कगार पर स्थित युंडडुड बोन धर्म के शिक्षा, तिब्बत के प्राचीन संस्कृति का न केवल संरक्षण कर जीवित रखा है अपितु विश्व के असंख्य लोगों को भी बोन धर्म का शिक्षा देने का काम किया है। विश्व को तिब्बत के मूल धर्म तथा उसके संस्कृति से परिचय एवं अवगत कराया जो बहुत ही प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में विलय होने वाली शिमला पहाड़ के रियासतों में बुशहर रियासत प्रदेश के क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य था, जिसका मूल राजधानी वर्तमान किन्नौर जिले के मौने नामक गांव में था जहां आज भी एक किला विद्यमान है।

मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट सराहनीय : करतार सिंह ठाकुर

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए जो वार्षिक बजट प्रस्तुत किया है वो हर तरह से बेहतरीन है। इसमे हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। लेकिन कुछ भाजपा के नेताओं को ये सब हजम नहीं हो रहा है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चम्बा के अध्यक्ष करतार सिंह ठाकुर ने कहा कि अपने दूरदर्शी दृष्टिकोण की बदौलत यशस्वी मुख्यमंत्री ने हर वर्ग का ख्याल रखा है। उन्होंने कहा कि पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए गाय व भैंस के दूध के प्रति लीटर दामों का समर्थन मूल्य बढाकर निश्चित रूप पशुपालकों की आर्थिकी को बढावा देने का भरसक प्रयास किया है। इसी प्रकार कर्मचारियों व पेंशनरों को 4 प्रतिशत मंहगाई भत्ता बढौतरी व एक जनवरी 2016 से 31 दिसम्बर के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए लीव इन्कैशमेंट और ग्रेच्युटी से संबंधित एरियर के भुगतान का एलान किया गया है। वहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर सहित पंचायती राज व शहरी नगर परिषदों नगर निगमों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों के मानदेय मे बढौतरी की गई है। वहीं मनरेगा की दिहाड़ी मे बढौतरी के साथ-साथ राज्य पुलिस की डाईट मनी मे 5 गुना बढौतरी की गई है। शिक्षा के क्षेत्र में 9890 करोड़ रुपये, सडकों व पुलों के निर्माण के लिए 4317 करोड़ रुपए, स्वास्थ्य के लिए 3415 करोड़ रुपए, जलशक्ति विकास के लिए 3365 व सामाजिक सुरक्षा के लिए 2457 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा शिक्षाए स्वास्थ्य व जलशक्ति विभाग मे बंपर भर्तियां करने का ऐलान भी इसी वित्तीय वर्ष मे किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष प्राकृतिक आपदा के चलते प्रदेश को आर्थिक रूप से काफी हानि हुई थी। इस पर भी बिना केंद्र की सहायता के मुख्यमंत्री ने प्रदेशीय संसाधनों से राहत व पुनर्वास के लिए 4500 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की थी जो कि अपने आप मे एक बड़ी उपलब्धि है।

न्यूज फ्लैश

सुक्खू की कांग्रेस सरकार ने बजट में मीडिया को किया दरकिनार :सूरत पुंडीर

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट भले ही सभी क्षेत्र के हित में माना जा रहा हो परंतु हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ सरकार की योजनाओं के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आम जनों तक पहुंचाने की भूमिका निभाने वाले मीडिया के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। हिमाचल प्रदेश में मीडिया पॉलिसी की मांग लगातार उठाई जा रही है परंतु हिमाचल प्रदेश सरकार मीडिया कर्मियों के लिए ना तो स्थाई पॉलिसी बना रही है ना ही बजट में आवास व पेंशन की कोई सुविधा दी गई है। सिरमौर प्रेस क्लब नाहन के अध्यक्ष शैलेंद्र कालरा, महासचिव सतीश शर्मा, प्रवक्ता सूरत पुंडीर व पूर्व अध्यक्ष एसपी जैरथ ने यहां जारी बयान में कहा कि एक और तो सरकार मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मानती है तो दूसरी ओर बजट में मीडिया कर्मियों के लिए किसी भी प्रकार का प्रावधान नहीं किया जाता है। सिरमौर प्रेस क्लब नाहन के पदाधिकारी ने बजट पर निराशा जताते हुए कहा कि सरकार एक ओर तो उम्मीद करती है कि सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचने में मीडिया हर पल सरकार का सहयोग करें तो दूसरी और मीडिया कर्मियों के लिए सरकार किसी भी प्रकार का प्रावधान बजट में नहीं करती है। सिरमौर प्रेस क्लब नाहन के प्रवक्ता सूरत पुंडीर ने सरकार के मीडिया की अनदेखी की आलोचना करते हुए कहा कि मीडिया कर्मियों के लिए सरकार हिमाचल प्रदेश में हरियाणा की तर्ज पर मीडिया पॉलिसी बनाएं जिसमें मीडिया कर्मियों के लिए जिला स्तर पर भी आवास व पेंशन की सुविधा उपलब्ध की जाए।

सिरमौर में जेबीटी के 20 पदों के लिए 04 मार्च को होगी काउंसलिंग : उप-निदेशक

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ। जिला सिरमौर में जेबीटी के विभिन्न श्रेणीयों के 20 पदों को अनुबंध आधार पर भरा जाएगा जिसके लिए कांउसलिंग 4 मार्च, 2024 को प्रातः 10 बजे उप निदेशक प्रारंभिक शिक्षा के कार्यालय में की जाएगी यह जानकारी आज उप-निदेशक प्रारंभिक शिक्षा ने दी। उन्होने बताया कि इन पदों में 12 पद सामान्य श्रेणी के पूर्व सैनिकों के आश्रितों, 3 पद अन्य पिछड़ा वर्ग पूर्व सैनिकों के आश्रितों, 3 पद अनुसूचित जाति के पूर्व सैनिकों के आश्रितों व 2 पद अनुसूचित जनजाति के पूर्व सैनिकों के आश्रितों के भरें जाएगें। जिसके लिए आयु सीमा 1 जनवरी, 2024 को 18 से 45 वर्ग के मध्य होनी चाहिए। उन्होने बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार उपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी। इन पदों के लिए जेबीटी या इसके समकक्ष तथा जेबीटी टीईटी परीक्षा पास होना अनिवार्य है। सभी जिलों के योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार अपने मूल दस्तावेजों जिसमें 10वीं, 12वीं या समकक्ष, जेबीटी टीईटी, सम्बन्धित श्रेणी का प्रमाण पत्र, रोजगार कार्यालय पंजीकरण पत्र ,प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट अथवा राजपत्रित अधिकारी द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र, हिमाचली प्रमाण पत्र व पासपोर्ट साईज फोटो सहित 4 मार्च, 2024 को प्रातः 10 बजे उप निदेशक प्रारंभिक शिक्षा के कार्यालय में काउंसलिंग हेतु भाग ले सकते है।

सिक्योरिटी गार्ड के 120 पदों के लिए साक्षात्कार

टीम एक्शन इंडिया/शिमला। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी, शिमला सीमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश द्वारा एसआईएस इंडिया लिमिटिड आरटीए बिलासपुर के लिए जिला शिमला हिमाचल प्रदेश में सिक्योरिटी गार्ड के 120 पद निकाले गए हैं।उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए इच्छुक उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता दसवीं पास, आयु वर्ग 21 से 37 वर्ष, हाइट 168 सेंटीमीटर से ऊपर तथा वज? 56 से ऊपर होना चाहिए, जो भी इच्छुक उम्मीदवार इस पद से संबंधित योग्यता रखता हो, अपने सभी अनिवार्य दस्तावेजों व रिज्यूम सहित 5 मार्च, 2024 को उप-रोजगार कार्यालय रामपुर, 6 मार्च, 2024 को उप-रोजगार कार्यालय कुमारसैन, 7 मार्च, 2024 को उप-रोजगार कार्यालय ठियोग तथा 11 मार्च, 2024 को उप-रोजगार कार्यालय सुन्नी में प्रातः 10:30 बजे पहुंचे।अधिक जानकारी के लिए 85580-62252 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया

टीम एक्शन इंडिया/ शिमला/ चमन शर्मा

प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट एक अच्छा बजट है इस बजट में पंचायतीराज संस्थाओं और नगर निकायों के चुने हुए प्रतिनिधियों के मानदेय में उचित बढ़ोतरी करके मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने व्यवस्था परिवर्तन का परिचय दिया है पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों को जब उचित मानदेय मिलेगा तो ज्यादा समय देकर और लगन पूर्वक अपना कर्तव्य का निर्वहन कर पाएंगे। इस बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने जो घोषणा की उसके मुताबिक जिला परिषद अध्यक्ष 24000, जिला परिषद उपाध्यक्ष 18000, सदस्य 7800, पंचायत समिति अध्यक्ष 11500, उपाध्यक्ष 8400, सदस्य 7200,

पंचायत प्रधान 7200, उपप्रधान 4800, सदस्य 750, नगर निगम महापौर 24000, उपमहापौर 18000, पार्षद 8300, नगर परिषद उपाध्यक्ष 8400, पार्षद 4200, प्रधान नगर पंचायत अध्यक्ष 8400, उपप्रधान 6600, सदस्य 4200 की गई है और मनरेगा वालों की दिहाड़ी 300 की गई है मुख्यमन्त्री सुखविंदर सिंह सुखु का आभार वह गरीब, जन हितेषी और विकास के मुख्यमन्त्री के तोर पर जाने जाएँगे

डूमखर चिल्ली में पागल कुत्ते ने आधा दर्जन को काटा

टीम एक्शन इंडिया/ ऊना/ राजन पुरी। उपमंडल बंगाणा के चिल्ली डूमखर गांव में एक पागल कुत्ते ने दो बच्चों सहित आधा दर्जन को काटा है। घायलों को स्थानीय सिविल अस्पताल बंगाणा में रैबीज के टीके लगाए जा रहे हैं। पागल कुत्ते ने गांव के पांच कुत्तों को भी काट दिया, जिससे ग्रामीण आक्रोशित हो गए। जानकारी के मुताबिक चिल्ली डूमखर गांव में कुछ प्रवासी टैंट आदि लगाकर रहते हैं। सोमवार सुबह एक पागल कुत्ते ने गांव के लोगों को बच्चों पर हमला बोल दिया। पागल कुत्ते ने गांव के दो बच्चों सहित 6 लोगों को घायल कर दिया। इतना ही नहीं समीपवर्ती गांव के 5 कुत्तों को भी काट लिया। कुत्तों पर लोगों को काटने से आक्रोशित लोगों की भीड़ में पागल कुत्ते को लाठी डंडों से पीट-पीट कर मार डाला।

एससी समुदाय की महिला से शारीरिक छेड़छाड़ आरोपियों को सत्ता पक्ष का संरक्षण: भाजपा

टीम एक्शन इंडिया/ हमीरपुर/ विवेकानंद वशिष्ठ

सुजानपुर में कानून व्यवस्था में छेड़छाड़ आम बात हो चुकी है कभी चोरी करने वालों को संरक्षण मिलता है तो कभी युवाओं को चिटा नशा उपलब्ध करवाने वाले आरोपियों को संरक्षण मिलता है कांग्रेस के वह कौन नेता है जो आरोपियों को संरक्षण देते हैं उन्हें बचाने के लिए प्रशासन के ऊपर दबाव डालते हैं। यह बात भाजपा मंडल अध्यक्ष बिक्रम राणा पूर्व भाजपा प्रत्याशी कैप्टन रंजीत राणा जिला सचिव विनोद ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कही है उन्होंने कहा कि रविवार रात को थाना सुजानपुर के अंतर्गत सपना देवी पत्नी सुभाष चंद गाँव कलोह डाकघर भटेड तहसील टोनी देवी जिला हमीरपुर के साथ शादी समारोह में शारीरिक छेड़छाड़ हुई उक्त महिला को भला बुरा कहा गया उसके पति को और अन्य रिश्तेदारों को पीटा गया महिला को न्याय मिले इसके लिए भारतीय जनता पार्टी प्रशासन से मांग करती है कि जिन लोगों ने इस तरह का काम किया है। वह जल्द से जल्द सलाखों के पीछे हो अगर ऐसा नहीं किया गया तो भारतीय जनता पार्टी प्रशासन ओर पुलिस के खिलाफ सडकों पर उतरेगी उन्होंने कहा कि हैरानी की बात है कि एससी महिला की पीड़ा को दरकिनार करते हुए कांग्रेस सत्तासीन नुमाइंदे और कांग्रेस समाजसेवी इस मामले को दबाने का प्रयास कर गुनहगारों को संरक्षण दे रहे हैं एसे लोगों द्वारा इस तरह का कार्य पहली बार नहीं किया जा रहा जब-जब सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में गलत काम हुआ है। तब तब सत्ता पक्ष के लोगों ने मामलों को दबाने का प्रयास किया है पुलिस के ऊपर दबाव बनाया और मामले रफा-दफा हो गए लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं होगा भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को पूरा मान सम्मान देती है महिला किसी भी जाति धर्म की हो उसे न्याय मिलना चाहिए उसकी रक्षा और सुरक्षा होनी चाहिए इस बात को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी सुजानपुर पुलिस से आग्रह करती है कि ऐसे लोगों को शीघ्र सलाखों के पीछे किया जाए और महिला को न्याय दिया जाए अन्यथा महिला को न्याय दिलाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सडकों पर उतरेंगे।

शेष शक्ति युवा मंडल लारजी द्वारा बंजार खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

टीम एक्शन इंडिया/ कुल्लू/ श्याम कुल्वी

नेहरू युवा केंद्र कुल्लू युवा मामले विभाग भारत सरकार द्वारा बंजार खंड का खंड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन शेष शक्ति युवा मंडल लारजी द्वारा लारजी में आयोजित किया गया। युवा मण्डल द्वारा आयोजित खेल कूद प्रतियोगिता में बंजार खंड के 5 महिला मंडल 6 युवा मंडलों ने भाग लिया एवं सौ मीटर दौड़, घड़ा फोड़, वॉलीबॉल महिला वर्ग, वॉलीबॉल पुरुष वर्ग, रस्सा-कस्सी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया कार्यक्रम में बतौर

मुख्यातिथि निधि सिंह सेवा सेवानिवृत्त कानून निरीक्षक रहे साथ में नेहरू युवा केंद्र कुल्लू की जिला युवा अधिकारी सोनिका चंद्रा, डाइट लेक्चरर श्याम लाल हाण्डा, जीत राणा, नरेश पंडित सदस्य जिला युवा सलहाकार समिति सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। वॉलीबॉल खेल कूद प्रतियोगिता महिला वर्ग में महिला मंडल धामन ने प्रथम स्थान हासिल किया वहीं द्वितीय स्थान पर महिला मंडल लारजी रहा।

वॉलीबॉल पुरुष वर्ग प्रतियोगिता में जगला युवक मंडल पलाच प्रथम स्थान पर रहा, द्वितीय स्थान पर शेष शक्ति युवक मंडल लारजी रहा मटका फोड़ में महिला मंडल कलेऊनी की डोलमा देवी लक्ष्मी महिला मंडल भरोल की हुडी देवी महिला मंडल धामन से किरण विजयी हुए सौ मीटर दौड़ में महिला मंडल शील से लीजा ठाकुर ने प्रथम स्थान हासिल किया गया।

भटोली की महिला ने निगला जहर, पीजीआई रेफर

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी। पुलिस थाना मैहतपुर के तहत भटोली में 32 वर्षीय महिला ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। बिगड़ती तबीयत को देख परिजन महिला को क्षेत्रीय अस्तपाल ऊना ले गए, जहां से महिला को गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया। वहीं पुलिस ने भी मामले को लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक भटोली निवासी रजनी देवी ने रविवार रात्रि को गलती से जहरीला पदार्थ निगल लिया। बिगड़ती तबीयत देख परिजन रजनी देवी को उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना लेकर गए, जहां से गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़ कर दिया है।

पांवटा साहिब के दवा उद्योग में घुसा 10 फीट लंबा अजगर

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

गुरु की नगरी पावटा साहिब स्थित एक दवा उद्योग में अजगर पाए जाने से दहशत फैल गई जानकारी के मुताबिक पोंटा साहिब स्थित एक फार्मा उद्योग में करीब 10 फीट लंबा पाइथन मिनाकोंडा यानी अजगर पाया गया। अजगर को देखते ही कंपनी में काम करने वाले कामगारों और उद्योग प्रबंधन में दहशत फैल गई, जिसके चलते स्थानीय प्रबंधक और कामगारों ने पांवटा साहिब के स्नेक मैन के जाने वाले भूपेंद्र सिंह को सूचित किया। कुछ देर के बाद भूपेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और उन्होंने इस 10 फीट लंबे पाइथन को रेस्क्यू किया।

बताते हैं कि पांवटा साहिब के भूपेंद्र सिंह को सांप पकड? की महारत हासिल है जिसके चलते उन्हें स्थानीय लोगों द्वारा स्नेक मैन भी कहा जाता है। बताते हैं कि अब तक भूपेंद्र सिंह सैकड़ों जहरीले सांपों को पकडकर रेस्क्यू कर चुका है। बताते हैं कि भूपेंद्र सिंह न केवल अजगर बल्कि कोबरा जैसे जहरीले सर्प को पकडकर जंगलों में छोड़ा है। उद्योग में पाए गए 10 फीट लंबे अजगर को भूपेंद्र सिंह ने सहज रेस्क्यू किया और उसे जंगल में छोड़ दिया। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने इससे पहले भी कई सांपों को पकडकर आबादी से दूर जंगलों में छोड़ा है ताकि वन्य जीव और लोगों का जीवन सुरक्षित रहे। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पांवटा साहिब के फार्मा उद्योग में पाया गया अजगर पाइथन मिनाकोंडा प्रजाति का सांप है। उन्होंने कहा कि यह अजगर बेहद शांत मुद्रा में विचरण करता है और यह बहुत कम जहरीला होता है। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि यदि कहीं भी सांप दिखे तो उसे मारे नहीं बल्कि उन्हें सूचित करें या फिर वन विभाग को इसकी सूचना दें, ताकि सांप को रेस्क्यू कर जंगलों में छोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि सांप हमारे दुश्मन नहीं है सांप अक्सर अपनी भूख मिटाने के लिए चूहों और अन्य छोटे जीवों की तलाश में भटकते रहते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि सांपों को मारें नहीं बल्कि उन्हें सुरक्षित आबादी से दूर जंगल में छोड़ दें ताकि वन्यजीवों और मानव जीवन को सुरक्षित बनाया जा सके।

आईआईटी मंडी के अध्ययन से पूर्वोत्तर भारतीय राज्यों में बायोमास ईंधन का उपयोग करके खाना पकाने से स्वास्थ्य पर होने वाले खतरों का हुआ अध्ययन

टीम एक्शन इंडिया/ मंडी/ खेमचंद शास्त्री

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के शोधकताओं ने फ्र ांस के इंस्टीट्यूट नेशनल डी रेचेर्चे एट डी सेक्यूरिटे और भारत के राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला के सहयोग से पूर्वोत्तर भारत के तीन राज्यों के ग्रामीण रसोईघरों में पारंपरिक ईंधन के उपयोग से खाना पकाने के तरीकों से होने वाले वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों पर एक व्यापक अध्ययन किया है। आईआईटी मंडी के एक शोध दल, जिसमें पीएचडी शोधकर्ता बिजय शर्मा और स्कूल ऑफ सिविल एंड एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर डॉ सायंतन सरकार और उनके सहयोगियों ने तीन शोध पत्रों की एक श्रृंखला में जलाऊ लकड़ी और मिश्रित बायोमास का उपयोग करके इनडोर खाना पकाने के दौरान उत्पन्न होने वाले हानिकारक उत्सर्जनों की मात्रा और परिणामों का विश्लेषण किया है। उन्नत प्रगति के बावजूद भी पूर्वोत्तर भारत असम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में ग्रामीण आबादी के 50: से अधिक लोग खाना पकाने के लिए अभी भी पारंपरिक ठोस ईंधन जैसे जलाऊ लकड़ी और मिश्रित बायोमास का उपयोग करते हैं, जिससे रसोई की हवा में भारी मात्रा में प्रदूषक रह जाते हैं। हाल ही में किए गए शोध का उद्देश्य एलपीजी-आधारित खाना पकाने की तुलना में बायोमास ईंधन का उपयोग करने से जुड़ी गंभीरता और बीमारी के बोझ का आकलन करना था। इस शोध में शोधकताओं ने यह समझने की कोशिश की कि लकड़ी, मिश्रित बायोमास और एलपीजी का उपयोग करके खाना पकाने के दौरान हवा में क्या निकलता है। उन्होंने मापा कि हवा में कितने छोटे कण तैर रहे हैं, इन कणों में कौन-कौन सी हानिकारक धातुएँ और ऑर्गेनिक रसायन मौजूद हैं और ये कण हमारे फेफ ड़ों के किन हिस्सों में जमा होते हैं। अंत में, उन्होंने गणना की कि खाना पकाने के दौरान हम इन हानिकारक तत्वों को साँस के जरिए कितना ग्रहण कर लेते हैं। इसमें शोधकताओं ने यह जानने की कोशिश की कि हवा में मौजूद हानिकारक कणों और रसायनों के संपर्क में आने से पूर्वोत्तर भारत के ग्रामीण लोगों को कितना स्वास्थ्य नुकसान हो सकता है। उन्होंने विशेष रूप से सांस की बीमारियों और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों पर ध्यान दिया और यह आकलन किया कि इन बीमारियों के कारण कितने लोगों की अकाल मृत्यु हो सकती है।

भटोली में सट्टा लगाते एक काबू

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी। थाना मैहतपुर के तहत पुलिस ने भटोली में एक व्यक्ति को सट्टा लगाते हुए काबू किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक मैहतपुर पुलिस रविवार रात्रि को भटोली में गश्त पर मौजूद थी। इस दौरान पुलिस ने शक के आधार पर कर्ण कुमार निवासी रूपनगर, पंजाब से की तालाशी ली। जिससे पुलिस ने पर्ची दड़ा सट्टा सहित 850 रुपए नकदी बरामद किए। एएसपी ऊना संजीव भाटिया ने बताया कि पुलिस ने कर्ण कुमार के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री सुक्खू का बजट संतुलित और प्रगतिशील है : राजीव वर्मा

टीम एक्शन इंडिया/ शिमला/ चमन शर्मा

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का बजट संतुलित और प्रगतिशील है कांग्रेस पार्टी सेवादल यंग ब्रिगेड सोशल मीडिया प्रदेश के समन्वयक राजीव वर्मा ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के बजट को प्रगतिशील और संतुलित बताया है युवा नेता राजीव वर्मा ने बताया कि बीते समय सभी वित्तीय बाधाओ और पिछले वर्ष आई दुखद व अभूतपूर्व प्रकृति आपदा के कारण हुए भारी नुकसान के बावजूद एक संतुलित

और प्रगतिशील बजट पेश करने में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी ने काबिले तारीफ बजट पेश किया है

जिसकी सभी सराहना करते हैं और सोशल मीडिया नेता राजीव वर्मा ने यह भी बताया कि हिमाचल वित्तीय बजट 2024-2025 हिमाचल प्रदेश के प्रगतिशील भविष्य के लिए सुरक्षित स्मार्ट और सुदृढ़ प्रस्तुति है और विशेष रूप से कृषि बागवानी पशुपालन सकल घरेलू उत्पाद के प्रति व्यक्ति आय में भूमिका इतनी स्मार्ट है कि राज्य को भारत में सर्वश्रेष्ठ में से एक में लाया जा सकता है इस बजट की जितनी भी सरहाना किया जाए कम है।

जल संकट वाले क्षेत्रों को चयनित किया जाएगा: उद्योग मंत्री

टीम एक्शन इंडिया/शिमला

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा है कि मिल्क सैस से अभी तक 90 करोड़ 77 लाख रुपए से अधिक प्राप्त हो चुके है। इस वित्त वर्ष के अंत तह यह 100 करोड़ रुपए के आंकड़े को छुएगा। उन्होंने कहा कि इस राशि से दुग्ध उत्पादन से जुड़ी योजनाओं पर लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराब को लेकर आबकारी नीति में किए गए बदलाव से 40 फीसदी राजस्व बढ़ा है और अगले वित्त वर्ष में कैसे इसे आगे बढ़ाना है, उस पर कैबिनेट फैसला लेगी। उनका कहना था कि शराब के ठेकों की निलामी से 1855 करोड़ का राज्सव प्राप्त हुआ है। यह जानकारी उद्योग मंत्री ने विधायक केवल सिंह पठानिया के सवाल के जवाब मे सदन को दी है। उद्योग मंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री के अनुपस्थिति में सदन में सवालों के जवाद दे रहे थे। इससे पहले केवल
सिंह पठानिया ने कहा कि सरकार ने शराब पर प्रति बोतल 10 रुपए मिल्क सैस लगाया है। इससे सरकार को कितना राजस्व मिला है।

करूणामूलक को रोजगार देने को लेकर सरकार गंभीर : उद्योग मंत्री
उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि करूणामूलक को रोजगार देने को लेकर सरकार गंभीर है और जल्द से जल्द सूचना देने का प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा कि करूणामूलक आधार पर कई विभागों से सूचना लेनी है और इसमें समय लग रहा है। जैसे ही सारी सूचना एकत्र होगी, तो सदन को सूचना उपलब्ध करवा दी जाएगी। भाजपा विधयाक डाऽ जनकराज ने जानना चाहा कि करूणामूलक आधार पर रोजगार
प्रदान करने को लेकर सरकार सूचना कब तक उपलब्ध होगी। वहीं, कांग्रेस सदस्य राजेंद्र राणा ने पूछा कि कितने समय में यह सूचना उपलब्ध होगी। इस बीच, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार की असंवेदनहीनता झलकती है जो इस प्रश्न का उत्तर नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि सरकार इसी सत्र में इसका जवाब देगी और कब तक नौकरी कर दी जाएगी। इस पर हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि सरकार की कोशिश रहेगी कि इसी सत्र में सारी जानकारी आ जाए। उन्होंने कहा कि इस जवाब में बहुत से विभाग और बोर्ड जुड़े हुए हैं और उनके जानकारी हासिल करनी है। उन्होंने कहा कि कई विभागों में 10 ो 12 सालों से मामले लंबित हैं।

सरकारी कालेजों में छात्रों को दिया जा रहा स्टाइफंड : यादविंदर गोमा
विधायक सतपाल सिंह सत्ती के सवाल के जवाब मे आयुष मंत्री यादविंदर गोमा ने कहा कि भारतीय चिकित्सा पद्धति के मापदंड को परपोला आयुर्वेदिक कालेज में लागू किया है।
उन्होंने जो मापदंड तय किए गए हैं, उनमें सरकारीकालेजों में पढ़ रहे छात्रों को स्टाइफंड देने का प्रावधान है। लेकिन निजी संस्थानों में इसे देने का प्रावधान नहीं है। इस मामले को केंद्र सरकार से उठाया जाएगा। विधायक विपिन परमार ने सवाल किया कि परपोला आयुर्वेदिक संस्थान को अखिल भारतीय दर्जा देने को लेकर क्या कदम उठाए गए हैं। इस पर आयुष मंत्री ने कहा कि यह मामला भी केंद्र सरकार के सामने उठाया जा रहा है। इसको लेकर
हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

जल संकट वाले क्षेत्रों को चयनित किया जाएगा : उद्योग मंत्री
प्रदेश में जल संकट से निपटने के लिए जल संकट वाले क्षेत्रों को पहले चयनित किया जाता है। ताकि वहां पानी का उचित प्रबंध किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों के तहत 1585 जल संकट भंडारों का निर्माध किया गया है। उन्होंने कहा कि चंबा जिला को सूखाग्रस्त घोषित नहीं किया है।

शिक्षकों का शिमला में सरकार के खिलाफ प्रर्दशन, 8 फरवरी से चल रहे पेनडाउन स्ट्राइक पर

टीम एक्शन इंडिया/ शिमला/ चमन शर्मा

8 फरवरी से पेन डाउन स्ट्राइक पर चल रहे एसएमसी शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सरकार ने बजट में एसएमसी शिक्षकों का 1900 बढ़ाया है लेकिन एसएमसी शिक्षक सरकार से नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं और 1900 बढ़ाने से शिक्षक खुश नही है। जिसके चलते आज शिक्षकों ने शिमला चौड़ा मैदान में धरना प्रदर्शन किया और सरकार से नियमतीकरण के ऐलान की मांग की। एसएमसी शिक्षक संघ के प्रदेश प्रवक्ता निर्मल ठाकुर ने बताया कि 2555 के आसपास एसएमसी शिक्षक प्रदेश की दुर्गम इलाकों में 12 वर्षों से टेलीविजन अपनी सेवाएं दे रहे हैं ऐसे में

सरकार को इन शिक्षकों के भविष्य को लेकर सोचना चाहिए। बजट से एसएमसी शिक्षकों को उम्मीद थी कि सरकार एसएमसी शिक्षकों को पीटीए की तर्ज पर नियमित करेगी लेकिन सरकार ने मात्र 1900 रुपए बढ़ाकर शिक्षकों से मजाक किया है। 21 फ रवरी से प्रदेश में बच्चों की प्रैक्टिकल परीक्षाएं शुरू हो रही है दूसरी तरफ एसएमसी शिक्षक पेन डाउन स्ट्राइक पर है ऐसे में बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है सरकार अगर आज नियमित करने का ऐलान करती है तो शिक्षक हड़ताल छोडकर कल से स्कूलों में अपनी सेवाएं देना शुरू करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

एसजेवीएन लिमिटेड द्वारा एल्मिको के माध्यम से किया जाएगा कैंप का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री। एसजेवीएन लिमिटेड द्वारा अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के मध्यजर एसजेवीएन फ उंडेशन के माध्यम से सुन्नी बांध जल विद्युत परियोजना एवं लुहरी जल विद्युत परियोजना के आस पास के क्षेत्र के दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं अन्य सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए मैसर्स एलिम्को के माध्यम से असेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। दिव्यांगजनों का असेसमेंट करने के बाद उन्हें व्हील चेयर, साईकल, मोटराइज्ड साईकल, हियरिंग एंड वॉकिंग स्टीक्स, व बैसाखी आदि उपलब्ध करवाए जायेंगे। उन्होंने बताया कि जिला मंडी के उपमंडल करसोग की ग्राम पंचायत परलोग के पंचायत घर में 21 फ रवरी, पंचायत घर नांज में 22 फ रवरी व पंचायत घर बिंदला में 23 फरवरी को शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस शिविर में शामिल होने के लिए दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड अथवा दिव्यांगता प्रमाण पत्र, वार्षिक आय प्रमाण पत्र और आधार कार्ड साथ लाने होंगे। उन्होंने बताया कि एलिम्को संस्था द्वारा शिविर में दिव्यांगों को कृत्रिम अंग तथा व्हील चेयर, हियरिंग एंड वॉकिंग स्टीक्स और बैसाखी सहित अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने को लेकर आकलन किया जाएगा तदोपरान्त इन्हें संबंधित दिव्यांगजनों को उपलब्ध करवाया जाएगा।

पंचायती राज उप चुनाव के दौरान ड्राई डे के सम्बन्ध में आदेश जारी

टीम एक्शन इंडिया/सोलन/मनीष। जिला दण्डाधिकारी सोलन मनमोहन शर्मा ने हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 158-आर के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आवश्यक आदेश जारी किए हैं। इन आदेशों के अनुसार जिला सोलन के विकास खण्ड नालागढ़ की ग्राम पंचायत बधोखरी में 25 फरवरी, 2024 को पंचायती राज संस्थाओं के लिए होने वाले उप चुनाव के दृष्टिगत किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ अथवा मदिरा की बिक्री पर मतदान की समाप्ति के लिए निर्धारित समय से 48 घंटे पूर्व से पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इन आदेशों के अनुसार मतदान क्षेत्र में किसी भी होटल, भोजनालय, सराय, दुकान या अन्य निजी अथवा सार्वजनिक स्थान पर मादक पादर्थ एवं मदिरा की बिक्री नहीं की जा सकेगी। इन आदेशों के अनुसार मतदान क्षेत्र में उपरोक्त निर्धारित समयावधि तथा मतगणना के दिवस पर नतीजे आने तक ड्राई डे घोषित किया गया है। इन आदेशों के अनुसार जिला सोलन के उप चुनाव वाले संबंधित क्षेत्र में किसी भी प्रकार के हथियार साथ लेकर चलने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। शस्त्र लाइसेंस धारकों पर भी यह प्रतिबंध लागू होगा। यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गए हैं तथा मतगणना समाप्त होने तक लागू रहेंगे। उपरोक्त प्रतिबंध की अवहेलना करने पर दोषी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम और अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश आपराधिक दण्ड संहिता 1973 की धारा 144 के तहत कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने और निष्पक्ष एवं स्वतंत्र उप चुनाव के दृष्टिगत जारी किए गए हैं। सेना, अर्धसैनिक बलों, राज्य पुलिस एवं गृहरक्षा तथा केन्द्रीय पुलिस बलों पर यह आदेश लागू नहीं होंगे।आदेशों की अवहेलना पर दण्डात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

50 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू 20 फ रवरी को जिला रोजगार कार्यालय सोलन में

टीम एक्शन इंडिया/सोलन। मैसर्ज आइएफ एम फि नकोच गलोबल प्राईवेट लिमिटेड में 30 पदों तथा मैसर्ज मुथुट माइक्रोफि न लिमिटेड में 20 पदों पर भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू अब जिला रोजगार कार्यालय सोलन में आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी जिला रोजगार अधिकारी संदीप ठाकुर ने दी। संदीप ठाकुर ने कहा कि उक्त पदों के लिए उम्मीदवार 12वीं तथा ग्रेजुएट पास व उनकी आयु 21 से 32 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन पदों की विस्तृत जानकारी आवेदक विभागीय पोर्टल पर प्राप्त की जा सकती है। जिला रोजगार अधिकारी ने कहा कि 50 पदों के लिए भर्ती कैंपस इंटरव्यू 20 फ रवरी, 2024 को जिला रोजगार कार्यालय सोलन में प्रातः 10:30 बजे आयोजित किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय दूरभाष नम्बर 01792-227242 तथा मोबाईल नम्बर 70189-918595 तथा 78768-26291 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

डंगेहड़ा में युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर दी जान

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती डंगेहड़ा गांव में 32 वर्षीय युवक ने अंब से ऊना जा रही ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। मृतक युवक की पहचान मोहित बरमोता पुत्र हंसराज निवासी रायंसरी के रूप में की गई है। रेलवे पुलिस ने मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि हादसा इतना भीषण था कि युवक की गर्दन धड़ से अलग हो गई। खुद मृतक के पिता ने मौके पर पहुंचकर युवक की अपने बेटे के रूप में शिनाख्त की है।

वार्ता के बाद भी मांगे पूरी न होने से सरकार से नाराज डॉक्टर

डॉक्टर बोले पिछले साल की तरह इस बार भी सरकार ने दिया है लॉलीपॉप

टीम एक्शन इंडिया/ सोलन/ मनीष

एनपीए बहाल करने समेत अन्य प्रमुख पांच मांगों को लेकर सोमवार को 32वें दिन भी क्षेत्रीय अस्पताल सोलन में डॉक्टरों द्वारा काले बिल्ले लगाकर अपना रोष प्रदर्शन किया जा रहा है और ओपीडी में सेवाएं दी जा रही है, लेकिन अब आज मंगलवार से डॉक्टर ढाई घंटे की पैन डाउन स्ट्राइक पर क्षेत्रीय अस्पताल सोलन में रहने वाले हैं। पैन डाउन स्ट्राइक के दौरान वे सुबह 9:30 बजे से लेकर 12 तक अस्पताल में सेवाएं नहीं देंगे। वहीं सोमवार को हिमाचल मेडिकल

ऑफिसर्स एसोसिएशन सोलन इकाई के प्रधान डॉक्टर कमल अटवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले साल की तरह इस बार भी उन्हें पिछले साल की तरह सरकार की ओर से सिर्फ लॉलीपॉप मिला है। उन्होंने कहा कि आज 32 दिन पूरे हो चुके हैं लेकिन सरकार से वार्ता के बाद भी कोई बात नहीं बनी है और अब उन्हें मजबूरन कल से पैन डाउन स्ट्राइक पर जाना पड़ रहा है। इस दौरान वे सुबह 9:30 बजे से लेकर 12 तक ओपीडी में सेवाएं नहीं देंगे लेकिन इमरजेंसी सेवा उनके द्वारा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अब भी अगर सरकार नहीं जागती है और उनकी मांगों की तरफ ध्यान नहीं देती है तो आने वाले समय में प्रदर्शन को और उग्र किया जाएगा। बता दें कि डॉक्टर लगातार प्रदेश भर में अपनी मांगों को लेकर काले बिल्ले लगाकर प्रदर्शन कर रहे है। बता दें कि डॉक्टरों की मुख्य पांच मांगें हैं जिसमें नान प्रैक्टिस अलाउंस (एनपीए) को बहाल करना प्रमुख मांग है। साथ ही 4.9.14 की बहाली, एड्स कंट्रोल सोसायटी में परियोजना निदेशक का कार्यभार वापस स्वास्थ्य निदेशक को दिया जाए, इसी के साथ पात्रता एवं वरिष्ठता के आधार पर निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, जेडीए डीडीए सीएमओ, एसएमएसए बीएमओ को वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति दी जाए और किसी को भी सेवानिवृत होने के बाद एक्सटेंशन न दी जाए।

एलआर सेन बने बिलासपुर कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिला प्रधान

टीम एक्शन इंडिया/ बिलासपुर/ कश्मीर ठाकुर

जिले के पिछड़ा क्षेत्र कोटधार के गांव पपलोआ से ताल्लुक रखने वाले लेखराम सेन को प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित विभाग द्वारा बिलासपुर जिला की कमान सौंपी गई है। अधिसूचना के अनुसार लेख राम सेन अब बिलासपुर कांग्रेस अनुसूचित विभाग के नए जिलाध्यक्ष होंगे। एलआर सेन का एक आवास नगर के वार्ड नंबर-6 कोसरियां में भी है। लंबे समय से पार्टी की निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे एलआर सेन की निष्ठा और काबलियत को देखते हुए प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा उन्हें इस जिलाध्यक्ष के पद से नवाजा है। 1981 में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से एमबीए

एलआर सेन ने भारत सरकार के उपक्रम टायर कॉपोरेशन आफ इंडिया से वरिष्ठ प्रबंधक उतरी क्षेत्र पद से स्वैच्छिक सेवानिवृति के बाद समाज की सेवा में जुड़ गए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में गहरी एवं जमीनी पैठ रखने वाले एलआर सेन की इस नियुक्ति से जिला में हर्ष की लहर है। वहीं एलआर सेन से पीसीसी एससी सेल के प्रदेशाध्यक्ष अमित नंदा, महासचिव सेन राम नेगी, एआईसीसी चेयरमैन राजेश लिलोथिया, पीसीसी अध्यक्षा एवं एमपी मंडी क्षेत्र प्रतिभा सिंह, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, तकनीकि शिक्षा मंत्री राजेश धमार्णी, जिला प्रधान अंजना धीमान, पूर्व मंत्री राम लाल ठाकुर, पूर्व विधायक बंबर ठाकुर, तिलकराज ठाकुर, बाबू राम गौतम, ब्लाक कांग्रेस झंडूता के अध्यक्ष सतीश चंदेल व जिला एवं खंड स्तर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया है।

नम्होल में पुलिस ने पकड़ी अंग्रेजी व देशी शराब की 460 पेटियां, मामला दर्ज

टीम एक्शन इंडिया/ बिलासपुर/ कश्मीर ठाकुर। बिलासपुर पुलिस द्वारा अंग्रेजी व देशी शराब की 460 पेटियों की बड़ी खेप पकड? में की गई कामयाबी हासिल। बीते रविवार की शाम को सब इंस्पेक्टर महेन्द्र सिंह प्रभारी पुलिस चौकी नम्होल अपनी टीम के साथ गश्त व यातायात चेकिंग पर नम्होल बाजार में मौजूद थे। उस दौरान अवैध रूप से अंग्रेजी व देसी शराब से लदे एक ट्रक नंबर एचपी23बी-5231 दाड़लाघाट से बिलासपुर की तरफ आने की सूचना मिली। नम्होल चौक पर नाके के दौरान भारी मात्रा में अंग्रेजी व देशी शराब पाई गई। अंग्रेजी शराब (मार्का रॉयल सटैग) की कुल 100 पेटियां तथा देशी शराब (मार्का सन्तरा) की कुल 360 पेटियां बरामद हुई ।

आईजीएमसी में आरकेएस कर्मचारी पेन डाउन स्ट्राइक पर, अस्पताल में चरमराई व्यवस्था

टीम एक्शन इंडिया/ शिमला/ चमन शर्मा

राजधानी के सबसे बड़े अस्पताल आईजीएमसी के आरकेएस कर्मचारियों ने नियमित पे स्केल के लिए पेनडाउन स्ट्राइक शुरू कर दी है। सुबह 11 बजे तक आरकेएस कर्मी काले बिल्ले लगा कर सुबह अस्पताल के बाहर मौन प्रदर्शन कर रहे है । इसके चलते अस्पताल में आने वाले मरीजों को खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मरीजों को घंटों लाइनों में खड़े रहकर पर्ची बनाने के लिए अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा।कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती, तब तक कर्मचारी पेनडाउन स्ट्राइक पर अड़े रहेंगे। सोमवार को अस्पतालों में मरीजों की लंबी लाइन लगी रही। इसके अलावा ओपीडी काउंटर, प्रिंसीपल और वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय में भी काम ठप रहा। सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर 11 बजे तक अस्पताल का पर्ची काउंटर बंद रहने के वजह से अस्पताल में मरीजों के उपचार में देरी हुई। आरकेएस यूनियन के अध्यक्ष अरविंद पाल ने बताया कि आठ साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद भी कर्मियों को नियमित पे स्केल नही दिया जा रहा है। जबकि उन्हें यहां कार्य करते दस साल से अधिक का समय हो गया है। जबकि 2016 में आठ साल की अवधि पूरी करने वाले कर्मियों को नियमित पे स्केल दिया जा रहा है और 2019 में 35 कर्मचारियों ने आठ साल पूरे कर लिए है बावजूद इसके उन्हें नियमित पे स्केल नही दिया जा रहा है। इसको लेकर कई बार अस्पताल प्रशासन और सरकार से कई बार गुहार लगाई गई लेकिन उनकी मांगे नही मानी जा रही है जिसके चलते पेन डाउन स्ट्राइक शुरू की है और मंगलवार से चार घण्टे की हड़ताल पर रहेंगे।

सीएम द्वारा प्रस्तुत किया गया दूसरा बजट आम आदमी का बजट : किमटा

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/ श्याम कुल्वी

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता राजीव किमटा ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत किया गया दूसरा बजट आम आदमी का बजट है। इस बजट से समाज का हर व्यक्ति लाभावित होगा। उन्होंने कहा कि सुक्खू द्वारा पेश बजट दूरदर्शी, नवोन्मेषी एवं किसान हितैषी है। उन्होंने कहा कि विकट वित्तीय स्थितियों के बावजूद बजट में प्रत्येक वर्ग का ध्यान रखते हुए समाज में पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि यह

बजट हिमाचल की समृद्धि सुनिश्चित करेगा और किसान व बागवानों को इससे बड़े स्तर पर लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देते हुए इसे स्वरोजगार से जोड? की पहल के दृष्टिगत राजीव गांधी प्राकृतिक खेती स्टार्ट-अप योजना के तृतीय चरण में कई उपाय प्रस्तावित हैं। यह मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच के अनुरूप है जिन्होंने युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार से जोड? के लिए 680 करोड़ रुपये की यह योजना आरंभ की है। इससे किसानों की आय में बढ़ौतरी के साथ ही बड़े स्तर पर कृषक वर्ग रसायनमुक्त खेती के प्रति प्रोत्साहित होगा। उन्होंने कहा कि बागवानी क्षेत्र में 12 करोड़ रुपये की लागत से एक उत्कृष्टता केंद स्थापित होने से यह बागवानी उत्पादों की गुणवत्ताए दक्षताए पर्यटन और विपणन से संबंधित बागवानों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के दृष्टिगत एक संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करेगा। बजट में घोषित डिजिटल मीडिया पॉलिसी-2024 की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्रीय वेब पोर्टल और चैनलों को सहयोग के साथ ही प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विकासात्मक गतिविधियों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित होगा। जबकि बजट कर्मचारी हितेषी भी है इस बजट से सभी कर्मचारी खुश है।

पुलिस लाइन में बने पुलिस विभाग के पहले पेट्रोल पंप का निरीक्षण करने पहुंचे डीजीपी

जिन पुलिस कर्मियों की ड्यूटी के दौरान हुई है मौत, उनके बच्चो को दिया जाएगा रोजगार

टीम एक्शन इंडिया/ सोलन/ मनीष

हिमाचल प्रदेश पुलिस रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाले सामान के अलावा अब पेट्रोल-डीजल भी बेचेगी। पुलिस लाइन सोलन में सब्जी मंडी के नजदीक पेट्रोल पंप बनकर तैयार हो चुका है जिसका निरीक्षण डीजीपी संजय कुंडू ने किया है। इस दौरान उन्होंने यहां पर अधिकारियों से जानकारी हासिल की है, कितना कार्य बचा है और कब तक यह पूरा हो जाएगा। डीजीपी संजय कुंडू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश का पहला पेट्रोल पंप यह होगा जिसे पुलिस चलाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस कल्याण में यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा

कि यह पेट्रोल पंप सरकार की मंजूरी से बनाया गया है उन्होंने कहा कि इससे पहले पुलिस सरकार को वेलफेयर देती थी इसके बाद पुलिस ने अपनी जमीन पर पेट्रोल पंप बनाया है और इसके लिए रूल्स भी बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यहां पर उन लोगों को उन बच्चों को रोजगार दिया जाएगा जिनके माता-पिता पुलिस में थे और उनकी अचानक मृत्यु हो गई है उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप को पुलिस के कर्मचारी चलाएगी और इसकी चैयरमेन एसपी सोलन होंगे।
उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा सोलन, ऊना और बिलासपुर में पेट्रोल पंप खोलने के लिए विचार किया गया था सबसे पहले सोलन में इसकी शुरूआत की जाएगी और जल्द ही इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह से करवाया जाएगा, उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप में सभी लोगों को फायदा मिलेगा और लोग इसका लाभ उठा पाएगे।

औहर में पुलिस ने चिट्टे के साथ पकड़ा नकली किन्नर, मामला दर्ज

टीम एक्शन इंडिया/ बिलासपुर/ कश्मीर ठाकुर

जिला की ग्राम पंचायत औहर में पुलिस ने नशे में संलिप्त एक नकली किन्नर और एक युवक को हिरासत में लिया है। आरोपी के पास से दो ग्राम चिट्टा, 150 प्रतिबंधित कैप्सूल, सिरींज, लाईट, फ ॅयल पेपर आदि बरामद हुआ है। इस मामले में पुलिस ने सरकाघाट मंडी निवासी राज कुमार और राज कुमार निवासी लुहणू कनैता बिलासपुर को हिरासत में लिया है। घुमारवीं पुलिस ने मामला दर्ज छानबीन आगे बढ़ा दी है। इस मामले को अर्धनारेश्वर समाज सेवा समिति के सदस्यों द्वारा

उजागर किया गया। रविवार दोपहर को अर्धनारेश्वर समाज सेवा समिति की अध्यक्षा बिजली महंत और उनके साथियों ने पुलिस तथा ग्राम पंचायत औहर की प्रधान प्रेमलता ठाकुर व उपप्रधान रणजीत सिंह के साथ आरोपी के ठिकाने पर धावा बोला तथा उक्त सामान बरामद हुआ। इस मंजर को देखकर गांव वाले हैरान थे।

जिला में कुपोषण की रोकथाम के लिए होगा मिशन मोड में कार्यः जतिन लाल

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) टास्क फोर्स कमेटी की बैठक उपायुक्त जतिन लाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उपायुक्त ने जिला में आईसीडीएस के माध्यम से संचालित की जा रहे सभी योजनाओं की समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि जिला में कुपोषण की रोकथाम के लिए मिशन मोड में कार्य किया जाएगा। गंभीर तीव्र कुपोषण(सैम) और कुपोषित(मैम) बच्चें तालाश किए जाएंगे और ऐसे बच्चों को कुपोषण से बाहर लाने का प्रयास किया जाएगा ताकि जिला में कोई भी

बच्चा कुपोषित न हो सके। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि जिला के सैम और मैम बच्चों का पूरा ब्यौरा भेजना सुनिश्चित करें, ताकि जिला को कुपोषण मुक्त बनाया जा सके। जतिन लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत जिला के सभी पात्र बच्चों को इस योजना का लाभ मिले इसके लिए विभाग मिशन मोड में कार्य करें। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी व आंगनबाड़ी वर्कर अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर पात्र बच्चों के स्वयं फॉर्म भरवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत 27 वर्ष तक के अनाथ बच्चों को चार हजार रुपए प्रतिमहा पॉकेट मनी, तीन बिस्वा भूमि और मकान निर्माण के लिए तीन लाख रुपए, कोचिंग के लिए एक लाख रुपए, लघु/सुक्ष्म उद्योग लगाने के लिए दो लाख रुपए अनुदान और विवाह के लिए भी दो लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत अब तक 0 से 18 वर्ष के 105 तथा 18 से 27 वर्ष के 354 बच्चों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में लड़कियों की शारीरिक स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सैनेटरी नेपकिन, इंसीनरेटर मशीन होना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला में कितने स्कूलों में इंसीनरेटर मशीन स्थापित की गई है, डाटा एकत्रित कर उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मनरेगा कंवर्जेंस के तहत 50 नए आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए उन्होंने डीपीओ को निर्देश दिए कि वर्तमान में यह आंगनबाड़ी केंद्र किस जगह पर संचालित हो रहे है, उनकी पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां सदन में आज बजट सत्र के पांचवे दिन की कार्यवाही का संचालन करते हुए/हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय पहुंचने पर गेट नंबर-1 पर सलामी लेते विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां। आज 2 बजे से सदन की कार्यवाही का संचालन आरम्भ करेंगे।

प्रतिभा सिंह ने नाचन विधानसभा क्षेत्र में किए विभिन्न विकासात्मक कार्यों का शिलान्यास

टीम एक्शन इंडिया/गोहर/सुभाग सचदेवा

सांसद एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने नाचन विधानसभा क्षेत्र में 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाले विद्युत विभाग के भवन विद्युत अनुभाग जयदेवी और 2 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन हरिजन बस्ती भलाणाधार का शिलान्यास किया। उन्होंने माता भद्रकाली मंदिर भराड़ीए चांबी में पूजा अर्चना कर जनसमूह को संबोधित कियाए विश्राम गृह कोठैन में उपस्थित लोगों की समस्याएं सुनी तथा संबंधित विभागों को जल्द निपटारे के निर्देश दिए। अपने व्यस्ततम कार्यक्रम के दौरान सांसद प्रतिभा सिंह ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जयदेवी के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की तथा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरण किए।प्रतिभा सिंह ने पुरस्कार हासिल करने वाले बच्चों को बधाई दी तथा अन्य बच्चों को अधिक मेहनत करने की सलाह दी। उन्होंने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर स्कूली छात्र.छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम कर कर उपस्थित लोगों को समक्ष खूबसूरत प्रस्तुतियों से मोहित किया। सांसद प्रतिभा सिंह ने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार ने आपदा के समय लोगों

की हर संभव मदद की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने वर्ष 2024-2025 का बहुत ही प्रभावशाली बजट पेश किया है जिसमें हर वर्ग का खास ध्यान रखा गया है। यह बजट उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का बजट है जिसमें समाज के सभी वर्गों के विकास का ध्यान रखा गया है। राजीव गांधी स्टार्टअप योजना में स्वरोजगार के अवसर तथा नई स्टार्टअप नीति से युवा विकास को नई मजबूती मिलेगी। बजट में किसान वर्ग का भी विशेष ध्यान रखा गया है। दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, प्राकृतिक रूप से उगाए गेहूँ को 40 रुपये तथा मक्की को 30 रुपये प्रति किलोग्राम के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई है। इन निर्णय से जिले के किसानों बागवानों को सीधा लाभ होगा। मनरेगा दिहाड़ी में 60 रुपये की बढ़ौतरी करके दिहाड़ी 300 रुपये करने के निर्णय, वहीं मनरेगा कामगारों को मकान बनाने के लिए 3 लाख रुपये तक की सहायता देने के एलान, बजट में आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय 12 हजार रुपये करने, बुजुर्गों के लिए मुख्यमन्त्री सुख आरोग्य योजना चलाने तथा इसके जरिए 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी ऐसे वृद्धों, जोकि आयकर न दे रहे हों, को मुफ्त चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा, आंगनवाड़ी कार्यकताओं का मानदेय 10 हजार रुपये करने की घोषणा की गई है।

सांसद प्रतिभा सिंह ने इस अवसर पर नाचन विधानसभा क्षेत्र के लिए कई घोषणाएं भी की। प्रतिभा सिंह ने महिला मंडल चांबी और कला मंच को फर्नीचर के लिए सम्भव धनराशि देने तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जयदेवी के विकासात्मक कार्यों के लिए रखी गई विभिन्न मांगों को पूरा करने की घोषणा की।इस अवसर पर अध्यक्ष जिला एससी सैल नरेश चौहान, सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी चेतराम ठाकुर, सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी किशोरी वालिया, सहित आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

यूथ पार्लियामेंट मुकाबले में बिलासपुर से सुनिशा व ऊना से आकृति शर्मा प्रथम

टीम एक्शन इंडिया/ ऊना/ राजन पुरी।

नेहरू युवा केंद्र संगठन की तरफ से सोमवार को ऊना जिला मुख्यालय के डीसी कार्यालय स्थित एनआईसी में राष्ट्रीय यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। इस मौके पर नेहरू युवा केंद्र संगठन के संयुक्त निदेशक प्रभात कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि उपनिदेशक डॉ लाल सिंह कौंडल भी मौजूद रहे। इस मौके पर ऊना और बिलासपुर जिलों के युवाओं ने वर्चुअल तरीके से युवा संसद में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संयुक्त निदेशक प्रभात कुमार ने बताया कि वर्ष 2014 में युवाओं की प्रतिभा को और तराशने के लिए केंद्र सरकार द्वारा एक संकल्पना की गई थी। इसी के तहत युवा भारत अभियान को भी शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं में यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया जा रहा है, ताकि यह युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन सही मंच पर कर सकें। जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका में पूर्व प्राचार्य डॉक्टर योगेश चंद्र सूद, जिला नोडल अधिकारी एनएसएस डॉक्टर लिली ठाकुर, जिला भाषा अधिकारी नीलम चंदेल, सेवानिवृत्ति प्रवक्ता एवं अधिवक्ता एसडी भारद्वाज व पंजाब नेशनल बैंक आरसेटी ऊना से आकाश द्वारा निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई गई।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में दोनों जिलों से 21 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें जिला बिलासपुर से क्रमशः सुनिशा प्रथम व दीक्षित नायक द्वितीय, जबकि जिला ऊना से आकृति शर्मा प्रथम तथा दूसरे स्थान पर सुहानी देवी रही। यह सभी प्रतिभागी राज्य स्तर की राष्ट्रीय युवा संसद में शिमला में भाग लेंगे तथा राज्य स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम दूसरे तथा तीसरे स्थान प्राप्त करने वाले युवाओं को राष्ट्रीय युवा संसद नई दिल्ली में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। इसमें पहले विजेता को दो लाख, दूसरे को डेढ़ लाख व तीसरे वाले को एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

जिला पुस्तकालय में ऑनलाईन पढ़ाई के लिए उपलब्ध होगी वाई-फाई सुविधा

टीम एक्शन इंडिया/ ऊना/ राजन पुरी।

उपायुक्त जतिन लाल ने जिला पुस्तकालय ऊना का निरीक्षण कर पुस्तकालय की हालत व सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के उपरांत जिलाधीश ऊना ने खंड विकास अधिकारी ऊना को निर्देश दिए कि पुस्तकालय भवन के मुरम्मत संबंधी कार्य को तुरंत पूरा किया जाए। इसके अलावा डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए की पुस्तकालय परिसर में पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था की जाए तथा इसके लिए एक आरओ प्यूरीफायर स्थापित किया जाए। उपायुक्त ऊना ने कहा कि अतिशीघ्र जिला पुस्तकालय में वाई-फाई इंटरनेट सुविधा भी प्रदान की जाएगी ताकि पुस्तकालय में आने वाले पाठकों को आनलाइन अध्ययन के दौरान कनेक्टिविटी की समस्या का सामना न करना पड़े। बता दें कि जिला पुस्तकालय वर्ष 1971 से लोगों को ज्ञान प्रदान कर रहा है लेकिन मौजूदा समय में इसकी हालत काफी खराब है।

ऐसे में डीसी जतिन लाल ने जिला पुस्तकालय का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया और बेहतर व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसी टू डीसी ऊना वरिंदर कुमार, खंड विकास अधिकारी ऊना के एल वर्मा, अधिशाषी अभियंता राकेश कुमार कनिष्ठ अभियंता अरुण कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारियों भी उपस्थित रहे।

'प्रदेश के हर वर्ग के हितों को ध्यान रखते हुए बजट पेश किया है'

टीम एक्शन इंडिया/ किन्नौर/ अनिल

प्रदेश मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने जहां अपने कार्यकाल का दूसरा बजट पेश किया है वहीं प्रदेश कांग्रेस के मीडिया पैनलिस्ट व जनजातीय सलाहकार परिषद के सदस्य डॉ सूर्या बोरस नेगी ने बजट की सराहना की है।रिकांगपिओ में पत्रकार वार्ता करते हुए डॉ सूर्या बोरस ने कहा कि प्रदेश मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के हर वर्ग के हितों को ध्यान रखते हुए बजट पेश किया है जो कि ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा जो इस वर्ष बजट पेश पेश किया है व अगले 10 वर्षों में प्रदेश को समृद्ध राज्य बनाने के लक्ष्य को लेकर बनाया गया है। वही इस बजट में सात नई योजनाएं व तीन नई नीतियां भी बजट में देखने को मिला है। सूर्या बोरस ने कहा कि प्रदेश मुख्यमंत्री व राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी द्वारा प्रदेश के बागवानों के लंबे समय से चले आ रही है यूनिवर्सल कार्टन व किलो के हिसाब से भेजने की मांग को पूरा कर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में भी गेहूं और मक्की का समर्थन मूल्य बढ़ाकर किसानों के हित में इक बड़ा फैसला लिया है ।वहीं इस बजट में मनरेगा में दिहाड़ी को भी बढ़ाया गया है।जबकि विधवा महिलाओ के बच्चों को मुक्त शिक्षा का भी तोहफा दिया गया है। तू वही दूध का एमएसपी भी बढ़ाया गया है । प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट ने कहा कि टूरिज्म सेक्टर में भी किन्नौर और लाहौल

स्पीति में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावी देने के काम किया है। वही जिला किन्नौर के करछमएनाकों व चांगो को पर्यटनके लिए विकसित किया जा रहा है ।

इसके अलावा रिकांगपिओ के शार्बो में भी हेलीपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है।वही पंचायती राज के सभी माननीय का मानदेय भी बढ़ाया गया है। इसके अलावा कर्मचारियों को एरियल व डीए बढ़ाने का बजट में फैसला लिया गया है।

उन्होंने कहा कि 2026 तक हिमाचल प्रदेश को हरित राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है तो वहीं बेरोजगार युवाओं के लिए विभिन्न विभागों में 8 हजार भर्ती करने का प्रावधान किया गया है ।वही भेड़ पालकों के लिए प्रोत्साहन योजना के तहत 10 करोड़ का बजट रखा गया है ।इसके अलावा कैंसर पीड़ितों को मुक्त इलाज व 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुक्त ईलाज का भी प्रावधान किया गया है।

खानपुर में गाड़ी रोककर व्यक्ति से मारपीट

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

सदर थाना ऊना के तहत खानपुर में एक गाड़ी रोककर मारपीट करने व जातिसूचक शब्द बोलने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में दीपक ने बताया कि शुक्र-शनि की रात्रि जब अपने दोस्त के साथ अपने घर जा रहा था, तो खानपुर में पिंटू मान व गुरजीत मान ने इसकी गाड़ी को रोक कर पत्थर मारने शुरू कर दिए। इतना ही नहीं मारपीट करते हुए जातिसूचक शब्द भी बोले। एएसपी ऊना संजीव भाटिया ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लोनिवि जोगिंद्रनगर को टिप्पर समर्पित विकास में नहीं आएगी कमी: जीवन

टीम एक्शन इंडिया/ जोगिंद्रनगर/ संगराय

प्रदेश कांग्रेस सचिव जीवन ठाकुर ने सोमवार को जोगिंद्रनगर में लोक निर्माण विभाग मंडल को सरकार द्वारा दिए गए टिप्पर का विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर हरी झंडी दिखा कर लोक निर्माण विभाग को समर्पित किया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जीवन ठाकुर ने कहा कि वह प्रदेश मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त करते कहा की जोगिंद्रनगर क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग को एक टिप्पर प्रदेश सरकार द्वारा समर्पित किया गया है जिसके लिए वे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त करते हैं।

भाखड़ा विस्थापितों ने गृह कर के नोटिसों पर जताई आपत्ति

टीम एक्शन इंडिया/ बिलासपुर/ कश्मीर ठाकुर

सर्वदलीय भाखड़ा विस्थापित समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि पूर्व की भांति इस बार भी नगर परिषद द्वारा भाखड़ा विस्थापितों को गृह कर के नोटिस थमाए जा रहे है। जिन का समिति द्वारा तैयार किए गए उत्तर फ ार्म पर हस्ताक्षर करके सभी विस्थापितों द्वारा एक जैसा उत्तर दिया जाएगा। स्थानीय परिधि गृह में समिति के महासचिव जयकुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न इस बैठक में स्पष्ट किया गया कि नगर परिषद बार-बार गृह कर के नाम पर कथित पेनल्टी लगा कर बड़ी-बड़ी राशियों के नोटिस देकर विस्थापितों पर दबाव बनाने का तरीका अपना रही है। जिससे

नगर परिषद को परहेज करना चाहिए क्योंकि इस संदर्भ में हिमाचल हाई कोर्ट ने अपने एक आदेश में गृह कर पर रोक लगाते हुए कहा है कि भाखड़ा विस्थापितों से इसे वसूलने के लिए किसी भी प्रकार के दबाव का प्रयोग नहीं किया जाएगा। जयकुमार ने बताया कि समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि कोई भी भाखड़ा विस्थापित गृह कर अदा नहीं करवाएगा और समिति द्वारा तैयार किए गए जबाव फ ार्म पर हस्ताक्षर करके नोटिस का परिषद को शीघ्र उत्तर दिया जाएगा। एक अन्य प्रस्ताव में जिला से संबन्धित मंत्री राजेश धमार्णी के सम्मान में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में पधारने के लिए मंत्री का आभार प्रकट किया। जबकि इसे सफ ल बनाने के लिए समिति के सदस्यों, वरिष्ठ नागरिकों और संस्थाओं का भी धन्यवाद किया। जयकुमार ने बताया कि समिति ने एक अन्य सर्वसम्मत प्रस्ताव में मार्च 17 से आरंभ होने वाले मेला नलवाड़ी के ग्राउंड को एक ही ठेकेदार के हवाले करने की प्रक्रिया अपना कर छोटे दुकानदारों की कथित लूट का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने सरकार और जिला प्रशासन से मांग की है कि पूर्व पद्धति के अनुसार ही मेला प्रबंध समिति प्लाटों का आबंटन स्वयं करे ताकि किसी ठेकेदार के एकाधिकार से इसे बाहर रखा जा सके।

मास्टर बैडमिंटन चैंपि. में 150 से अधिक मास्टर खिलाड़ी दिखा रहे हैं दमखम

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/ चमन शर्मा

हिमाचल प्रदेश मास्टर बैडमिंटन चैंपियनशिप आज से धर्मशाला में आरम्भ हुई। चैंपियनशिप का शुभारंभ हिमाचल प्रदेश हिमालयन गद्दी यूनियन के अध्यक्ष मोहिंदर सिंह ने किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि खेंले इंसान को रोजमर्रा के जीवन की मुश्किलों से लड?ा सिखाती हैं। साथ ही समय के साथ आगे बढ?ा और संयम रखना भी सिखाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। हाल ही में खिलाडि?ों के पदक जीतने पर पुरस्कार राशि मे बढ़ोतरी और खेलों के आधारभूत ढांचे के किये बजट का पर्याप्त प्रावधान

किया गया है। इस मौके पर एसपी विजिलेंस कांगड़ा बलवीर ठाकुर और डाइट कांगड़ा की प्रिन्सिपल नीना पुंज बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कांगड़ा जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव विलास हंस और हिमाचल बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव रमेश ठाकुर ने कहा कि इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 150 से अधिक महिला व पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। ये मास्टर बैडमिंटन प्रतियोगिता 35, 40, 45, 50, 55, 60, 65 और 70 वर्ष आयु वर्गों में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता 21 फरवरी तक चलेगी और इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी हरियाणा के पंचकूला में 16 मार्च से आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिमाचल के प्रतिनिधित्व करेंगे। इस मौके पर कांगड़ा जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील मिनोचा, उपाध्यक्ष आरसी कटोच, कोषाध्यक्ष विशाल मिश्रा, संदीप ढींगरा, गौरव चड्ढा, विक्रम चौधरी, पवन चौधरी, बलवंत झौटा, चंद्र शेखर तुर्की, सुरेंद्र शर्मा, संजय कालिया, वीडी मोदगिल, पंकज शर्मा, मोहित दत्ता, विजय धौटा, विजय ठाकुर और अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। प्रतियोगिता में आज विभिन्न आयु वर्गों में एकल, डबल और मिक्स डबल मुकाबले खेले गए। महिलाओं के 35 वर्ष आयु वर्ग के फाइनल मुकाबले में कुल्लू की डिंपल और डॉक्टर पिंकी रॉय की जोड़ी कांगड़ा की हर्षिता और निशा को हरा कर चैंपियन बनी। जबकि एकल मुकाबले में कुल्लू की पिंकी रॉय ने कांगड़ा की रीना राठौर को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसी आयु वर्ग के मिक्स डबल फाइनल मुकाबले में योगेश और डिम्पल की जोड़ी कांगड़ा के प्रशांत और हर्षिता की जोड़ी को हराकर विजेता बने। 40 वर्ष आयु वर्ग के मिक्स डबल मुकाबले में कांगड़ा के गौरव और कोलीन की जोड़ी शिमला के बलवंत झौटा और रचना की जोड़ी को हराकर विजेता बने।

आईपीएस अधिकारी राकेश सिंह ने संभाला एसपी ऊना का पदभार

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

वर्ष 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश सिंह ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक ऊना का पदभार ग्रहण कर लिया है। 50 वर्षीय राकेश सिंह मूलतः हिमाचल प्रदेश के जिला शिमला के रहने वाले हैं तथा उन्हें हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग पदों पर विभागीय कार्य करने का लंबा अनुभव है। राकेश सिंह ने पुलिस विभाग में वर्ष 2002 में हिमाचल पुलिस सेवा अधिकारी के रूप में प्रवेश किया। उन्होंने काजा, बैजनाथ, पालमपुर तथा जवाली नामक स्थानों पर उप पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दीं, जबकि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में उन्होंने हमीरपुर तथा ऊना में विभागीय सेवाएं दीं। जिला ऊना में एसपी का पदभार ग्रहण करने से पूर्व राकेश कुमार ने जिला हमीरपुर के बस्सी में पांचवी आईआरबीएन में कमांडेंट के पद पर कार्यरत थे। जिला ऊना में एसपी का पदभार ग्रहण करने के अवसर पर अपनी प्राथमिकताओं का जिक्करते हुए राकेश सिंह ने बताया कि नशा मुक्त ऊना, यातायात व्यवस्था का सुचारू संचालन, अवैध खनन की रोकथाम तथा कानून के प्रति आम व्यक्ति का भरोसा कायम करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि ऊना पुलिस बल को और अधिक सुदृढ करने के साथ साथ जिला के धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं के भेष में आने वाले असामाजिक तत्वों की रोकथाम के लिए भी विशेष बल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध की रोकथाम के दृष्टिगत पुलिस बलों का आधुनिकरण करना भी आज के समय की परम आवश्यकता है तथा इस ओर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

न्यूज फ्लैश

शिव पालकी पर हुई पुष्पवर्षा, लगे भोले के जयकारे

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में शिव प्रभातफेरी की ओर से निकाली जा रही प्रभातफेरी में भगवान शिव का प्रतिदिन गुणगान किया जा रहा है। सोमवार को प्रभातफेरी सेक्टर-32 में शिव भक्त वीना सेठ के निवास से प्रारंभ हुई, जहां उन्होंने अपने पूरे परिवार के साथ भगवान शिव की आरती की और आशीर्वाद लिया।

गलियों का भ्रमण करते हुए प्रभातफेरी सेक्टर- 32 नरसी विलेज में मणि नागपाल के निवास पर पहुंची, जहां विश्राम लिया गया। भक्तों ने जय शिव शंकर के जयकारों के साथ फूलों की वर्षा के साथ प्रभातफेरी का भव्य स्वागत किया। शिव भोलेनाथ के दर्शनों के लिए श्रद्धालु अपने घरों के मुख्यद्वार पर थाल में ज्योत जलाकर सुबह प्रभातफेरी के आने का इंतजार करते हुए दिखाई दिए। नगर की विभिन्न गली-मोहल्ले का भ्रमण कर लोगों को भगवान शिव की महिमा के बारे में बताया गया। श्रद्धालु भगवान शिव की जय-जयकार कर आगे बढ़ रहे थे।

इस अवसर पर सतपाल मनोचा, प्रवीन सचदेवा, राजू भुटानी, राम गोपाल शर्मा, वेद, राधेश्याम, ललित दुआ, सरदार जरनैल सिंह, अंजली भुटानी, शोभा, सुनीता कथूरिया सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

वकीलों ने किया वर्क सस्पेंड, चंडीगढ़ में वकील के साथ मारपीट पर भड़के

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। जिला बार एसोसिएशन ने चंडीगढ़ में वकील के साथ हुई मारपीट के चलते वर्क सस्पेंड कर दिया। वकीलों में रोष व्याप्त है। हालांकि इस मामले में मामला दर्ज हो चुका है, लेकिन वकीलों का आरोप है कि जो धाराएं लगाई गई हैं, वे सही नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चंडीगढ़ के सेक्टर-28 में वकील के साथ एक व्यक्ति द्वारा मारपीट की गई और मारपीट के दौरान वकील को गंभीर चोटें आई हैं और वह अस्पताल में एडमिट है। पीड़ित वकील पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं। इसके बाद आज पंजाब एंड हरियाणा बार काउंसिल की कॉल आई थी कि हरियाणा के सभी जिला स्तरीय कोर्ट में वर्क सस्पेंड रहेगा। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप कुमार ने बताया कि पीड़ित वकील अपनी कंप्लेंट लेकर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व कार्यकारिणी के साथ लोकल पुलिस स्टेशन में गए थे, लेकिन वहां पर भी पुलिस ने वकीलों की सही तरीके से सुनवाई नहीं की और काफी देर तक इंतजार करवाया। इतना ही नहीं पुलिस ने एक बहुत ही कमजोर एफआइआर दर्ज की है, जो कि एक खानापूर्ति है। पीड़ित वकील को गंभीर चोटें आई है, लेकिन एफआईआर बेलएबल अपराध में की गई है।

चुनाव के दृष्टिगत बैठक: डीसी ने मांगा अधिकारियों व कर्मचारियों का विस्तृत ब्यौरा

चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार किन अधिकारियों व कर्मचारियों को ड्यूटी से छूट दी जानी है इसकी जानकारी भी दें

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। लोकसभा चुनाव की हालांकि विधिवत घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन जिला प्रशासन ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से चुनाव कराने के लिये तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में आज जिला उपायुक्त अनीश यादव ने डीआईओ तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की और जरूरी निर्देश दिये। उपायुक्त ने डीआईओ को निर्देश दिये कि चुनाव के दृष्टिगत भारत सरकार और राज्य सरकार के जिला में कार्यरत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का ब्यौरा विस्तृत रूप से उपलब्ध कराया जाये। यह भी निर्देश दिये कि चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार किन अधिकारियों व कर्मचारियों को ड्यूटी से छूट दी जानी है इसकी जानकारी भी दें। उन्होंने कहा कि करनाल में केंद्र सरकार के कार्यालयों में सैंकड़ों कर्मचारी कार्यरत हैं। उनकी ड्यूटी लगाने अथवा न लगाने बारे संबंधित विभाग के

तैयारी

8 जिला प्रशासन ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से चुनाव कराने के लिये तैयारियां शुरू कर दी हैं

प्रमुख से प्रमाण पत्र हासिल किया जाये। साथ ही एसडीएम अनुभव मेहत्ता को निर्देश दिये कि इस बारे में वे जिला में स्थित केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों के प्रमुखों के साथ पत्र व्यवहार करें। जरूरी हो तो उनके साथ बैठक भी फौरन आयोजित करें ताकि अधिकारियों व कर्मचारियों की संख्या का सही आंकड़ा सामने आ सके। जिला में 1147 बूथ हैं। इसके लिये 1147 पीठासीन अधिकारी और इतने ही सहायक पीठासीन अधिकारी तथा 2294 पोलिंग स्टाफ की जरूरत पड़ेगी। इसके अलावा रिजर्व स्टाफ भी रखना पड़ेगा। जरूरत पडने पर करनाल से केंद्र सरकार के कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी बतौर माइक्रो ऑबर्जवर अन्य जिलों में भेजे जा सकते हैं।

महिला दो बच्चों को छोडकर हुई फरार

जांच जारी

8 लडके की शादी करीब 10 साल पहले हुई थी। उसके बेटे के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं, एक लडका व एक लड़की

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। कस्बा तरावड़ी थाना क्षेत्र में एक महिला अपने दो छोटे-छोटे बच्चों को छोडकर फरार हो गई। महिला के पति की एक साल पहले सडक हादसे में मौत हो गई थी। पुलिस ने महिला के ससुर की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में महिला के ससुर ने बताया कि उसके लडके की शादी करीब 10 साल पहले हुई थी। उसके बेटे के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं, एक लडका व एक लडकी। एक साल पहले ही उसके बेटे की सडक हादसे में जान चली गई। जब से उसके बेटे की मौत हुई है, तब से उसकी बहू ने उसे परेशान किया हुआ है। पीड़ित बुजुर्ग ने बताया कि उसकी पुत्रवधू बिना बताए कहीं भी चली जाती है और कई बार तो एक सप्ताह तक वापस घर नहीं आती। उसके दो छोटे-छोटे पोता पोती हैं, जो अपनी मां के बगैर नहीं रह पाते। इस बार बीती 23 जनवरी को दोनों बच्चों को घर पर छोडकर किसी अनजान व्यक्ति के साथ घर से चली गई। उसकी काफी जगह तलाश की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। बुजुर्ग ने बताया कि इस बार तो वह अपने साथ घर में रखी सारी नकदी व अपने कपड़े भी साथ ले गई।

समलैंगिक जोड़े को मिली प्रोटेक्शन, दोनों बीए की छात्राएं

सुरक्षा

8 शादी से 10 दिन पहले वह घर से भाग गई। परिवार से खतरा बता युवती ने कोर्ट से सुरक्षा मांगी थी

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। करनाल में समलैंगिक जोड़े को कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में प्रोटेक्शन दी है। इनमें से एक युवती की 26 फरवरी को शादी होनी थी। शादी से 10 दिन पहले वह घर से भाग गई। परिवार से खतरा बता युवती ने कोर्ट से सुरक्षा मांगी थी। एडवोकेट मुकेश गर्ग ने कोर्ट में प्रोटेक्शन याचिका दायर की, जिस पर कोर्ट ने प्रोटेक्शन देकर दोनों युवतियों को सेफ हाउस भेज दिया।

एडवोकेट मुकेश गर्ग ने बताया कि करनाल क्षेत्र की 22 वर्षीय युवती बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा है, जबकि दूसरी 23 वर्षीय युवती पानीपत के मतलौडा क्षेत्र की है और बीए प्रथम वर्ष की परीक्षा देने के बाद करनाल के बर्गर किंग आउटलेट में जॉब करती है। दोनों युवतियों की जान-पहचान सोशल मीडिया पर हुई। दोनों एक-दूसरे को बहुत पसंद करती हैं, इसलिए उन्होंने एक-दूसरे के साथ रहने का पक्का मन बना लिया। समाज के रीति-रिवाजों और प्रकृति के विपरीत जाकर ऐसा कदम उठाना दोनों के लिए आसान नहीं था। उन्होंने इस चुनौती को स्वीकार किया और प्रोटेक्शन के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। दोनों युवतियां दो साल से एक-दूसरे के टच में थीं। इसके बारे में किसी को पता नहीं था। 22 वर्षीय युवती की शादी घर वालों ने जींद के एक युवक के साथ तय कर दी थी। 26 फरवरी को उसकी शादी होने वाली थी। घर में शादी को लेकर तैयारियां चल रही थीं, लेकिन शादी से 10 दिन पहले ही 22 वर्षीय युवती घर से फरार हो गई और अपने डॉक्यूमेंट के साथ करनाल कोर्ट पहुंच गई।

करनाल में राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मार्च को : सीजेएम

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुश्री जसबीर कौर ने बताया कि आगामी 9 मार्च को इस वर्ष की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत ज्यूडिशियल कोर्ट कॉम्प्लैक्स करनाल में आयोजित होगी। इसके अलावा असंध तथा इंद्री के न्यायिक परिसर में भी प्रातः 10 बजे से यह लोक अदालत आयोजित की जाएगी।

समय और पैसे दोनों की बचत : सुश्री जसबीर कौर ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों की न्याय दिलाने में मदद करना है। इससे समय व पैसे दोनों की बचत होती हैं। उन्होंने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। किसी भी आमजन का यदि कोई मामला लंबित है तो इस लोक अदालत में मामले की सुनवाई के लिए ला सकता है।

सीजेएम जसबीर कौर ने किया उपमंडलीय विधिक सेवा कमेटी इन्द्री का दौरा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव सुश्री जसबीर सोमवार को उपमण्डलीय विधिक सेवा कमेटी, इन्द्री पहुंची। उपमण्डलीय विधिक सेवा कमेटी, इन्द्री के अध्यक्ष मधुर बजाज ने सुश्री जसबीर का स्वागत किया। इस मौके पर सिविल जज जूनियर डिवीजन इंद्री सुश्री हर्षा शर्मा उपस्थित रही। सुश्री जसबीर ने उपमण्डलीय विधिक सेवा कमेटी इन्द्री में चलाए जा रहे मध्यस्थता केंद्र व कानूनी सहायता केंद्र का निरीक्षण किया तथा उन्होंने पैनल अधिवक्ताओं व मिडिएटर्स को प्रदान किए जाने वाले मुकदमों के बारे में बातचीत की। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कैदियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं व मुफ्त कानूनी सेवाओं बारे तथा पैन इंडिया कैम्पेन के अंतर्गत ज्यूविनायलों के अधिकारों बारे में बातचीत की।

जिला एडीआर सैंटर करनाल में स्थापित कानूनी सहायता केन्द्र पर कोई भी व्यक्ति मुफ्त कानूनी सलाह प्राप्त कर सकता है। मुफ्त कानूनी सलाह के लिए हैल्पलाइन नंबर 1844-2266138 पर भी संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कोई भी गरीब व्यक्ति, स्त्री, बच्चा, आरक्षित वर्ग, वरिष्ठ नागरिक, किन्नर, विकलांग, स्वतंत्रता सैनानी इत्यादि मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने के हकदार हैं। इसके लिए किसी भी कार्य दिवस पर जिला एडीआर सैंटर में स्थापित कानूनी सहायता केन्द्र पर संपर्क किया जा सकता है।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ग्रेपलिंग में ओवरऑल चैंपियन बनी जेजेटीयू

चार दिन चले ग्रेपलिंग टूनार्मेंट के विजेताओं को ट्राफी, मेडल देकर किया गया सम्मानित

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली/झुंझुनूं

अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ व श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला यूनिवर्सिटी कैम्पस में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ग्रेपलिंग टूनार्मेंट में मेजबान श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं महिला व पुरूष वर्ग में पहले स्थान पर रहते हुए ओवरऑल चैंपियन बनी। विजेताओं को यूनिवर्सिटी प्रेजीडेंट डॉ देवेन्द्र सिंह ढुल व डायरेक्टर एस्टेट इंजीनियर बालकृष्ण टिबड़ेवाला ने ट्राफी सौंपी। चार दिन चले ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ग्रेपलिंग टूर्नामेंट 2023-24 में पुरूष वर्ग में श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं 79 अंक के साथ पहले स्थान पर, माधव यूनिवर्सिटी पिंडवाड़ा 22 अंक के दूसरे स्थान पर, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड यूनिवर्सिटी बरेली 21 अंक के साथ तीसरे व देश भगत यूनिवर्सिटी खन्ना, पंजाब 19 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही। इसी प्रकार महिला वर्ग में श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं 77 अंक के साथ पहले स्थान, देश भगत यूनिवर्सिटी खन्ना, पंजाब 26 अंक के साथ दूसरे स्थान पर, वीएनएसजी यूनिवर्सिटी सूरत 13 अंक के साथ तीसरे स्थान पर व चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी भिवानी

प्रतियोगिता

8 समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में यूनिवर्सिटी प्रेजीडेंट व डायरेक्टर एस्टेट ने किया सम्मान

11 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही। खेल निदेशक डॉ अरुण कुमार ने बताया कि पुरूष वर्ग में श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं ने 6 गोल्ड मेडल, 14 सिल्वर मेडल, माधव यूनिवर्सिटी पिंडवाड़ा ने 2 गोल्ड मेडल, 3 सिल्वर मेडल, 3 ब्रांज मेडल, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड यूनिवर्सिटी बरेली ने 3 गोल्ड मेडल, 1 सिल्वर मेडल व 3 ब्रांज मेडल जीते। इसी प्रकार महिला वर्ग में श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं ने 8 गोल्ड मेडल, 7 सिल्वर मेडल जीते, जबकि देश भगत यूनिवर्सिटी खन्ना, पंजाब ने 5 गोल्ड मेडल व 1 ब्रांज मेडल, वीएनएसजी यूनिवर्सिटी सूरत ने 1 गोल्ड मेडल, 2 सिल्वर मेडल व 2 ब्रांज मेडल जीते।प्रख्यात कलाकार अमित ढुल ने प्रस्तुति देकर खिलाड़ियों का मनोरंजन किया।

इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ अजीत कुमार, परामर्श समिति सदस्या डॉ मधु गुप्ता, डीन एकेडमिक्स डॉ रामदर्शन फौगाट, मुख्य परीक्षा नियंत्रक डॉ अनिल कड़वासरा, डॉ सुरेंद्र आदि उपस्थित रहे।

स्नैचिंग करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार 9400 की राशि बरामद

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। सीआईए वन की टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर आरोपी समीर उल्ला पुत्र अता उल्ला वासी हयात एनक्लेव लोनी, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से छीनी हुई सोने की चेन को बेचकर प्राप्त हुई राशि से बचे हुए 9400 रुपए की राशि बरामद की गई।

पुलिस जांच में पाया गया कि आरोपी ने 11 मार्च 2023 को शिकायतकर्ता सुदेश रानी से एरिया थाना सेक्टर 32-33 के शिव मंदिर, शिकायतकर्ता सतविंदर से एरिया थाना सदर करनाल के गोगडीपुर फ्लाई ओवर और शिकायतकर्ता शुदा रानी से मुगल कैनाल करनाल से सोने की चेन झपटा मारकर छीनी गई थी। इस संबंध में थाना सेक्टर 32-33, थाना सदर और थाना सिविल लाइन में अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए थे। आरोपी को आज न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत भेज दिया गया।

भगवान श्री राम के जयकारों पर थिरके श्रद्धालुगण

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। आज सैक्टर-5 स्थित श्रीराम मंदिर स्थापना दिवस धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालुगण ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने भगवान श्री राम के खूब जयकारे लगाए। देखते ही देखते पूरा महौल राममयी हो गया। श्रद्धालुगण भगवान श्री राम के गीतों पर जमकर थिरकते नजर आए।

वार्ड-8 से निवर्तमान पार्षद मेघा भंडारी ने भगवान श्री राम के समक्ष शीश नवाया और अपने वार्ड की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

मेघा भंडारी ने कहा कि प्रभु श्री राम प्रत्येक भारतीय जन के हृदय में बसे हैं। वार्ड में श्री राम मंदिर का होना सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि जय सिया राम का आह्वान आज न केवल भगवान राम के शहर में, बल्कि आज पूरे विश्व में गूंज रहा है। इस अवसर पर मंदिर के प्रधान रामपाल, चौधरी, रिचा कौशल सहित सैकडों की संख्या में श्रदालुगण उपस्थित रहे।

छात्राओं को महिला अपराधों के बारे में किया जागरूक

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। डीएसपी महिला सुरक्षा विजय कुमार के निर्देशन और महिला निरीक्षक राजेश लता के नेतृत्व में टीम द्वारा राजकीय स्कूल बजीदा जटान में जाकर छात्राओं को महिला सुरक्षा बारे जागरूक किया।

महिला निरीक्षक राजेश लता ने बताया कि आज के समय महिलाओं के विरुद्ध बहुत ज्यादा अपराध बढ़ रहा है। महिलाओं का शोषण उनके घर में भी हो रहा है। समय बदलने के साथ अब महिलाओं को भी जागरूक होना जरूरी है। कई बार चुप रहकर हम भी अपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देते है। उन्होंने छात्राओं को गुड टच और बैड टच बारे भी सावधान किया। छात्राओं को यह भी ध्यान रखने को कहा गया कि स्कूल आते-जाते समय कोई उनका पीछा तो नहीं कर रहा है। उन्होंने छात्राओं को अच्छी नजर और बुरी नजर के बारे भी सावधान किया। उन्होंने स्कूल की कुछ छात्राओं को विश्वास में लेकर उनसे उनकी वे समस्याएं जानी, जिनको छात्राओं ने अपने घर वालो को भी नहीं बताया हुआ था और उन समस्याओं को जानकर तुरंत उनका समाधान किया। छात्राओं को यह भी बताया कि महिला सुरक्षा के लिए जिला में दुर्गा शक्ति के नाम से टीम का गठन किया हुआ है, जो कि शहर में स्कूल, कॉलेजों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में हमेशा सहायता के लिए तत्पर रहती है। टीम ने छात्राओं को उसके घर, स्कूल या अन्य जगह कोई भी परेशानी आने पर दुर्गा शक्ति पुलिस फोर्स द्वारा सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।

एटीएम मशीनें काटने का वीडियो आया सामने

चोरों ने मोबाइल की जगह वॉकी-टॉकी का किया इस्तेमाल, 6 मिनट में 6.70 लाख चुरा ले गए चार नकाबपोश

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। माल रोड स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम बूथ से मशीनें तोडकर 6.70 लाख की चोरी का वीडियो सामने आया है। चार नकाबपोश चोरों ने पूरे प्रोफेशनल तरीके से चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया है। चारों चोर इतने शातिर थे कि उन्होंने वारदात के दौरान मोबाइल की बजाय वॉकी-टॉकी से बात की और हाथों में दस्ताने डालकर कर 6 मिनट में चोरी कर ली, ताकि पुलिस उन तक न पहुंच पाए।

सीसीटीवी में कैद तस्वीरों में दिख रहा है कि चार बदमाश अल सुबह 2 बजकर 52 मिनट पर बैंक के बाहर आते हैं। चारों बदमाशों के पास आपस में बातें करने के लिए वॉकी-टॉकी होता है। जिसमें दो बदमाश गैस वैल्डिंग मशीन, वॉकी-टॉकी व हाथों में दस्ताने डालकर बूथ के अंदर आते हैं, जबकि दो बदमाश सडक के दोनों तरफ छिपकर बैठ जाते हैं। सभी बदमाशों द्वारा मुंह पर नकाब डाला हुआ था, ताकि उनकी पहचान न हो सके। अल सुबह करीब 2 बजकर 54 मिनट पर दोनों बदमाश पहले बूथ के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड? का प्रयास करते हैं। उसके बाद बूथ के अंदर जाते हैं और गेट

वारदात

8 चार नकाबपोश चोरों ने पूरे प्रोफेशनल तरीके से चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया है

बंद करके गैस वैल्डिंग मशीन निकालते हैं। इसके बाद एक चोर गैस वैल्डिंग से दरवाजे के सामने वाली मशीन को काटता है, जबकि दूसरा चोर वॉकी-टॉकी पर बाहर बैठे अपने अन्य साथियों से बात करते हुए मशीन के पार्ट को अलग करता है। करीब 3 मिनट में पहले मशीन को चोरों ने काटा। एक मशीन को काटने के बाद एक चोर दूसरी मशीन को काटने लगता है, जबकि दूसरा पहली कटी मशीन से पैसे निकालकर बैग में रखता है। इस तरह चोर गैस वैल्डिंग से दूसरी मशीन को काटता है। इस दौरान बूथ में धुआं ही धुआं हो जाता है। जिस कारण बैंक में सायरन बज जाता है, लेकिन तब तक बदमाश दूसरी मशीन को भी काटकर उससे पैसे निकालकर बैग में डाल लेता है। 3 बजकर एक मिनट पर दोनों चोर बूथ से बाहर निकलकर अपने अन्य साथियों के साथ पैदल भाग जाते हैं। बदमाशों ने बैंक के आसपास ही अपने वाहन को खड़ा किया होगा, जिस पर सवार होकर वह आए थे।

90 ग्राम स्मैक सहित दो आरोपी गिरफ्तार

मुकदमा

8 इस संबंध में आरोपियों के खिलाफ थाना मधुबन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। सीआईए वन की टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर टोल टैक्स बस्ताड़ा पर मोटरसाइकिल पर जाते हुए दो आरोपी सिकंदर पुत्र बनारसी वासी डेहा कॉलोनी अंबाला और राजकुमार पुत्र इंद्रलाल वासी नजदीक बीडी फ्लोर मिल लक्की विहार अंबाला को गिरफ्तार किया।

तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 90 ग्राम स्मैक बरामद की गई। इस संबंध में आरोपियों के खिलाफ थाना मधुबन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस पूछताछ में पाया गया कि दोनों आरोपी आदतन अपराधी हैं, जो कि स्मैक पीते और बेचते है। वह यह स्मैक दिल्ली से लेकर आए थे।

संपादकीय

चुनाव से पहले चंदे पर संकट

लोक सभा चुनाव से ठीक पहले सर्वोच्च अदालत ने 2018 की चुनावी बॉन्ड् की योजना पर प्रतिबंध लगाकर ऐतिहासिक फैसला दिया है। शीर्ष अदालत का विश्वास है कि इस योजना से मतदाताओं के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सांविधानिक अधिकार के साथ सूचना के अधिकार का उल्लंघन हो रहा था। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस ड़ी.वाई. चंद्रचूड़.के नेतृत्व में पांच सदस्यीय संविधान पीठ का मानना था कि कोई भी मतदाता किसी भी राजनीतिक दल की विचारधारा और उसके प्रत्याशी की योग्यता के आधार पर वोट देने का निर्णय करता है। इस निर्णय तक पहुंचने के लिए उसे पता होना चाहिए कि किस राजनीतिक दल को कौन चंदा दे रहा हैॉ जिसके आधार पर वह तय कर सके कि इस चंदा देने के पीछे लाभ के बदले लाभ प्राप्त करने की नीयत तो नहीं है। कहीं ऐसा तो नहीं कि चंदा देने वाला व्यक्तिॉ व्यक्तियों का समूह या कार्पोरेट घराना सरकार की नीतियों को अपने पक्ष में करने के लिए प्रयासरत हो। इस संबंध में स्पष्ट राय बनाने के लिए मतदाता को किसी भी राजनीतिक दल को मिलने वाले चुनावी चंदे के स्रोत की जानकारी होना आवश्यक है। संविधान पीठ ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 12 अप्रैल 2019 से अब तक चुनावी बॉन्ड् योजना के अंतर्गत खरीदे गए बॉन्ड्ॉ खरीदारों के नामॉ खरीद की तारीखॉ मूल्य वर्ग और उन्हें भुनाने वाले राजनीतिक दलों का विवरण 6 मार्च तक चुनाव आयोग को बताने का आदेश दिया है। अदालत ने आयोग को यह भी निर्देश दिया है कि एसबीआई से प्राप्त सभी जानकारी १३ मार्च तक अपनी वेबसाइट पर अपलोड़ करे। विपक्षी राजनीतिक दलों समेत कुछ पूर्व निर्वाचन अधिकारियों ने इस फैसले का स्वागत किया है। हालाकि चुनावी बॉन्ड की व्यवस्था को असंवैधानिक बताकर सुप्रीम कोर्ट ने भले ही पूरी चुनावी पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं, लेकिन चुनावी चंदे की यह व्यवस्था पहले भी कभी पारदर्शी नहीं रही थी। इसे लेकर सदैव सवाल उठते ही रहे हैं। इससे निपटने के लिए चुनाव आयोग ने चंदे से जुड़ी व्यवस्था में कई बार बड़े बदलाव भी किए लेकिन राजनीतिक दलों की स्थिति तू डाल-डाल और मैं पात-पात की तरह ही रही। सुप्रीम कोर्ट की पॉच सदस्यीय पीठ के इस फैसले से फिलहाल अब कोई भी पार्टी चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदा नहीं ले पाएगी। कोई भी व्यक्ति, कंपनी या संस्था चुनावी बॉन्ड के जरिए राजनीतिक पार्टियों को चंदा नहीं दे पाएगी। इसके अलावा जिन राजनीतिक पार्टियों ने चुनावी बॉन्ड को कैश नहीं कराया है। उन्हें इन्हें बैंक में लौटाना पड़ेगा। यानि लोकसभ चुनाव से ठीक चंद दिन पहले इस तरह के फैसले से सबसे ज्यादा दिक्कत केन्द्र की सत्तासीन भाजपा को होना तय हे। ऐसा नही है कि अन्य राजनैतिक दलों को चंदा नही मिलता, लेकिन उनकों उनकी हैसियत के आधार पर चंदा मिलता है। क्षेत्रीय दलों तक को बहुत बड़ी राशि चंदे में मिलती है। हालांकि इस फैसले के बाद अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि चुनावी चंदे की पुरानी व्यवस्था फिर से लागू होगी। चुनावी चंदे की पुरानी व्यवस्था के तहत राजनीतिक दलों को पहले 20 हजार से ज्यादा मिलने वाले प्रत्येक चंदे का ब्यौरा चुनाव आयोग को अपने सालाना रिटर्न दाखिल करने के दौरान देना होता था। जिसे आयोग सार्वजनिक भी करता था। हालांकि इनमें राजनीतिक दल मिलने वाले चंदे का 80 फीसदी से ज्यादा राशि को 20 हजार से कम का होना बताते हुए उसका ब्यौरा नहीं देते थे। इसके बाद तो आयोग ने इस पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के चलते ब्यौरा न देने वाली चंदे राशि की लिमिट को 20 हजार से घटाकर दो हजार कर दिया था।

किसान आंदोलन में छिपा राजनीतिक एजेंडा

आशीष वशिष्ठ

> न जगजीत सिंह डल्लेवाल इस बार किसान आंदोलन के सबसे प्रमुख चेहरे हैं। जिस तरह पिछली बार गुरुनाम सिंह चढूनी और राकेश टिकैत थे इस बार डल्लेवाल हैं। उनके मुंह से किसान आंदोलन की सच्चाई निकल गई है। डल्लेवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि राम मंदिर बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ग्राफ बहुत बढ़ गया था, उसे नीचे लाना है। आंदोलन में शामिल पंजाब के किसान नेता तेजवीर सिंह का एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वो किसान आंदोलन के जरिए देश की सरकार बदलने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं वो किसान आंदोलन को विपक्ष की लड़ाई लड़ने वाला भी बता रहे हैं

भारत एक लोकतांत्रिक देश है और संविधान के तहत देश के हर नागरिक को शांतिपूर्ण आंदोलन और प्रदर्शन करने का मौलिक अधिकार है। लेकिन, न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी कानून की गारंटी के लिए आंदोलनरत किसान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें मंगवाने के पक्षधर नहीं दिखते। सरकार बातचीत के माध्यम से समस्या सुलझाना चाहती है। लेकिन किसान नेताओं के तेवरों और मांगों की लंबी सूची के दृष्टिगत इस बात की संभावना न्यून है कि बातचीत से ये मसला निपटेगा। वास्तव में किसान नेता भी जानते हैं कि एमएसपी कानून की गारंटी देना इस सरकार तो क्या किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है। किसानों के असली इरादों को उनकी तैयारियों को देखकर समझा जा सकता है। जिस तरह ट्रैक्टर ट्रालियों में महीनों का राशन और दूसरा जरूरी सामान लेकर वो घरों से निकले हैं, उससे साफ है कि उनकी मंशा समझौते की नहीं, टकराव की है। वो चाहते हैं कि गलती से शासन प्रशासन के हाथों कोई ऐसा काम हो जाए, जिससे वो और उनका पूरा इको सिस्टम सरकार को किसान विरोधी साबित कर सके। ये सारी कवायद चुनाव से पहले माहौल खराब करने और सरकार की छवि को ठेस पहुंचाने की दिखाई देती है।

किसान समस्या का हल चाहते तो बातचीत में विश्वास करते। वो तो दिल्ली की तरफ हजारों की भीड़ लेकर ट्रैक्टर ट्रालियों, गाड़ियों और अन्य साधनों से दिल्ली की ओर ऐसे बढ़े मानो उन्हें किसी विदेशी सरकार से निर्णायक संघर्ष करना है। किसान नेता जब मीडिया या किसी सार्वजनिक मंच से बोलते हैं तो ऐसा व्यवहार करते हैं कि मानो केंद्र सरकार उनकी सबसे बड़ी दुश्मन है। मीडिया से बातचीत के समय किसान नेताओं और उनके समर्थकों की भाषा, बाडी लैग्वेंज और भाषणों की टोन ऐसी होती हैं मानो किसी दुश्मन देश की सरकार को वो चेतावनी दे रहे हों। करोड़ों नागरिकों द्वारा निर्वाचित सरकार, जो बातीचत के लिए हमेशा तैयार है, उसके प्रति किसान नेताओं का अनादर का भाव कदम कदम पर दिखाई देता है। किसान नेता अपने आंदोलन को अराजनीतिक बताते हैं। लेकिन राजनीतिक संगठनों के साथ उनके रिश्ते जगजाहिर हैं। इसीलिए कहा जा रहा है कि किसान आंदोलन तो बहाना है- असली काम तो मोदी सरकार को हटाना

है। लोगों में चर्चा इस बात को लेकर है कि आखिर बिना राजनीतिक दलों के समर्थन के इतना बड़ा आंदोलन इतनी जल्दी कैसे खड़ा हो सकता है। 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर पंजाब के 34 किसान संगठन विरोध कर रहे थे, जबकि यह आंदोलन में मात्र कुछ किसान संगठनों द्वारा ही किया जा रहा है। तो क्या यह सही है कि इस बार का आंदोलन किसी विशेष उद्देश्य से हो रहा है। भारतीय किसान यूनियन सिद्धूपुर के प्रधान जगजीत सिंह डल्लेवाल इस बार किसान आंदोलन के सबसे प्रमुख चेहरे हैं। जिस तरह पिछली बार गुरुनाम सिंह चढूनी और राकेश टिकैत थे इस बार डल्लेवाल हैं। उनके मुंह से किसान आंदोलन की सच्चाई निकल गई है। डल्लेवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि राम मंदिर बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ग्राफ बहुत बढ़ गया था, उसे नीचे लाना है। आंदोलन में शामिल पंजाब के किसान नेता तेजवीर सिंह का एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वो किसान आंदोलन के जरिए देश की सरकार बदलने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं वो किसान आंदोलन को विपक्ष की लड़ाई लड़ने वाला भी बता रहे हैं। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं किसान नेताओं को एक बात समझाई गई है कि ये लड़ाई किसानों के अधिकारों और एमएसपी की गारंटी के लिए नहीं है बल्कि इन मुद्दों के नाम पर सरकार को ही बदलना है। यही नहीं किसान आंदोलन को कवर कर रहे है बहुत से यूट्यूबरों, मीडिया हाउसेस के वीडियो देखने को मिल रहे हैं जिन्हें देखकर आप यही कह सकते हैं कि किसान आंदोलन भ्रमित है या गलत लोगों के हाथ है बहुत से किसान इंडिपेंडेंट पंजाब या खालिस्तान की बात करते हुए मिलते हैं। कुछ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए मिल जाते हैं। इन किसानों के मन में एमएसपी पर गारंटी की डिमांड कम, केंद्र सरकार को बदलने का जज्बा काफी है। इनमें से कुछ को नरेंद्र मोदी के लिए इतनी नफरत भरी हुई जैसे किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने विरोधी दलों के नेताओं के बारे में रखता है। बल्कि राजनीतिक दलों के कार्यकताओं में भी अपने विरोधी दल के नेता के लिए मरने-मारने की बात नहीं होती। यहां तो किसान मरने-मारने की बात भी कर रहे हैं। पंजाब में पीएम मोदी का काफिला रोकने की जिम्मेदारी लेने वाले संगठन भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी संगठन भी इस आंदोलन में शामिल हैं।

आंदोलन शुरू होने से 2 दिन पहले जिस तरह कांग्रेस नेता राहुल गांधी का ट्वीट किसान आंदोलन को समर्थन करते आ गया था उससे भी इस संदेह को बल मिला कि यह आंदोलन किसानों के अधिकार के लिए नहीं बल्कि मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए ज्यादा है। कांग्रेस नेता रमनदीप सिंह मान पर आरोप है कि वो कांग्रेस और किसान नेताओं के बीच कड़ी का काम कर रहे थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र पांचजन्य के हैंडल ने उनके कई ट्वीट्स की कड़ी का थ्रीड बनाकर अपने हैंडल पर डाला हुआ है। इस थ्रीड से पता चलता है कि कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने किस तरह रमनदीप सिंह के साथ मिलकर किसान आंदोलन को खड़ा किया। जब चार साल पहले तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में राजधानी को लगभग 13 महीने तक बंधक बनाए रखा गया था। धरना-प्रदर्शन और आंदोलन के बहाने अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए किसान संगठनों की ओर से बनाए गए माहौल का ही नतीजा था कि केंद्र सरकार को उन तीन कृषि कानूनों को वापस लेना पड़ा था, जिन्हें कृषि और कृषक समुदाय के लिए क्रांतिकारी माना जा रहा था। सच्चाई यह है कि पिछली सरकारों ने जो कुछ किसानों की भलाई के लिए किया, वर्तमान सरकार ने उससे बढ़कर ही किया है। आंकड़ें इसके प्रत्यक्ष साक्षी हैं। ये भी सच्चाई है कि किसानों की भलाई के लिए काफी कुछ किया जाना बाकी भी है। असल में, जब आंखों में विरोधी चष्मा चढ़ा हो, और दिमाग में रटी रटाई स्क्रिप्ट तैर रही हो तो बातचीत से मामला हल कहां होने वाला है? सरकार चाहे जितने भी उपाय और मजबूरियां बता दे, किसान नेताओं को तो अपनी बात पर अड़े रहना है। शायइ उनके राजनीतिक आकाओं की ऐसी ही मंशा होगी। किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। पिछले सात दशक से जिस तरह की कृषि नीति देश में अपनायी गयी है, उन नीतियों से किसानों की स्थिति तो नहीं सुधरी है, न ही उनको उनके उपज का वाजिब दाम ही मिल पाता है। लेकिन किसानों के ही फसलों से कृषि तंत्र पर कब्जा जमाए बिचौलियों और कारोबारियों की आर्थिक सेहत हमेशा ही बल्ले-बल्ले रही है। कृषि क्षेत्र में सुधार और बिचौलियों को सिस्टम से बाहर करने के लिए ही सरकार तीन नये कृषि कानून लेकर आई थी। लेकिन ये भ्रम फैलाया गया कि नये कानून किसान विरोधी हैं। सरकार ने भी दबाव में आकर कानून वापस ले लिये। जानकारों का मानना है कि, नये कृषि कानून लागू हो गये होते तो किसानों की कई समस्याओं का हल स्थायी तौर पर हो जाता। किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिले, उनका जीवन सुधरे और वो भी पूरे मान सम्मान के साथ जीवन बिताएं, इसमें किसी को कोई परेशानी नहीं है। किसानों को भी तनातनी और राजनीति छोड़कर बातचीत से मसला हल करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। हिंसा और उपद्रव से किसानों की छवि तो खराब होती ही है, देश के साधनों और संसाधनों का नुकसान होता है।

कविता

"झूमता बसन्त है"

फूलों में, कलियों में, पत्तो में, फलियों में,
गाँव की गलियों में, प्यार के छलियों में,
झूमता बसन्त है।

रंगों में, अंगों में, प्रेम के प्रसंगों में,
बागों में, बहारों में, गांवों में, बाजारों में,
झूमता बसन्त है।

बच्चों में, जवानों में, बूढ़ो में, सयानो में,
दीवानों परवानों में, मेरे-तेरे अरमानों में,
झूमता बसन्त है।

एक में, लाखों में, प्यार भरी आंखों में,
सरसों के फूलों में, प्रीत के झूलों में,
झूमता बसन्त है।

गेंदा में, गुलाब में, आफताब मेहताब में,
फितरत में, कुदरत में, मोहब्बत में, नफरत में,
झूमता बसन्त है।

हंसने में, मुस्काने में, अदा में इतराने में,
प्यार में, जलन में, विरह में, मिलन में,
झूमता बसन्त है।

नदियों में, पहाड़ों में, गर्मी में, जाड़ो में,
दिन में रात में, बातों ही बात में,
झूमता बसन्त है।

संजीव

किसान का बसंती राग

डॉ. सुरेश कुमार

अबकी वसंत बौराया हुआ है। सरसों तो फूल-फूलकर पीले हुए जा रहे हैं। फिर भी खेतों में मातमभरी उदासी छायी हुई है। उनका मालिक किसान वसंत का स्वागत करने के बजाय दिल्ली की सीमाओं पर धरने पर बैठा है। उसे नहीं पता कि दिल्ली में बहरे शासन करते हैं और अंधे-गूँगे तालियाँ बजाते हैं। जहां अकबर ने कौओं की गिनती करने में बीरबल को लगा दिया वहाँ हम ऐसे इंसान को ढूँढ़ने की फिराक में हैं जिसके भीतर हृदय बसता है और औरों के लिए धड़कता है। किसान भूल गए हैं कि औरों के लिए धड़कने वाले दिल सिर्फ किताबों में मिलते हैं। असलियत में गीदड़, सियार, उल्लुओं और कौओं की सरकार हैं। यहाँ सिर्फ शोर चलता है किसी का जोर नहीं। चौबीसों घंटे भाषणों का शोर, झूठे एजेंडों का शोर, ताली-थाली बजाने का शोर, कुत्तों की तरह भौंकने का शोर, कौओं की काँव-काँव का शोर, कोई गीदड़ जाए तो शोर ,कोई गीदड़ पैदा हो तो शोर, जमीन से आसमान तक शोर ही शोर है। अगर कुछ नहीं है तो वह इंसानियत है। देश को अन्न खिलाने वाले पर लाठियों का जोर है। हाँ-हाँ चारों ओर सिर्फ शोर ही शोर है। जनता जानती है कि पेट्रोल, डीजल, गैस की कीमतें बढ़ गयी हैं। किसान जान गए हैं कि किसान बिल वापस होने वाले नहीं हैं लेकिन वसंत नहीं जानता कि उसे अमलतास को ओढ़े रखना है या उतार फेंकना है। किसान अपनी खाल बचाकर आएगा तब ही अमलतास की चादर ओढ़ पाएगा न! अबकी टेसू सारे दिल्ली में चलने वाली लाठियों से थरथराकर झड़ रहे हैं। जो अमिया बनने की कगार पर हैं वे अपने भविष्य की कल्पना मात्र से डाल से जौहर करने को तैयार हैं। न जाने इस बार महुआ को क्या हुआ कि सुगंध फैलाने की जगह सिंधु सीमा पर बैठे किसानों के मैले-कुचले कपड़ों, पीड़ा के मारे निकल रही कराह से बस्सा रहे हैं। महुआ वसंती रंग की जगह किसानों पर बरसी लाठियों से बहने वाले खून से सना-सना लग रहा है। इस बार कलियों ने सौगंध खायी हैं जब तक किसानी चेहरे नहीं चहकते तब तक वे फूल नहीं बनेंगी। काश कोई कलियों को बता पाता कि न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी। न सरकार कानून वापिस लेगी न किसान चहकेंगे। अब भला कलियाँ खाक चहकेंगी। इस बार न जाने तितलियों की क्या मति मारी गयी है कि फूल न मिलने से उड़-उड़कर दिल्ली की सीमाओं पर जा रही हैं। उन बेवकूफों को कौन बताए कि दिल्ली में फूल नहीं धूल मिलती है। इसीलिए तो इतने दिनों से अन्नदाता धूल फांक रहे हैं। ठिठुरती सर्दी जाते-जाते किसानों को इतना कह गयी है कि मैं तो बड़ी दयालु थी जो तुम्हें जान बख्श गयी, यदि सरकार होती तो कब की लील गयी होती। जब-जब वसंत ने किसानों को देखा तब-तब उनके हाथों में हल का हंसिया का हमदम देखा। इस बार भी वसंत ने किसान को भूखा, सड़क पर टूटा और भाग्य से लूटा देखा। उसे पता है वसंत की खुशहाली में किसानों की आत्महत्या, साहूकारों के कर्जे और अनबिहाई बिटिया की पीड़ा बसती है।

विचार

भारत, राम और हिंदी को लेकर विदेशी विद्वानों में सदियों से जिज्ञासा

आर.के. सिन्हा

भारत, राम और हिंदी को लेकर विदेशी विद्वानों में सदियों से जिज्ञासा का भाव बना रहा है। जिसे पता नहीं क्यों हमारे अपने बुद्धिजीवि और इतिहासकार छिपाने का भरपूर प्रयास करते रहे हैंकइन जिज्ञासुओं में अनेकों यूरोपीय, अमेरिकी, चीनी, अरबी और जापानी विद्वान भी शामिल रहे हैं। उन नामों में से अब एक नाम अमेरिकी लेखिका डेना मेरियम का भी जुड़ गया है। वह बीते चार दशकों से हिंदू धर्म का गहन अध्ययन कर रही हैं। अब उन्होंने माता सीता पर गहन शोध के बाद एक किताब 'द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सीता' लिखा है। बीते माह अयोध्या में राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के आलोक में डेना मेरियम की माता सीता पर आई किताब महत्वपूर्ण मानी जानी चाहिए। उनके अपने देश अमेरिका में भी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने में आया था। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के फेमस टाइम स्क्वायर पर भी दिखाया गया था। अमेरिका के हर शहर में राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम का टेलीकास्ट किया गया था। डेना मेरियम की 'द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सीता' ने तुरंत विद्वानों का ध्यान आकर्षित किया है। माता सीता पर किए गए मूल शोध को नजरअँदाज करना असंभव है। माता सीता आधुनिक समाज की नारी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। यदि नारी मां सीता के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर ले तो उसका जीवन भी आनंदमय होकर संकट मुक्त हो जाएगा। माता सीता का जीवन आधुनिक परिवेश में भी अनुकरणीय है। पतिव्रत धर्म का पालन करते हुए उन्होंने राजमहल का ऐश्वर्य का त्याग कर वन में संघर्षशील जीवन बिताया। इतना ही नहीं पति के आदेशानुसार अपने द्वितीय निर्वासन के दौरान वन में साधारण स्त्री की तरह रहते हुए व एक आदर्श माँ का कर्तव्य निभाते हुए उच्च आदर्श स्थापित किया। आज के समाज में उन आदर्शों का तो लोप होता जा रहा है। डेना मेरियम की पुस्तक को देखकर स्वर्गीय कथाकार-उपन्यासकार मृदुला सिन्हा जी का स्मरण हो उठता है, जिन्होंने दशकों पूर्व इसी विषय पर एक अद्भुत उपन्यास ह्लसीता पुनि बोली ह्व लिखा था क डेना मेरियम भी प्रख्यात हिंदी सेवी और राम चरित मानस के प्रकांड विद्वान फादर कामिल बुल्के की तरह ही हिंदी की उद्भट विद्वान हैं। यह निर्विवाद है कि माता सीता के बिना राम अधूरे हैं। माता सीता पृथ्वी से जन्मी एक देवी हैं। वह हिंदू धर्म में समृद्धि, धन और सुंदरता की देवी लक्ष्मी का अवतार भी मानी जाती हैं। सीता को आदर्श पत्नी और महिला के रूप में चित्रित किया गया है, जबकि उनके पति राम, भगवान विष्णु के अवतार, रामायण के नायक और आदर्श पति और मयार्दा पुरुषोतम हैं। माता सीता, जिनकी भारत पूजा करता है, पर किताब लिखने के लिए डेना मेरियम ने भारत में ऋषिकेश, अयोध्या और वैष्णो देवी जैसे कई हिंदू तीर्थ स्थानों की यात्रा की है। उनके लिए भारत दूसरे घर की भांति है। वह मैक्स मूलर और फादर कामिल बुल्के की परंपरा की विदेशी हैं, जिन्होंने भारत और हिन्दू धर्म के अहम प्रतीकों का गहराई से अध्ययन किया। डेना मरियम परमहंस योगानंद की शिष्या और क्रिया योग ध्यान की अभ्यासी रही हैं। वह वैदिक परंपरा के महान ग्रंथों की भी लंबे समय से छात्रा रही हैं। यह सुखद है कि एक विदेशी लेखिका माता सीता पर एक प्रामाणिक पुस्तक लिखे। 'द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सीता' को प्रसिद्ध प्रकाशक मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशिंग हाउस ने प्रकाशित किया है। डेना मरियम अपनी पुस्तक में सीता के जीवन की पारंपरिक कथा को प्रतिस्थापित करती है। माता सीता वास्तव में देवी नारायणी का अवतार हैं। सीता उस समय एक नई सभ्यता की नींव रखने में श्री राम के साथ शामिल होने के लिए पृथ्वी पर आती हैं, जब मनुष्य प्राकृतिक दुनिया से अलग होने लगा था। वह लोगों के दिल और दिमाग में, जंगलों और नदियों, पौधों और जानवरों के जीवन के लिए एक महान प्रेम पैदा करना चाहती हैं । किसे नहीं पता कि फादर कामिल बुल्के के लिए भारत अपनी मातृभूमि से भी कहीं ज्यादा प्यारा था। बेल्जियम में जन्मे फादर कामिल बुल्के ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से रामकथा उत्पत्ति और विकासह्व पर डाक्टरेट किया और रांची के सेंट जेबियार्स कॉलेज में जिन्दगी भर हिंदी पढ़ाया कयह असंभव है कि हिन्दी पट्टी के किसी शख्स ने उनका नाम न सुना हो या अंग्रेजी के किसी जटिल शब्द का हिन्दी में सही और उपयुक्त शब्द जानने के लिए फादर कामिल बुल्के द्वारा निर्मित शब्दकोष के पन्ने नहीं पलटे हों। फादर बुल्के आजीवन हिन्दी की सेवा में जुटे रहे।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: HPHIN / 2012 / 48072

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रवि भारद्वाज, एक्शन इंडिया कार्यालय कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना हिमाचल प्रदेश-174303 ने अर्थ प्रकाश प्रैस, अर्थ प्रकाश भवन, सेक्टर-29डी, चंडीगढ़ से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र हिमाचल प्रदेश ही होगा।

समूह संपादक: रवि भारद्वाज (9999889104)

स्थानीय संपादक: पंकज शर्मा (7018221146)

ई-मेल : actionindiashimla@gmail.com
actionindiauna@gmail.com

एक्शन इंडिया शिमला कार्यालय: सचदेवा निवास, डेजी बैंक इस्टेट, नजदीक जोधा निवास, लोअर जाखू, शिमला, 171001

एक्शन इंडिया ऊना कार्यालय: कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना, हिमाचल प्रदेश-174303

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

भारत, राम और हिंदी को लेकर सदियों से जिज्ञासा

आर.के. सिन्हा

भारत, राम और हिंदी को लेकर विदेशी विद्वानों में सदियों से जिज्ञासा का भाव बना रहा है। जिसे पता नहीं क्यों हमारे अपने बुद्धिजीवि और इतिहासकार छिपाने का भरपूर प्रयास करते रहे हैंक इन जिज्ञासुओं में अनेकों यूरोपीय, अमेरिकी, चीनी, अरबी और जापानी विद्वान भी शामिल रहे हैं। उन नामों में से अब एक नाम अमेरिकी लेखिका डेना मेरियम का भी जुड़ गया है। वह बीते चार दशकों से हिंदू धर्म का गहन अध्ययन कर रही हैं। अब उन्होंने माता सीता पर गहन शोध के बाद एक किताब 'द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सीता' लिखा है। बीते माह अयोध्या में राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के आलोक में डेना मेरियम की माता सीता पर आई किताब महत्वपूर्ण मानी जानी चाहिए। उनके अपने देश अमेरिका में भी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने में आया था। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के फेमस टाइम स्क्वायर पर भी दिखाया गया था। अमेरिका के हर शहर में राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम का टेलीकास्ट किया गया था। डेना मेरियम की 'द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सीता' ने तुरंत विद्वानों का ध्यान आकर्षित किया है। माता सीता पर किए गए मूल शोध को नजरअँदाज करना असंभव है। माता सीता आधुनिक समाज की नारी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। यदि नारी मां सीता के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर ले तो उसका जीवन भी आनंदमय होकर संकट मुक्त हो जाएगा। माता सीता का जीवन आधुनिक परिवेश में भी अनुकरणीय है। पतिव्रत धर्म का पालन करते हुए उन्होंने राजमहल का ऐश्वर्य का त्याग कर वन में संघर्षशील जीवन बिताया। इतना ही नहीं पति के आदेशानुसार अपने द्वितीय निर्वासन के दौरान वन में साधारण स्त्री की तरह रहते हुए व एक आदर्श माँ का कर्तव्य निभाते हुए उच्च आदर्श स्थापित किया। आज के समाज में उन आदर्शों का तो लोप होता जा रहा है। डेना मेरियम की पुस्तक को देखकर स्वर्गीय कथाकार-उपन्यासकार मृदुला सिन्हा जी का स्मरण हो उठता है, जिन्होंने दशकों पूर्व इसी विषय पर एक अद्भुत उपन्यास ह्लसीता पुनि बोली ह्व लिखा था कडेना मेरियम भी प्रख्यात हिंदी सेवी और राम चरित मानस के प्रकांड विद्वान फादर कामिल बुल्के की तरह ही हिंदी की उद्भट विद्वान हैं। यह निर्विवाद है कि माता सीता के बिना राम अधूरे हैं।

स्वच्छ मिशन

डॉ. सुरेश कुमार

जिंदगी की कुछ सच्चाइयाँ केवल दीवार पर लिखने लायक होती हैं। ऐसा करने से राह आते-जाते जानवर कम और लोग ज्यादा उसे अपने अल्पशंका विसर्जन से मिटाने के दीर्घावधि प्रयासों में जोर-शोर से भाग लेते हैं। यही कारण है कि बड़ी-बड़ी सड़कों के किनारे जितनी भी दीवारों पर नेकी वाली बातें लिखी जाती हैं उन्हें अल्पशंका के दरिया में तिलांजली दे दी जाती है। एक पौधा लगाना तो दूर लगे-लगाए पौधे को पानी देना भी जिनके लिए ओलंपिक मेडल प्राप्त करने जितनी मेहनत का काम लगे वही लोग इन दीवारों के पास अपनी समृद्ध यूरिया वाली जलराशि से घने पेड़-पौधे उगा देते हैं। ये पेड़-पौधे भी अपने समृद्ध यूरिया प्रदाता के प्रति इतने विश्वासपात्र होते हैं कि लाख इन्हें काटने का प्रयास किया जाए बेहयाओं की तरह फिर से उग आते हैं। ऊपर से मौनी बाबा बनकर बोल बच्चन करते हैं कि चोर-उचक्के, लुटेरे, बलात्कारियों को लाख संसद में आने से रोकते हो, फिर भी वे बेहयाओं की तरह संसद की चौखट प्रवेश करने से बाज नहीं आते। क्या हम इन नेताओं से इतने गए गुजरे हैं जो हमें स्वच्छ भारत के नाम पर काटने पर आमदा हो गए हो? सच कहें तो यही पेड़-पौधे बेहयाओं की तरह उगकर दीवारों पर बने गांधीजी और उनकी ऐनक के चित्र की इज्जत बचाते हैं। वे न होते तो कब के महात्मा गांधी अल्पशंकाधारियों के हाथों नप गए होते। विश्वास न हो तो इनकी अनुपस्थिति वाली दीवारों से ही पूछ लें। लाख चाहे स्वच्छता को बाहर ढूँढ़े लेकिन भीतर का कचरा बाहर की स्वच्छता पर हमेशा भारी पड़ता है। कुछ मौनी अपनी हरकतों से बोल बच्चनों को चप्पल शॉल में लपेटकर मारते हैं। अब देखिए न पानी अपना पूरा जीवन देकर मौनी पेड़ को बड़ा करता है इसीलिए पानी लकड़ी को डूबने नहीं देता और एक हम हैं जो सारा जीवन पानी पीकर औरों के लिए पानी का नामोंनिशान नहीं छोड़ते। गांधी जी ने अपनी ऐनक से जो देखा सो देखा आज उनकी ऐनक राजनीति के धोबी घाट पर नेताओं की धोबी पछाड़ का शिकार हो रही है। उनकी ऐनक से सत्य, अहिंसा, धर्म, न्याय दिखायी दे या न दे चुनाव, वोट, मतदाता, सत्ता, कुर्सी यही सब दिखाई देते हैं।

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकि 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़े-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनिमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए, आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडियेशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

- ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही है, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीए।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि.ली. पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पथरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांककर ऊपर से एक ग्लास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अल्जाइमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते हैं।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैग्नीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक ग्लास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रहती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी शाइनी बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुंसियों व पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलायची पाउडर
- 10-15 रेशे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। अब गुड़ पानी में पिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलायची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक यह मिश्रण चिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहिट करके भी खा सकते हैं।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल- 1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कढ़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटें। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्च बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक कठिनाई से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कहने चाहे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम होगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। धनार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवहारिक स्थितियां आज पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बच ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेश में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपको निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह !' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना !''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

काकुरो पहेली - 1632

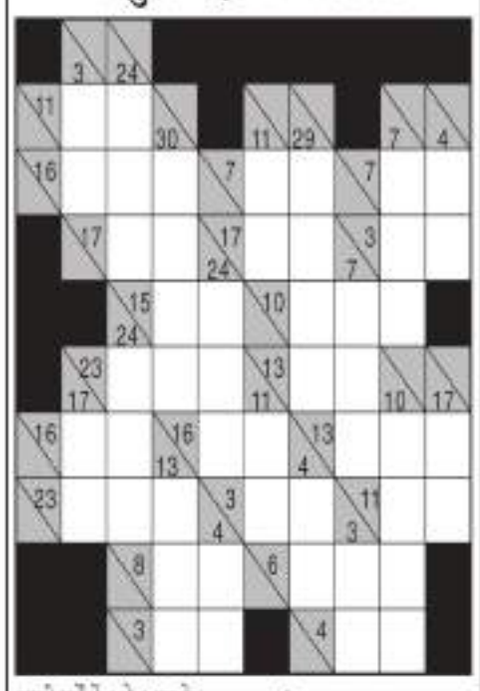

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 1631 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 1632

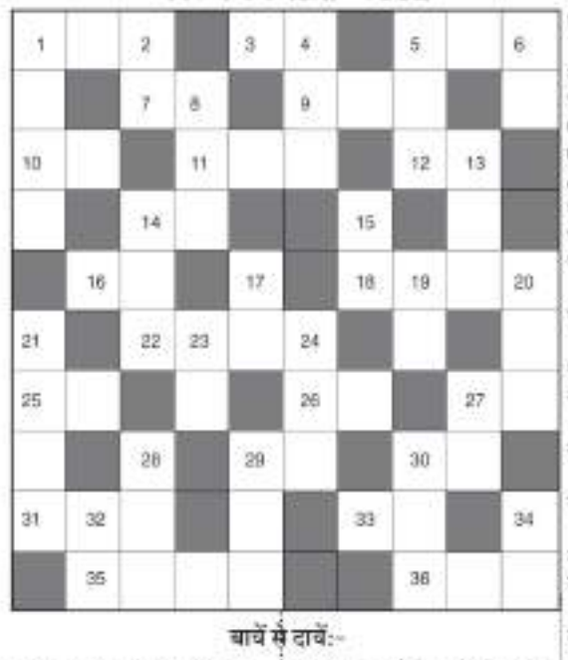

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'भोरे भोरे आस मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगू ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२१. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'बूंद सी थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अलताफ राजा के गीत 'पीतो प्यार दी चिक्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नरगिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हल्ला हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक ?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका ?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका ?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खइके पान' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1631

सूडोकु -1632

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1631 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 1632

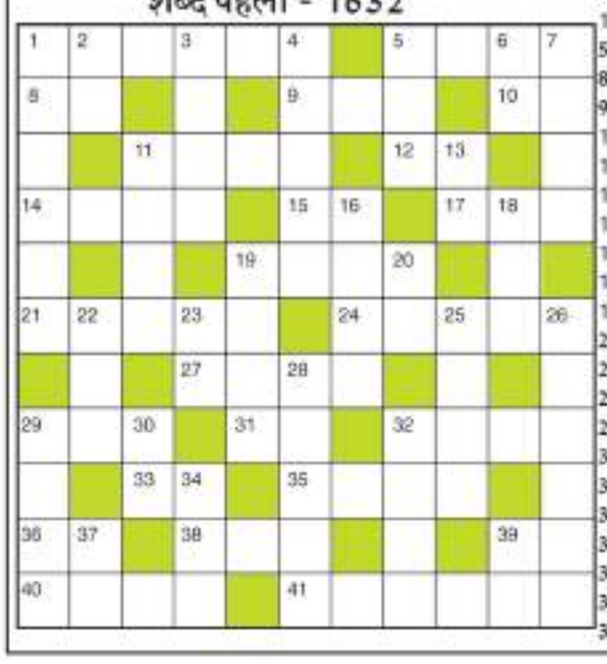

बाएं से दाएं

1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार, जेल-4
8. पानी, नीर-2
9. मीन, मत्स्य-3
10. लक्ष्मी, कमला-2
11. कलाकार, फनकार-4
12. मर्द, मादा का विलोम-2
14. इरादा, मुराद-4
15. कैद में, अवरुद्ध, रुका-2
17. भूमि, धरती-3
19. मतवाला, मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना, भिड़ना-4
29. ढींडी पीटना-3
31. सांप, सर्प-2
32. ढाल-4
33. हूर, अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र, बेटा-3
39. टोंटी, नलका-2
40. ललचाना, तड़पाना-4
41. टाउन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1. ईश्वर, अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी, कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर, थाती-4
13. मिट्टी, धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. डराना-4
20. परत-2
22. नाप करना-3
23. किवाड़, द्वार-2
25. उदाहरणत:-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट, मेल-मिलाप-4
30. दिया, दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया, नवीन-2

शब्द पहेली - 1631 का हल

श्री राम कथा में राम जन्म होते ही श्रीराम के जयकारों से गूंजा पंडाल

श्री राम कथा

8 श्री राम और हनुमान जन्मोत्सव पर श्री राम कथा में उमड़े श्रद्धालु झूमते नजर आए।

फरीदाबाद(हरपाल सिंह यादव)/टीम एक्शन इंडिया
सेक्टर 9 के श्री राम मंदिर में 10 दिवसीय श्री राम कथा के तीसरे दिन राम के जन्म होते ही पंडाल में प्रभु श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। श्री राम और हनुमान जन्मोत्सव पर श्री राम कथा में उमड़े श्रद्धालु वहीं कथा के तीसरे दिन मुख्य यजमान रवीन्द्र गुप्ता ,राजकुमार बजाज और अरुण सराफ रहे। इस मौके पर कथा में राम जन्मोत्सव में श्रद्धालु भक्तिभाव से झूमते नजर आए। इसके अलावा पंडाल में जन्मोत्सव को लेकर खुशियां मनाई गईं। इस मौके पर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 9 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष रणबीर चौधरी और उद्योगपति अरुण बजाज ने आए हुए सभी भक्तों का इस भक्तिमय कार्यक्रम में पहुँचने पर धन्यवाद किया।

कथावाचक परम पूज्य संत श्री कृष्णा स्वामी जी वृन्दावन वाले महाराज जी ने कहा कि भगवान का जन्म असुरों और पापियों का नाश करने के लिए हुआ था। भगवान राम ने बाल्यावस्था से ही असुरों का नाश किया। उन्होंने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम का जीवन चरित्र अनंत सदियों तक चलता रहेगा। राम कथा में पिता के प्रति मां के प्रति और भाई के प्रति प्रभु राम का जो स्नेह प्रेम रहा सदा सदा के लिए अमर है। कथावाचक ने कहा कि राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ के पास जाते हैं। जहां वशिष्ठ द्वारा श्रृंगी ऋषि से शुभ पुत्र कामेष्टि यज्ञ करवाते है। यज्ञ कुंड से अग्नि देवता का प्रकट होकर राजा दशरथ को खीर प्रदान करते हैं। जिसके बाद राजा दशरथ द्वारा तीनों रानियों कौशल्या, कैकई और सुमित्रा को खीर देते है। उस खीर के खाने से तीनों रानियों को भगवान राम सहित भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म होता है।

श्री प्रजापति धर्मशाला सेवा समिति की बैठक धर्मशाला प्रांगण में आयोजित

सोनीपत, रमेश कुमार।/टीम एक्शन इंडिया
श्री प्रजापति धर्मशाला सेवा समिति सारंग रोड़ की आम बैठक धर्मशाला प्रांगण में आयोजित की गई,
बैठक में धर्मशाला के रखरखाव और धर्मशाला में होने वाले विकास कार्यों पर चर्चा की गई विशेष रूप से मंदिर के गेट निर्माण व धर्मशाला में बने मंदिर में मूर्ति स्थापना के साथ-साथ संवैधानिक संशोधन पर विचार विमर्श किया गया, धर्मशाला में इन सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर करने का निर्णय लिया गया जिसमे समिति के सभी सदस्यों ने सहमति जताई, इस अवसर पर पूर्व प्रधान रामदिया रतेवाल, वर्तमान प्रधान मुनीश देव, खजांची सुरेंद्र ,महासचिव धर्मवीर, संयुक्त सचिव महावीर, सलाहकार प्रमोद ठेकेदार, संयुक्त सचिव महावीर सलाहकार प्रमोद ठेकेदार प्रेस सचिव रमेश कुमार, श्रवर्ण प्रजापति, उप प्रधान प्रदीप आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

न्यूज फ्लैश

मौसम की मार से चलते बीमार पड़ रहे लोग, बच्चों से लेकर बड़े हो रहे बुखार का शिकार

सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया
मौसम के बदलाव का असर आम जन में देखने को मिल रहा है। सुबह-शाम से हो रही ठंड लोगों की सेहत को खराब कर रही है। नागरिक अस्पताल में रजिस्ट्रेशन काउंटर व ओपीडी के बाहर मरीजों की ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है। अस्पताल में सोमवार को मरीजों की भीड़ ज्यादा देखने को मिली। लाइनों में ज्यादातर बुखार से ग्रस्त मरीजों की संख्या है। अस्पताल में मरीजों को टेस्ट रिपोर्ट व सैंपल देने के लिए दो से तीन दिन तक अस्पताल के चक्कर काटने पड़ रहे है। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से ओपीडी में मरीजों के लिए चिकित्सकों को हर संभव मरीजों की मदद करने के निर्देश दिए है।
बता दें कि उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप कम होता जा रहा है। सुबह-शाम की ठंड लोगों को बीमार कर रही है। दिन में गर्मी होने के बाद शाम को ठंडक महसूस होती है। मौसम का असर आमजन में ज्यादातर बुजुर्ग व बच्चों में दिखाई दे रहा है। अस्पताल में मरीजों की लंबी लाइनें लग रही है। नागरिक अस्पताल में 200 बेड की सुविधा है। वहीं हर रोज ओपीडी रजिस्ट्रेशन की बात कर तो अस्पताल में 1200 के करीब ओपीडी रहती है। गत दिनों से अस्पताल में मरीजों की संख्या ज्यादा देखने को मिल रही है। सोमवार को नागरिक अस्पताल में ओपीडी रजिस्ट्रेशन की संख्या 1500 के पार पहुंच गई। रजिस्ट्रेशन काउंटर व ओपीडी में मरीजों की लंबी लाइनें लग रही है। मरीज को उपचार के लिए दो से तीन घंटों तक का इंतजार करने पर मजबूर होना पड़ रहा है।
बुजुर्गो व बच्चों की ओपीडी में हुई बढ़ोतरी-
नागरिक अस्पताल में रजिस्ट्रेशन काउंटर के साथ-साथ ओपीडी में मरीज लाइनों में लगकर अपना इंतजार करते रहे। ओपीडी-7 व 8 सहित बच्चों की ओपीडी नंबर-5 में ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है। बच्चों की चिकित्सक डा.अलकृिता ने कहा ने बताया कि मौसम बदलाव का असर आमजन पर पड़ रहा है। जिसमें बच्चें भी शामिल है। हाल के दिनों में बच्चों की ओपीडी 150 से लेकर 220 तक पहुंच रही है। उन्होंने बताया कि इस मौसम में बच्चों का खंयाल रखा बेहद जरूरी है। डा. सीमा सिंह कहती है कि मौसम बदलाव में बीमार होना आम बात है। हाल के दिनों में दिन गर्म व देर-शाम ठंड लगती है। जिसके चलते लोग बुखार, खांसी, जुकाम के मरीजों की संख्या ज्यादा है। लोग मौसम बदलाव को हल्के में न ले। अपना व बच्चों का ध्यान रखा बेहद जरूरी है।
टेस्ट रिपोर्ट व सैंपल के लिए दो-तीन दिन का इंतजार-
अस्पताल में बढ़ रही मरीजों की भीड़ के चलते मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चिकित्सक मरीज का टेस्ट लिखते है। ताकि बीमारी का सही उपचार रिपोर्ट के आधार पर किया जा सके। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर लंबी लाइन में लगने के बाद चिकित्सक के बाहर ओपीडी की लाइन में लगना पड़ता है। उसके बाद अगर चिकित्सक ने टेस्ट लिख दिया तो लैब के बाहर लाइन में खड़ा होना पड़ता है, लेकिन लैब का समय 12 बजे तक ही सैंपल लेने का है। जिसके चलते मरीजों को अगले दिन सैंपल देने के लिए अस्पताल में आना पड़ता है। उसके अगले दिन उसे रिपोर्ट मिलती है। तब जाकर फिर से लाइनों में लगने के बाद उसे उपचार मिल पाता है।

मथुरा में युवक पर फेंका तेजाब

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
थाना हाईवे क्षेत्र में आपसी विवाद में एक युवक ने दूसरे पर तेजाब फेंक दिया। तेजाब युवक गंभीर रूप से झुलस गया। युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं थाना हाइवे पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है। थाना हाईवे क्षेत्र का निवासी युवक ओमवीर सिंह मजदूरी करता है। उसके पड़ोस के एक युवक ने शनिवार को उस पर तेजाब फेंक दिया। हमले में पेट पर तेजाब गिरने से वह झुलस गया। आरोपी मौके से भाग गया। सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई कि ओमवीर सिंह निवासी इंद्रपुरी कॉलोनी थाना हाईवे के ऊपर किसी ने तेजाब फेंक दिया है। घटना के संबंध में जानकारी की गई तो पता चला कि 16 फरवरी को ओमवीर सिंह और मनीष के बीच विवाद हो गया था, जिसके बाद मनीष ने ओमवीर पर तेजाब फेंक दिया था। ओमवीर अभी विचाराधीन है।

सडक हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
हाईवे पर विगत दिवस अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। घायल युवक को उपचार के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान घायल युवक ने दम तोड दिया। जिससे परिवार में कोहराम मच गया। घटनाक्रम के अनुसार शालीमार रोड त्रिलोकपुरी कृष्णा बिहार कालोनी निवासी देव कोटवनियां पुत्र सुंदर दो दिन पूर्व घर से बाजार के लिए सामान लेने के लिए निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह बाइक से जब हाईवे पर पहुंचे तभी किसी वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार देव कोटवनियां दुर्घटर्ना में घायल हो गया।

डीसी के मार्गदर्शन में हर घर परिवार सूर्य नमस्कार कार्यक्रम के बारे में हुई समीक्षा बैठक

फरीदाबाद,(हरपाल सिंह यादव)/ टीम एक्शन इंडिया।
डीसी विक्रम सिंह के कुशल मार्गदर्शन में आज सोमवार को हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के निदेर्शानुसार हो रहे कार्यक्रम "हर घर परिवार सूर्यनमस्कार" के तहत होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम के बारे में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ मोनिषा लाम्बा ने विभाग के अधिकारियो के साथ समीक्षा बैठक ली। डॉ मोनिषा ने बताया कि आगामी 23 फरवरी को सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का समापन समारोह मानव रचना शिक्षा संस्थान में आयोजित होगा।

बैठक में जिला योग कोऑर्डिनेटर, जयपाल शास्त्री, जिला योग विशेषज्ञ, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के प्रभारी अंकुर, अजित भाटी जी प्रभारी पतंजलि किसान सेवा समिति, रतन लाल, प्रभारी जय बाबा बफार्नी युग निर्माण मंच, खेल विभाग, प्रतिनिधि मानव रचना शिक्षण संस्थान के प्रतिनिधि ने हिस्सा लिया। वहीं सुर्यनमस्कार समापन कार्यक्रम की तैयारी के लिए रूप रेखा तैयार की।

चारा लेने गयी युवती नहीं लौटी घर

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
नौहझील क्षेत्र के एक गांव 20 वर्षीय युवती घर से चारा लेने गई लेकिन घर वापस नहीं लौटी। परिजन अनहोनी की आशंका जताई है। परिजनों ने थाना नौहझील पर गुमशुदगी दर्ज कराई गई है। परिजनों के मुताबिक रविवार दोपहर को युवती घर से पशुओं के लिए खेतों पर चारा लेने गयी थी। देर शाम तक जब युवती घर नहीं लौटी तो परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दी। खेतों में और आस पड़ोस के गांव में काफी खोजबीन करने के बाद भी कोई सुराग नही लगा तो थाना आकर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। परिजनों को युवती के साथ अनहोनी होने का डर सता रहा है। नौहझील थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव की एक 20 वर्षीय युवती पशुओं के लिए चारा लेने गयी थी जो अभी तक घर नही लौटी है। जिसकी गुमशुदगी दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

दिन-दिहाड़े युवक की हत्या

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/ राजकुमार प्रिंस।
नमस्ते चौक के पास दिन दिहाडे एक युवक की सिर में गोली मार दी गई, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी युवक बोलेरो में सवार होकर युवक से पैसे मांगने आया था। उसने पैसे देने से मना किया तो उसके सिर में गोली मार दी गई। सूचना के बाद डीएसपी सहित पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हाउस में रखवा दिया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मृतक शंकर पुत्र अमृत बिहार का रहने वाला था और करनाल के सेक्टर-13 में अपने परिवार के साथ रहता था। शंकर लोडिंग टेम्पो चलाने का काम करता था और नमस्ते चौक के नजदीक इंडियन पेट्रोल पंप के पास दीप इंटरप्राइजेज पर सामान देने के लिए आता था।
आज भी वह दीप इंटरप्राइजेज पर आया हुआ था। शंकर दुकान के मालिक व एक और व्यक्ति के साथ बैठा हुआ था। इसी दौरान एक युवक बोलेरो गाड़ी में आया था और उसने दुकान पर आकर शंकर से पैसे मांगे। बताया जा रहा है कि शंकर ने कहा था कि वह शाम को पैसे दे देगा, लेकिन अभी उसके पास पैसे नहीं हैं, लेकिन उससे पहले वह कुछ और जवाब देता, अचानक आरोपी युवक ने पिस्टल निकाली और उसके सिर में गोली मार दी। जब शंकर के सिर में गोली मारी गई तो उसी वक्त दुकान के मालिक और दूसरे व्यक्ति ने उसे पकड?ा चाहा, लेकिन आरोपी ने उन दोनों को भी धमकी दी और कहा कि अपनी जगह से उठे तो यहीं पर ठोक दूंगा।

फरीदाबाद हॉफ मैराथॉन में ज्यादा आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करें: डीसी

इवेंट

8 मनोहर लाल होंगे फरीदाबाद हॉफ मैराथॉन के चीफ गेस्ट, विजेता प्रतिभागियों को करेंगे सम्मानित

फरीदाबाद, 19 फरवरी, (हरपाल सिंह यादव) /टीम एक्शन इंडिया
उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि फरीदाबाद में आगामी तीन मार्च को फरीदाबाद मैराथॉन नाम से एक बड़ा इवेंट होने जा रहा है। इस इवेंट में अलग-अलग श्रेणियों में हजारों धावक भागीदारी करेंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल फरीदाबाद मैराथॉन में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करेंगे। उन्होंने ज़िला के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों व कॉलेजों तथा आरडबल्यूए के प्रतिनिधियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस मैराथन में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित कराने के दिशा-निर्देश दिए। डीसी विक्रम सिंह ने आज सोमवार को लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजन की तैयारियों को लेकर ज़िला के सरकारी व निजी स्कूलों तथा कॉलेजों एवं आरडबल्यूए के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि दिल्ली और मुंबई जैसे देश के प्रमुख शहरों में आयोजित होने वाले ऐसे आयोजनों की तर्ज पर फरीदाबाद हॉफ मैराथॉन भी औद्योगिक महानगर का एनुअल इवेंट होगा। फरीदाबाद मैराथॉन में भागीदारी के लिए हजारों की संख्या में प्रोफेशनल रनर्स ने फरीदाबाद हॉफ मैराथॉन डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह रजिस्ट्रेशन 29 फरवरी तक करवाया जा सकता है। मैराथन का शुभारंभ सूरजकुंड परिसर से होगा और यह शहर के बड़खल मोड़ से वापिस जाएगी।

विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को नगद इनाम से किया जाएगा सम्मानित
डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि 21 किलोमीटर ओपन केटेगरी में हॉफ मैराथन में प्रथम स्थान पर आने वाले विजेता को 1 लाख 50 हजार, द्वितीय विजेता को 1 लाख व तीसरे स्थान पर आने वाले विजेता की 75 हजार के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही 5 किलोमीटर की फन मैराथॉन का आयोजन जिसमें बच्चें युवा और सीनियर सिटीजन भाग ले सकते है। चिप युक्त बीब से रनर अपना वास्तविक रन टाइम कैलकुलेट कर सकेंगेडीसी विक्रम सिंह ने बताया कि मैराथन के लिए पोर्टल पर 21 किलोमीटर फुल व 10 किलोमीटर की श्रेणी में आवेदन करने वाले रनर्स को रनिंग किट्स प्रदान की जाएगी। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक चिप युक्त बीब (टी शर्ट पर चिपकने वाला स्टीकर) शामिल है।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा पेपर लीक की चर्चा से अभ्यर्थी बेचैन

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
दो दिन में चार पालियों में संपन्न हुई उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा के बाद भी अभ्यर्थियों को चैन नहीं है। कथित पेपर लीक की सूचनाओं और चचाओं ने परीक्षा में बैठे अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को बेचैन कर दिया है। सोमवार को कुछ अभ्यर्थी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और डीएम ऑफिस पर एक ज्ञापन सौंपा। जनपद में 37 परीक्षा केन्द्रों पर उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। दो दिन तक चार पालियों में हुई परीक्षा के बाद सोमवार को कुछ अभ्यर्थी डीएम ऑफिस पहुंचे और पेपर लीक होने की बात कहते हुए पुनः परीक्षा कराने की मांग की। इसके संबंध में अभ्यर्थियों ने डीएम ऑफिस पर मौजूद एसडीएम को ज्ञापन भी दिया। वहीं थाना वृन्दावन पुलिस द्वारा उत्तर प्रदेश नागरिक पुलिस (आरक्षी) भर्ती परीक्षा में फर्जी परीक्षा देते हुए एक अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया है। रविवार को हजारीमल सोमानी इंटर कालेज वृन्दावन मथुरा में उत्तर प्रदेश आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा द्वितीय पाली में अभ्यर्थी शेर सिंह पुत्र ?ादराम निवासी बी.आर. टाउन रांची बांगर बाद मथुरा की बायोमैट्रिक जांच में बायोमेट्रिक असमानता होने के कारण अभ्यर्थी शेर सिंह के स्थान पर अभियुक्त दिनेश चन्द शर्मा पुत्र रमेश चन्द शर्मा निवासी शीशबाडा भरतपुर राजस्थान का परीक्षा में सम्मिलित मिला।
अभियुक्त दिनेश चन्द शर्मा को बायोमैट्रिक जांच के दौरान प्रवेश करते समय ही संदिग्धता के आधार पर मौके से हिरासत में लिया गया था। जांच से अभ्यर्थी शेर सिंह पुत्र ?ादराम के स्थान पर अभियुक्त दिनेश चन्द शर्मा का परीक्षा देना प्रमाणित होने पर दिनेश चन्द शर्मा की गिरफ्तारी की गयी है।

विषाक्त से उपचाररत विवाहिता की मौत

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
यूपी हरियाणा बॉर्डर के निकट स्थित एक गांव में करीब 265 दिन पूर्व एक विवाहिता ने विषाक्त खाकर जान देने का प्रयास किया। घायल महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। जिसके बाद महिला के शव को पोस्टमार्टम कराया गया। घटना के पीछे गृह क्लेश बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटनाक्रम के अनुसार कोसी शाहपुर मार्ग स्थित एक गांव में 26 जनवरी को एक विवाहिता ने विषाक्त खा लिया। घटना की सूचना के बाद परिजनों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर मायके पक्ष टप्पल के लोग भी वहां पहुंच गए। बताते हैं कि उस दौरान घटना को लेकर सूचना दी गई थी। बताते हैं कि उपचार के बाद महिला की हालत में लगातार सुधार आ रहा था। लेकिन विगत दिवस उसकी हालत बिगड गई। जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

टाउनशिप को लेकर सहज नहीं हैं बरसाना के किसान

विरोध

8 एमवीडीए की बरसाना में प्रस्तावित लैण्ड पुलिंग योजना का किसानों विरोध किया है।

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
टाउनशिप को लेकर बरसाना के किसान सहज नहीं हैं। एमवीडीए की बरसाना में प्रस्तावित लैण्ड पुलिंग योजना का किसानों विरोध किया है। बरसाना में मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण ने 157 हेक्टेयर भूमि में टाउनशिप बनाने की योजना को लेकर बरसाना में किसानों के साथ एमवीडीए के अधिकारियों ने भूमि अधिग्रहण को लेकर बैठक की। किसानों ने बैठक में उपजाऊ कृषि भूमि के अधिग्रहण को लेकर विरोध जताया और लैण्ड पुलिंग योजना को किसानों के साथ छल करने की बात कही। सोमवार को एमवीडीए सचिव अपनी टीम के साथ बरसाना में किसानों के बीच पहुंचे और बरसाना के पीडब्ल्यूडी सभागार में किसानों के साथ बैठक की और उनके पक्ष को सुना। अधिकारियों की ओर से किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। वहीं इस योजना से किसानों और क्षेत्र को होने वाले लाभ की भी जानकारी दी। शासन ने बरसाना, छाता और फरह में टाउनशिप बनाने की योजना बनाई है और मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण को टाउनशिप विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। बैठक में शुरू से ही एमवीडीए अधिकारियों को किसानों का विरोध देखने को मिला।
बैठक मे मौजूद रहे किसान सुन्दर चौधरी, लखन सिंह, नवल सिंह, श्याम सुंदर आदि का कहना है कि किसानों के ही दम पर विकास दर नौ प्रतिशत हुई है। वहीं दुसरी तरफ किसानों की उपजाऊ और कृषि भूमि को जबरन टाउनशिप के नाम पर अधिग्रहण करने का प्रयास कर प्रदेश के किसानों को धीरे धीरे समाप्त कर रही है। पिछले कई दशकों से कृषि भूमि व उपजाऊ भूमि अधिग्रहण को लेकर सरकार की टाउनशिप व आवासीय योजना कोई भी पूर्ण नहीं हुई है। प्रत्येक योजना में लगातार विवाद होते रहे हैं। आज भी उत्तर प्रदेश में आवासीय योजना व टाउनशिप की योजना को लेकर जगह जगह विरोध प्रदर्शन व धरना प्रदर्शन देखने को मिलते हैं।

राया में बारात पर हुआ पथराव, पुलिस ने चार आरोपी पकडे

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
राया कस्बे में रविवार की शाम को बारात में हुए हंगामे की घटना के बाद पुलिस ने पथराव करने के आरोप में कुछ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को एक बार फिर बडी संख्या में राया थाना परिसर में भंकरपुर के ग्रामीणों ने पुलिस पर कार्यवाही में हीलाहवाली का आरोप लगाते हुए हंगामा काटा। राया के मोहल्ला सुल्तान गंज में रविवार की सायं बारातियों की कार से बालिका के घायल होने की घटना के बाद आक्रोशित लोगां ने मारपीट कर दी और इसके बाद पथराव कर दिया। इससे मौके पर अफरातफरी मच गई। कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गये। करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना पर एसपी देहात त्रिगुन विसेन, क्षेत्राधिकारी महावन भूषण वर्मा सहित कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया और चार लोगों को हिरासत में ले लिया। गांव भंकरपुर निवासी चन्द्रपाल शर्मा के पुत्र संजय की बारात गांव लोहवन निवासी राजू शर्मा महावीर शर्मा के यहां जा रही थी, जाम लगने के कारण बारातियों से भरी गाड़ियां मोहल्ला सुल्तान गंज होकर गुजर रही थीं। इस दौरान कार कि चपेट में आकर जाहिद की चार वर्षीय पुत्री सविया टकरा गई। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों की कार सवारों से कहासुनी हो गई। भिड़ इकट्ठा होते देख एकत्रित लोगों ने बारातियों की गाड़ियों पर पथराव कर दिया। साथ ही कुछ बारातियों से मारपीट कर दी। पथराब होता देख क्षेत्र में भगदड़ मच गई। जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हो गए। पुलिस ने मौके से चार लोगों को हिरासत में ले लिया। अन्य लोगां को समझा बुझाकर मामला शांत कराया। लड़के के पिता की तहरीर पर पांच नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। सोमवार की सुबह भंकरपुर से ग्रामीण थाना राया पर एकत्रित हो गए उन्होंने बाकी अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और बारातियों के साथ मारपीट के दौरान सोने चांदी के आभूषण महिलाओं के पर्स लूटने आदि सामान बरामद करने को लेकर थाना राया पर प्रदर्शन किया। थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कुछ ग्रामीण थाने पहुंचे थे जिन्हें समझा कर शांत करा वापस भेजा गया चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। जांच की जा रही है। जो भी दोषी होंगे उन्हें बख्शा नहीं जायेगा।

भोपानी गांव में कब्रिस्तान निर्मा कि विरोध में विधायक राजेश नागर से मिले सरपंच

फरीदाबाद (हरपाल सिंह यादव)।/टीम एक्शन इंडिया
भोपानी गांव में कब्रिस्तान बनाए जाने के विरोध में आज जगत सिंह पार्षद, संजय सरपंच लालपुर सरपंच ललित चौहान, महावतपुर सरपंच रवि चौहान,राजपुर कला सरपंच कुलबीर चौहान
ददसिया गांव से धन सिंह नम्बरदार व आसपास के गांव की सरदारी तिगांव विधायक राजेश नागर से उनके निवास पर मिले और इस गंभीर समस्या से अवगत कराया। जगत सिंह पार्षद,संजय सरपंच ने बताया कि यह एसटीपी लाईन के ऊपर और ग्रीन बेल्ट में बनाया जा रहा है जिसके चारो तरफ हिन्दु आबादी है, इसलिए इसका विरोध किया जा रहा है। प्रशासन के अधिकारी को गुमराह करके इसे यहां पास कराया गया है जो माहौल को बिगाड़ सकता है। सरपंच ललित चौहान,सरपंच रवि चौहान व कुलबीर चौहान ने विधायक से तुरंत इसे रूकवाने की अपील करते हुए कहा कि गांववालों की भावनाओं का ख्याल रखा जाए। सभी ने अनुरोध किया कि संबंधित अधिकारियों को इसे रोकने के लिए उचित कार्यवाही के लिए कृपया तुरंत निर्देश करें। क्योंकि यह एक बेहद गंभीर मामला होने के कारण इसपर तत्काल कार्रवाई करना अति आवश्यक है।

सरकार के लिए राहत भरी खबर, जीडीपी के 1 पर्सेंट से कम रहेगा चालू खाता घाटा

नई दिल्ली.(एजेंसी)भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है. देश का चालू खाता घाटा कम रहने की उम्मीद है. व्यापार के मोर्चे पर सुधार खासकर निर्यात बढ़ने से देश को चालू खाता घाटा कम करने में मदद मिल रही है. इस कारण अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में भारत का चालू खाता घाटा जीडीपी के एक फीसदी से कम रह सकता है.

नौ महीने में सबसे बेहतर डेटा

चालू वित्त वर्ष के दौरान अब तक के उपलब्ध आंकड़ों में देश का व्यापार घाटा कम हुआ है. जनवरी में भारत का मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट 17.5 बिलियन डॉलर रहा था, जो नौ महीने में सबसे कम है. इससे पहले दिसंबर महीने में भारत का मर्चेंडाइज व्यापार घाटा 19.8 बिलियन डॉलर रहा था. सर्विस सेक्टर ने इसे कम करने में सबसे अहम योगदान दिया. सर्विस सेक्टर का सरप्लस जनवरी में बढ़कर 16.8 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया.

इस तरह से कम हुआ व्यापार घाटा

चालू वित्त वर्ष के दौरान सिर्फ फरवरी और मार्च के आंकड़े सामने आने बाकी है. यानी शुरुआती 10 महीनों के आंकड़े साफ हो चुके हैं. अप्रैल 2023 से लेकर जनवरी 2024 तक देश का व्यापार घाटा 206 बिलियन डॉलर रहा है. यह पिछले वित्त वर्ष के शुरुआती 10 महीने में 229 बिलियन डॉलर रहा था. इस दौरान सेवा क्षेत्र का शुद्ध निर्यात साल भर पहले के 117 बिलियन डॉलर से बढ़कर 138 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है.

पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी, राजस्थान में अब भी सबसे महंगा तेल

नई दिल्ली.(एजेंसी) ऑयल मार्केटिंग पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (IOC), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (BPCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (HPCL) ने पेट्रोल-डीजल के रेट जारी कर दी हैं। कच्चे तेल में तेजी के बावजूद आज पेट्रोल-डीजल के रेट में राहत है। राजस्थान में सरकार बदलने के बाद भी देश का सबसे महंगा पेट्रोल यहा के श्रीगंगानगर में 113.44 रुपये लीटर है। जबकि,सबसे सस्ता पेट्रोल पोर्टब्लेयर में 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये लीटर बिक रहा है।आज यानी सोमवार

19 फरवरी को लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये लीटर है। यह देश में सबसे महंगे पेट्रोल से 16.87 रुपये सस्ता है। लखनऊ में डीजल 89.76 रुपये लीटर है। आगरा में पेट्रोल 96.20 रुपये लीटर और डीजल 89.37 रुपये बिक रहा है। मेरठ में पेट्रोल 96.31 रुपये और डीजल 89.49 रुपये लीटर है। वाराणसी में पेट्रोल 97.49 रुपये और डीजल 90.67 रुपये प्रति लीटर है। नागपुर में पेट्रोल 106.04 और डीजल 92.59 रुपये लीटर है। अहमदाबाद में पेट्रोल 96.42 रुपये तो डीजल 92.17 रुपये लीटर है। जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपये लीटर है तो डीजल की कीमत 93.72 रुपये है। इंदौर में पेट्रोल 108.67 रुपये और डीजल 93.95 रुपये लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये है तो डीजल 94.27 रुपये लीटर है। यहां पेट्रोल श्रीगंगानगर की तुलना में 7.13 रुपये सस्ता है तो डीजल करीब चार रुपये कम रेट पर मिल रहा है।

रक्षा मंत्रालय से मिला 250 खास डिब्बों की सप्लाई का ऑर्डर, रेल कंपनी के शेयर बने रॉकेट

नई दिल्ली.रेल कंपनी टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के शेयर सोमवार को 8 पर्सेंट की तेजी के साथ 1037.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। रेल कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल एक बड़ा ऑर्डर मिलने की वजह से आई है। टीटागढ़ रेल सिस्टम्स को रक्षा मंत्रालय से 250 स्पेशलाइज्ड वैगन्स (खास डिब्बे) का ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर की वैल्यू 170 करोड़ रुपये है। कॉन्ट्रैक्ट साइन होने के 12 महीने बाद कॉन्ट्रैक्ट का क्रियान्वयन शुरू होगा। इसके बाद कॉन्ट्रैक्ट पूरा होने की अवधि 36 महीने की है। 1 साल में 370त से ज्यादा चढ़ गया रेल

कंपनी का शेयर

टीटागढ़ रेल सिस्टम्स (Titagarh Rail Systems) के शेयरों में पिछले एक साल में जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर एक साल में 370 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 20 फरवरी 2023 को 218.35 रुपये पर थे। टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के शेयर 19 फरवरी 2024 को 1037.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 6 महीने में रेल कंपनी के शेयरों में 50 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1249 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 203 रुपये है।

5 साल में कंपनी के शेयरों में 1500त की तेजी

टीटागढ़ रेल सिस्टम्स (Titagarh Rail Systems) के शेयरों में पिछले 5 साल में ताबड़तोड़ तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले 5 साल में 1500 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। रेल कंपनी के शेयर 22 फरवरी 2019 को 63.30 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 फरवरी 2024 को 1037.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले 3 साल में टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के शेयरों में 1900 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। रेल कंपनी के शेयर 19 फरवरी 2021 को 50 रुपये पर थे।

इंश्योरेंस क्लेम का जल्द होगा निपटारा, दो हफ्ते में शुरू हो सकता है NHCE

नई दिल्ली.(एजेंसी)

सरकार जल्द ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज की शुरुआत करने जा रही है। इस प्लेटफॉर्म से बीमा पॉलिसी धारकों के दावों का जल्द निपटारा हो सकेगा।

साथ ही इससे बीमा कंपनियों की लागत में भी कमी आएगी। यह बीमा कंपनियों के बीच दावों से संबंधित जानकारियों के आदान-प्रदान में भी मददगार होगा। इसके अलावा दावा करने वाले, लाभार्थी और नियामकों को भी इसके जरिए जानकारियां मिल

सकेंगी।

बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज अगले दो हफ्ते में काम करना शुरू कर सकता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज एक डिजिटल हेल्थ क्लेम प्लेटफॉर्म है। सूत्रों के मुताबिक इस बारे में बीमा नियामक इरडा मदद कर रहा है। यह दावा निपटान एक्सचेंज पूरी तरह तैयार हो चुका है।सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज सभी के लिए फायदेमंद होगा।

बीमा कंपनियों को इसका हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इरडा ने जून 2023 में बीमा कंपनियों को इसका हिस्सा बनने को कहा था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत बनाया गया है।

बीमा कंपनियों को अंडरराइटिंग में मिलेगी मदद- पिछले साल इरडा के चेयरमैन देबाशीष पांडा ने कहा था कि इस प्लेटफॉर्म से स्वास्थ्य बीमा दावों का जल्द निपटान होगा। साथ ही अंडरराइटिंग में भी मदद मिलेगी। सामान्य और स्वास्थ्य बीमा कंपनियां आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाय के उपलब्ध डेटा का इस्तेमाल उन लोगों के लिए बीमा उत्पाद तैयार करने के लिए कर सकेंगी, जो अब तक बीमा के दायरे से बाहर हैं।

ED की क्लीन चिट! Paytm निवेशकों के लौटे अच्छे दिन, शेयर अपर सर्किट पर

नई दिल्ली.(एजेंसी)

पेटीएम के शेयरों में आज प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है। जिसके बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 358.55 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। पेटीएम के शेयरों में उछाल के पीछे 2 वजहों को माना जा रहा है। पहली वजह है एक्सिस बैंक को नोडल खातों को ट्रांसफर करना है। दूसरी वजह ईडी की एक रिपोर्ट को माना जा रहा है।

ED की क्लीन चिट!

'द हिंदू' की रिपोर्ट के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय (Enforcement Directorate) ने अपनी जांच में पाया है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (FEMA) के तहत किसी भी नियमों का उल्लंघन नहीं किया है।

600 रुपये तक जा सकता है भाव

Bernstein की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के शेयरों का भाव 600 रुपये तक जा सकता है। ब्रोकरेज हाउस ने एक्सिस बैंक वाले

फैसले के बाद अपना टारगेट प्राइस बढ़ाया है।

हर रोज गिर रहा था पेटीएम के शेयरों का भाव

रिजर्व बैंक के फैसले के बाद पेटीएम के शेयरों में 1 फरवरी को 20 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली थी। अकेले उस दिन कंपनी के शेयरों का भाव 761 रुपये से लुढ़ककर 608.80 रुपये के लेवल पर आकर बंद हुआ था। इसके बाद लगातार कंपनी के शेयरों में उठा-पटक का दौर जारी रहा। एक समय पेटीएम के शेयरों का भाव 318.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था।

पहले ही दिन 200 रुपये के पार पहुंचे शेयर, IPO में 147 रुपये था दाम, 163 गुना से ज्यादा लगा था दांव

नई दिल्ली. वाइज ट्रेवल इंडिया लिमिटेड (डब्ल्यूटीआई कैब्स या WTI Cabs) की शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत हुई है। डब्ल्यूटीआई कैब्स के शेयर 32 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे के साथ 195 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर 147 रुपये पर निवेशकों को मिले थे। डब्ल्यूटीआई कैब्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 फरवरी 2024 को खुला था और यह 14 फरवरी 2024 तक ओपन रहा। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 94.68 करोड़ रुपये का है।

मजबूत लिस्टिंग के बाद शेयरों में ताबड़तोड़ तेजी

तगड़े फायदे के साथ लिस्टिंग के बाद डब्ल्यूटीआई कैब्स (WTI Cabs) के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 204.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस से करीब 40 पर्सेंट ऊपर हैं। डब्ल्यूटीआई कैब्स के आईपीओ का प्राइस बैंड 140 से 147 रुपये था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए बोली लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1000 शेयर थे। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को आईपीओ में 147000 रुपये का निवेश करना पड़ा है।

163 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हुआ है कंपनी का IPO

डब्ल्यूटीआई कैब्स (WTI Cabs) का आईपीओ टोटल 163.46 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 108.76 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (NII) का कोटा 375.56 गुना

सब्सक्राइब हुआ है। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) का कोटा 106.69 गुना सब्सक्राइब हुआ है।

डब्ल्यूटीआई कैब्स की शुरुआत साल 2009 में हुई थी। वाइज ट्रेवल इंडिया लिमिटेड (WTI Cabs) एक ट्रांसपोर्ट कंपनी है, जो कि कार रेंटल्स और ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज ऑफर करती है। कंपनी देश के 130 शहरों में अपनी सर्विसेज ऑफर करती है।

ट्रेन में कनफर्म टिकट या तुरंत पैसा वापस, IRCTC की ये फैसिलिटी है धांसू- जानें सब कुछ

नई दिल्ली.रेलवे में ऑनलाइन टिकट बुक करवाने पर कई बार कंफर्म टिकट ना होने पर भी पैसा कट जाता है. ऐसा ज्यादातर तत्काल टिकट बुकिंग करने वालों वेटलिस्ट टिकट बुक करने वालों के साथ होता है. आईआरसीटीसी वेबसाइट और एप में एक ऐसी फैसिलिटी है जिसके जरिए आपका पैसा तभी कटेगा अगर आपका कंफर्म टिकट बुक होता है. इसके जरिए अगर आपका टिकट बुक नहीं होता तो रिफंड के लिए भी 3-4 दिनों के इंतजार की जरूरत नहीं है, आपका पैसा तुरंत वापस आ जाता है.

आईआरसीटीसी का iPay payment gateway विकल्प है मददगार

भारतीय रेलवे ई-टिकटों के लिए तुरंत पैसे चुकाए बिना बुक करने की व्यवस्था है. यह विकल्प केवल आईआरसीटीसी द्वारा आई-पे भुगतान गेटवे में मिलता है और इसे ऑटोपे कहा जाता है. इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) के आईपे पेमेंट गेटवे का ऑटो पे फीचर यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई), क्रेडिट कार्ड और यहां तक कि डेबिट कार्ड के साथ भी काम करता है.आईआरसीटीसी की वेबसाइट के मुताबिक, +यूजर्स के बैंक खाते से पैसे तभी कटेंगे जब सिस्टम रेलवे टिकट के लिए पीएनआर जनरेट कर देगा. यह सिस्टम उसी तरह है जैसे आईपीओ एप्लिकेशन यूपीआई का उपयोग करके काम करता है.इससे सबसे ज्यादा फायदा सिर्फ उन लोगों को होगा जो रेलवे ई-टिकट बुक कर रहे हैं या वेटिंग लिस्ट वाले जनरल या तत्काल टिकट बुक करने की कोशिश कर रहे हैं.

ये हैं देश के बेहतरीन फंड मैनेजर, पिछले 6 वर्षों से निवेशकों को कर रहे मालामाल, दिलाया ऐसा छप्परफाड़ रिटर्न

नई दिल्ली. पिछले कुछ वर्षों में देश के म्यूचुअल फंड मार्केट (Mutual Funds Market) में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। इस दौरान कुछ फंड मैनेजरों ने अपनी रणनीति से निवेशकों को बेहतरीन रिटर्न प्रदान किया है। इन फंड मैनेजरों ने निवेशकों की अच्छी कमाई कराई है। बाजार में गिरावट के बावजूद निवेशकों को शानदार रिटर्न मिला है। यहां हम आपको साल 2023 के बेस्ट फंड मैनेजरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने बेस्ट फंड मैनेजर रैंकिंग (ET Wealth-Primeinvestor.in ranking) में टॉप 10 में जगह बनाई है। इन फंड मैनेजरों ने साल 2018 से 2023 तक निवेशकों को शानदार रिटर्न दिलाया है। इन फंड मैनेजरों ने शेयर बाजार में हो रहे बदलावों के हिसाब से खुद को ढालते हुए निवेशकों को जोखिम से बचाया है। आईए आपको बताते हैं देश के बेहतरीन फंड मैनेजरों के बारे में।

देखने को मिल सकता है कम रिटर्न

बेस्ट फंड मैनेजर्स की लिस्ट में राजीव ठक्कर पहले नंबर पर हैं। राजीव पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड (PPFCF) का मैनेजमेंट करते हैं। इस फंड की बहुत सी होल्डिंग आईटी, बैंकिंग, कंज्यूमर गुड्स और ऑटो मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज में है।

इस फंड में पैसा लगाने वालों को शानदार रिटर्न मिला है। वह वैल्यू इन्वेस्टिंग क्षेत्र के मजबूत खिलाड़ी हैं। राजीव ठक्कर ने कंपनी के मूल सिद्धांतों पर दृढ़ नजर रखी है। वह ऑफबीट विचारों में अवसर तलाशना जारी रखते हैं और निवेश के लिए उनके पास एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण है। राजीव ठक्कर के मुताबिक, बाजार में रिटेल निवेशकों की काफी भागीदारी है। इसके चलते कुछ ऐसे स्टॉक्स हैं जिनमें भारी अस्थिरता देखने को मिल रही है। इन शेयरों में निवेशकों का पैसा डूब सकता है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में पिछले 12 महीनों के मुकाबले कुछ हद तक कम रिटर्न देखने को मिल सकता है।

कम वैल्यूएशन वाले कारोबार को न करें नजरअंदाज

श्रीदत्त भंडवालकर को 16 वर्षों का अनुभव है। श्रीदत्त भंडवालकर बेस्ट फंड मैनेजर्स की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। वह Canara Robeco स्कीम के हेड हैं। वह व्यक्तिगत रूप से विभिन्न श्रेणियों में फंड के एक बड़े ग्रुप को संभालते हैं। उनका मानना है कि हर विकास-आधारित व्यवसाय अच्छा नहीं करेगा और भारी मूल्यांकन को सही ठहराने के लिए अंततः इनकम के माध्यम से आना होगा। वह इस बात पर जोर देते हैं कि इस स्पाइक के बीच हर पीएसयू कंपनी को एक ही तरह से देखना जोखिम से भरा है। श्रीदत्त भंडवालकर के मुताबिक, अगर फैक्ट बदल रहे हैं तो कम वैल्यूएशन वाले व्यवसायों को नजरअंदाज न करें। उनका फोकस कंपनियों की अर्निंग ग्रोथ पर होता है। बेस्ट फंड मैनेजर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर विनीत पाहरिया का नाम शामिल है। विनीत को 20 वर्षों का एक्सपीरियंस है। उन्होंने तीन फंड हाउसों में काम किया है। उन्होंने यूनियन एएमसी के फंड प्रदर्शन को बेहतर बनाने में विशेष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कई ऐसे म्यूचुअल फंड्स है जिन्होंने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। देश के कई फंड मैनेजरों ने निवेशकों को बीते वर्षों में कई जोखिमों से बचाते हुए शानदार रिटर्न दिलाया है। यहां हम आपको साल 2023 के बेस्ट फंड मैनेजरों के बारे में बताने जा रहे है, जिन्होंने निवेशकों को बाजार मुनाफा दिलाया है।

टाटा की पावर कंपनी ने किया बड़ा अधिग्रहण, शेयर पर टूटे निवेशक,15000 करोड़ के निवेश की भी योजना

नई दिल्ली.(एजेंसी)टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा पावर के शेयर आज सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयरों में आज लगभग 3त तक की तेजी देखी गई। टाटा पावर के शेयर इंट्रा डे ट्रेड में 385.75 रुपये पर पहुंच गए। इससे पहले बीते शुक्रवार को यह शेयर 376.15 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे एक बड़ा ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने कहा है कि उसे ऋण पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (RECPDCL) से जलपुरा खुर्जा पावर ट्रांसिशन लिमिटेड के अधिग्रहण को लेकर लेटर ऑफ इंटेंट (LOI) मिला है।

कंपनी ने क्या कहा?

16 फरवरी को एक एक्सचेंज फाइलिंग में टाटा पावर ने कहा, +उसे जलपुरा खुर्जा पावर का अधिग्रहण करने के लिए आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) - आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी से लेटर ऑफ इंटेंट मिला है। टाटा पावर ने कहा, परियोजना की अनुमानित लागत 838 करोड़ रुपये है।

इस खबर का भी असर!

इधर, ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा पावर कंपनी लिमिटेड ?15,000 करोड़ के निवेश के साथ 2028-29 तक 2,800 मेगावाट क्षमता की पंप हाइड्रो स्टोरेज परियोजनाएं स्थापित करने पर विचार कर रही है।

इसकी जानकारी मुख्य कार्यकारी प्रवीर सिन्हा ने दी है। उन्होंने ईटी को बताया कि कंपनी अपनी सहायक कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के साथ गठजोड़ करेगी। इससे वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्र को चौबीसों घंटे बिजली की सुविधाएं मिलेंगी।

दिसंबर तिमाही के नतीजे

हाल ही में टाटा ग्रुप की पावर कंपनी टाटा पावर ने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। इस तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट दो प्रतिशत चढ़कर 1,076 करोड़ रुपये रहा। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 1,052 करोड़ रुपये रहा था।

कंपनी ने बताया कि तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 14,841 करोड़ रुपये हो गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 14,339 करोड़ रुपये थी।

मालदीव में चीन के बढ़ते दखल से टेंशन में अमेरिका, समुद्री सुरक्षा को लेकर किया बड़ा ऐलान

मालदीव की चीन के साथ बढ़ती दोस्ती ने अमेरिका को चिंता में डाल दिया। इस मामले के मद्देनजर ही पिछले दिनों मालदीव के दौरे पर पहुंचे अमेरिका के...

माले. मालदीव की चीन के साथ बढ़ती दोस्ती ने अमेरिका को चिंता में डाल दिया। इस मामले के मद्देनजर ही पिछले दिनों मालदीव के दौरे पर पहुंचे अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने मालदीव की सेना के लिए 4 गश्ती समुद्री जहाज और एक प्लेन देने का ऐलान किया है। अमेरिका ने यह ऐलान ऐसे समय पर किया है जब चीन एक जासूसी केंद्र मालदीव के एक द्वीप पर बनाने की योजना बना रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर चीन ऐसा करने में सफल होता है तो वह भारत ही नहीं अमेरिका के युद्धपोतों की आसानी से निगरानी कर सकेगा जो डियागो गार्सिया नेवल बेस तक अक्सर जाते रहते हैं।

लू ने अमेरिका के शांति संस्थान के एक कार्यक्रम में कहा कि भले ही देखने में मालदीव छोटा देश है लेकिन अगर रक्षा जरूरतों को देखें तो उसे बहुत ज्यादा आवश्यकता है। डोनाल्ड लू ने कहा, मालदीव के पास 1200 द्वीप हैं। उसका क्षेत्रीय इलाका 53 हजार वर्ग किलोमीटर का है। यह फ्रांस के आकार का है। इस लिहाज से मालदीव एक विशाल देश है। हम मालदीव को एक छोटा देश समझते हैं लेकिन अगर रक्षा जरूरतों की बात करें तो यह बहुत ज्यादा है। डियागो गार्सिया एक ब्रिटिश स्वामित्व वाला द्वीप है जिस पर अमेरिका ने नौसैनिक अड्डा बना रखा है। डियागो गार्सिया मालदीव से कुछ सौ समुद्री मील की दूरी पर है और हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। इसी नेवल बेस के जरिए अमेरिका चीन पर नजर रखता है।

यही नहीं अमेरिका वहां पर परमाणु पनडुब्बी तथा परमाणु बॉम्बर तक तैनात करता रहता है। लू ने कहा कि इतने बड़े क्षेत्र की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और उपकरणों के कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसे पूरा करने के लिए अमेरिका ने मालदीव को वास्तविक समय के वाणिज्यिक उपग्रह डेटा के साथ-साथ गश्ती नौकाओं और विमानों को प्रदान करने के प्रयास शुरू किए हैं। लू ने घोषणा की कि मालदीव की नौसेना को चार गश्ती नौकाएं प्रदान की जाएंगी और एक विमान देने पर चर्चा चल रही है, क्योंकि ये संसाधन क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

इस बीच मालदीव सरकार ने अभी इस बात की पुष्टि नहीं की है कि अमेरिकी सरकार गश्ती नौकाएं प्रदान करने पर सहमत हुई है या नहीं। बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की चीन यात्रा के बाद ड्रैगन बहुत तेजी से माले के अंदर पैर पसार रहा है।

मुइज्जू चीन की कंपनियों को ठेका दे रहे हैं। वह भी तब जब मालदीव चीन के कर्ज तले दबा हुआ है। चीन के इसी प्रभाव को कुंद करने के लिए अमेरिकी विदेश राज्य मंत्री माले पहुंचे थे।

ब्रिटेन ने यूक्रेनियाई नागरिकों की वीजा मियाद बढ़ाई

लंदन. ब्रिटेन की सरकार ने रविवार को रूस-यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर देश में शरण लेने आए यूक्रेनियाई नागरिकों के लिए शुरू वीजा योजना की मियाद बढ़ा दी है। इसके साथ ही युद्धग्रस्त देश से आए यूक्रेनियाई नागरिक समान शर्तों पर ही मौजूदा मियाद खत्म होने के बाद भी 18 महीने तक देश में रह सकेंगे। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन वीजा योजनाओं में से एक के तहत ब्रिटेन में रहने वाले सभी लोग 2025 की शुरुआत से अतिरिक्त 18 महीनों के लिए यहां रहने के लिए आवेदन कर सकेंगे और अपने पूरे प्रवास के दौरान

शिक्षा, रोजगार, अन्य लाभ, स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने अधिकार प्राप्त कर सकेंगे।इसका अभिप्राय है कि यूक्रेन के लिए शुरू वीजा योजनाओं में से एक के तहत देश में आए यूक्रेनियाई नागरिक अब सितंबर 2026 तक ब्रिटेन में रह सकते हैं। ब्रिटेन में कानूनी आव्रजन और सीमा मामलों की मंत्री टॉम पर्सग्लोव ने कहा, ''इस क्रूर युद्ध की शुरुआत से अबतक के लगभग दो साल के कालखंड में 2,00,000 से अधिक यूक्रेनियाई और उनके परिवार के सदस्य ब्रिटेन आए हैं। देश भर के परिवारों ने असाधारण उदारता दिखाते हुए, युद्ध की भयावहता से भाग रहे यूक्रेन के लोगों को आश्रय देने सहित, अपने घर और अपने दिल के द्वार खोल दिए हैं।

मेक्सिको में गुलाबी कपड़े पहन राष्ट्रपति और सत्तारूढ़ पार्टी खिलाफ सड़कों पर उतरे लाखों लोग

इंटरनेशनल डेस्क. देश में 2 जून को होने वाले चुनाव से पहले देश की सत्तारूढ़ पार्टी को निशाना बनाते हुए गुलाबी कपड़े पहने हजारों प्रदर्शनकारियों ने मेक्सिको और विदेशों के शहरों में लोकतंत्र के लिए मार्च किया। गुलाबी कपड़े पहने हजारों लोग शहर के मुख्य प्लाजा में गेट लोपेज़ को बाहर निकालने के नारे लगाते हुए एकत्र हुए। अन्य लोगों ने तख्तियां ले रखी थीं जिन पर लिखा था कि लोगों की शक्ति सत्ता में बैठे लोगों से अधिक है। उनमें से 61 वर्षीय गेब्रियल ओजुना भी गुलाबी रंग का कपड़ा पहने हुए थे। उन्होंने कहा कि वह और उनका परिवार बाजा कैलिफ़ोर्निया राज्य से आए थे और विभिन्न उम्मीदवारों को मौका देने के लिए मार्च में भाग ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने पिछले लोकतंत्र समर्थक मार्चों में भी विरोध प्रदर्शन किया था। माना जा रहा है इस मार्च में लगभग 10 लाख लोग शामिल हुए मेक्सिको की विपक्षी पार्टियों द्वारा रविवार को बुलाए गए प्रदर्शनों में लैटिन अमेरिकी राष्ट्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की वकालत की गई और राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार क्लाउडिया शीनबाम द्वारा आधिकारिक तौर पर देश की सत्तारूढ़ पार्टी मुरेना के तहत अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने के कुछ ही दिनों बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन किया । शीनबाम को मोटे तौर पर मेक्सिको के अत्यधिक लोकप्रिय नेता एंड्रस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर के निरंतर उम्मीदवार के रूप में देखा जाता है। कई मतदाता उनके प्रशंसक हैं, जो कहते हैं कि उन्होंने 2018 में देश की विशिष्ट पार्टियों को सत्ता से बाहर कर दिया और श्रमिक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

वियतनाम और अमेरिका के नौसैनिक जहाज मिलन के लिए पहुंचे भारत, नौसेनाएं विशाखापत्तनम में करेगी अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास

इंटरनेशनल डेस्क. विशाखापटनम के हलचल भरे समुद्री शहर में, मिलन 24 होने जा रहा है। यह अब तक का सबसे बड़ा बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है। मीडिया कंपनी से बातचीत करते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा की, -मिलन अभ्यास वास्तव में अब तक का सबसे बड़ा अभ्यास है। 58 देशों को दिए गए निमंत्रण और 50 से अधिक देशों से मिल रही प्रतिक्रियाओं के साथ, मिलन 24 अभूतपूर्व भागीदारी का वादा करता है। 18 युद्धपोतों और विमानों का एक बेड़ा 19 फरवरी से 27 फरवरी तक समुद्र और बंदरगाह दोनों चरणों में सावधानीपूर्वक तैयार

किए गए कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तैयार है।भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। इस पृष्ठभूमि में, समुद्री क्षेत्र राष्ट्रीय प्रगति की आधारशिला के रूप में उभरता है। नौसेना प्रमुख ने टिप्पणी की, MILAN 24 का सार सहयोग, सामंजस्य और बातचीत में निहित है - समुद्री सुरक्षा के लिए साझा प्रतिबद्धता का एक प्रमाण। जैसा कि एडमिरल कुमार ने पुष्टि की है, समुद्री क्षेत्र में राष्ट्रीय हितों की रक्षा सर्वोपरि है, जो समुद्र की सुरक्षा के लिए नौसेना के अटूट समर्पण को रेखांकित करता है।

एक्स पर पोस्ट में टिप्पणी की गई, वियतनाम और संयुक्त राज्य अमेरिका के नौसैनिक जहाज मिलन 2024 समुद्री अभ्यास के लिए विशाखापत्तनम पहुंचे हैं।- इसके अतिरिक्त, यह यात्रा क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है और रक्षा साझेदारी को मजबूत करती है। बयान में कहा गया, MILAN 2024 नौसेनाओं के लिए संयुक्त अभ्यास में शामिल होने और अंतरसंचालनीयता बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

जर्मनी में जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग ने मुलाकात की

म्यूनिख. विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर मुलाकात की। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के वीडियो फुटेज में जयशंकर और वांग को इस कार्यक्रम से इतर एक संक्षिप्त बातचीत करते हुए देखा जा सकता है। इस सम्मेलन में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और दुनिया भर के अन्य शीर्ष राजनयिक शामिल हुए हैं।भारत और चीन की तरफ से हालांकि दोनों विदेश मंत्रियों के बीच हुई चर्चा के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। छह महीने से अधिक समय में दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात थी। दोनों की पिछली मुलाकात जुलाई में इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान) की बैठक के दौरान हुई थी।मई, 2020 से भारत-चीन संबंधों में गतिरोध बना हुआ है, जब पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेना के जवानों के बीच झड़प हुई थी।

नए भारतीय दूत ने श्रीलंका के उत्तरी प्रांत का दौरा किया, दोनों देशों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी का आह्वान

कोलंबो. श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने पहली बार इस द्वीपीय देश के उत्तरी प्रांत की आधिकारिक यात्रा की और दोनों देशों के बीच संपर्क को बेहतर बनने पर जोर दिया।

भारतीय उच्चायोग ने रविवार को एक बयान में कहा कि नवनियुक्त भारतीय उच्चायुक्त ने शनिवार को द्वीपीय देश के उत्तर में अपनी तीन दिवसीय पहली यात्रा पूरी की। बयान के मुताबिक झा ने यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया जो ''द्विपक्षीय साझेदारी की गहरी जड़ें और उत्तरी प्रांत के साथ सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। कांकेसंतुराई (केकेएस) बंदरगाह और तलाईमन्नार पियर का दौरा करने के दौरान संपर्क को बेहतर करने पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच नौका सेवाओं को शीघ्र फिर से बहाल करने की आवश्यकता भी बताई। बयान के मुताबिक पलाली हवाई अड्डे के दौरे के दौरान झा ने हवाई अड्डे पर बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से हवाई संपर्क मजबूत करने की संभावनाओं पर विचार किया।

भारत की विमानन कंपनी 'अलायंस एयर ने 2023 में चेन्नई से पलाली के बीच उड़ानों की शुरुआत की थी जिसके बाद श्रीलंका ने इस हवाई अड्डे के रनवे विस्तार के लिए भारत से वित्तीय सहायता मांगी।

बयान के मुताबिक, भारत और श्रीलंका के बीच समृद्ध और साझा सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित करते हुए उच्चायुक्त ने ऐतिहासिक राम सेतु पर प्रार्थना की।

उन्होंने प्राचीन तिरुकेथीस्वरम मंदिर में भी दर्शन किये जिसका भारत सरकार के अनुदान से जीर्णोद्धार कराया गया है।

दुनिया के Powerful पासपोर्ट की लिस्ट जारी; टॉप पर फ्रांस, चौंका देगी भारत की रैंकिंग

इंटरनेशनल डेस्क. दुनिया के सभी देशों के पासपोर्ट पर नजर रखने वाले हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2024 की नई लिस्ट जारी हो चुकी है। इससे पता चलता है कि पासपोर्ट एक सॉफ्ट पावर के तौर पर विश्व में कितना प्रभावशाली है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में फ्रांस ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। फ्रांस के पासपोर्टधारी 194 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं जबकि भारत ने इस साल पिछले साल से खराब प्रदर्शन किया है और भारतीय पासपोर्ट एक स्थान नीचे फिसलकर 85वें स्थान पर आ गया है।किसी देश का पासपोर्ट कितना मजबूत है, हेनले इंडेक्स में इसका निर्धारण वीजा फ्री एक्सेस से किया जाता है यानि जिस देश के पासपोर्ट का इस्तेमाल कर सबसे अधिक देशों में बिना वीजा यात्रा की जा सकती है, वो पासपोर्ट सबसे मजबूत होता है।भारत का पासपोर्ट 2024 में पिछले साल के मुकाबले एक स्थान नीचे आ गया है। पिछले साल हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत जहां 84वें स्थान पर था, इस साल 85वें स्थान पर आ गया है। इंडेक्स में चीन के पासपोर्ट ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। साल 2023 में जहां चीन का पासपोर्ट 66वें स्थान पर था, इस साल यह दो अंक उछाल के साथ 64वें स्थान पर आ गया है। चीन ने कोविड महामारी के बाद अपने पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए कई यूरोपीय देशों को वीजा फ्री एंट्री दी है।वहीं, अमेरिका का पासपोर्ट भी पिछले साल के मुकाबले इस साल मजबूत हुआ है। पिछले साल अमेरिका 7वें स्थान पर था लेकिन इस साल यह 6ठें स्थान पर आ गया है।भारत की रैंकिंग हैरान करने वाली है क्योंकि पिछले साल जहां भारत के पासपोर्टधारी 60 देशों में वीजा फ्री यात्रा कर सकते थे वहीं, इस साल वीजा फ्री देशों की संख्या बढ़कर 62 हो गई है।

रूस में बढ़ी बगावत की आग, एलेक्सी नवलनी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे 400 से अधिक लोग किए गिरफ्तार

रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ बढ़ती बगावत के बीच विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे 400 से अधिक लोगों को हिरासत में...

मॉस्को. रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ बढ़ती बगावत के बीच विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे 400 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। रूस के एक अधिकार समूह ने यह जानकारी दी। नवलनी (47) की अचानक मृत्यु से रूस के कई लोगों को कराड़ा झटका लगा है। इन लोगों को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे धुर विरोधी से भविष्य में काफी उम्मीदें थीं। नवलनी को सरकार में भ्रष्टाचार और रूसी शासन प्रतिष्ठान क्रेमलिन के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के लिए जाना जाता था। नर्व एजेंट के जहर से बचने और कई बार जेल की सजा पाने के बाद भी नवलनी ने पुतिन की आलोचना करना जारी रखा था।रूस के कई शहरों में सैकड़ों लोग इस राजनीतिज्ञ को श्रद्धांजलि देने के लिए शुक्रवार और शनिवार को फूलों और मोमबत्तियों के साथ राजनीतिक दमन के पीड़ितों के स्मारकों पर पहुंचे। 'ओवीडी-इन्फो नामक अधिकार समूह के अनुसार 12 से अधिक शहरों में पुलिस ने शनिवार रात तक 401 लोगों को हिरासत में लिया। समूह ने कहा कि रूस के दूसरे सबसे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग में 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। उधर, लेक्सी नवलनी की विधवा आज ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों के साथ शामिल होंगी क्योंकि नेता यूक्रेन के लिए सैन्य समर्थन पर चर्चा करने की तैयारी कर रहे हैं। क्रीमिया के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने कहा, यूलिया नवलनाया की यात्रा रूस में स्वतंत्रता सेनानियों के समर्थन और एलेक्सी नवलनी की स्मृति का सम्मान को उजागर करेगी।

मंत्री यूक्रेन के लिए सैन्य समर्थन और युद्ध शुरू होने के बाद से मॉस्को के खिलाफ यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों का 13वां पैकेज क्या होगा, इस पर चर्चा करने वाले हैं। व्लादिमीर पुतिन के सबसे प्रमुख विरोधियों में से एक नवलनी की पिछले साल्ह आर्कटिक जेल में मृत्यु हो गई। 47 वर्षीय व्यक्ति रूस में भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाकर प्रमुखता से उभरे। रूसी अधिकारियों ने कहा कि पोलर वुल्फ दंड कॉलोनी में टहलने के बाद वह गिर गया, जहां वह वर्षों के उत्पीड़न के बाद तीन दशक की सजा काट रहा था जिसमें 2020 में साइबेरिया में एक तंत्रिका एजेंट के साथ जहर देना भी शामिल था।रूसी राज्य समाचार एजेंसियों ने बताया है कि रूसी सेना ने अवदीव्का कोक और रासायनिक संयंत्र पर पूर्ण नियंत्रण ले लिया है।

यह तब आया है जब रूस ने महीनों की विनाशकारी लड़ाई के बाद सप्ताहांत में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर पर कब्जा करने का दावा किया है। कल, रूसी अधिकारियों ने कहा कि सेना डोनेट्स्क क्षेत्र के शहर पर नियंत्रण में थी, लेकिन यूक्रेनी इकाइयां संयंत्र में जमी हुई थीं - अवदीवका के उत्तर-पश्चिमी किनारों पर यूक्रेन का आखिरी गढ़। TASS राज्य समाचार एजेंसी ने रक्षा मंत्रालय के एक बयान का हवाला देते हुए कहा, संयंत्र की प्रशासनिक इमारतों पर रूसी झंडे फहराए गए। आरआईए राज्य समाचार एजेंसी ने एक लघु हवाई मौन वीडियो प्रकाशित किया जिसमें एक औद्योगिक संयंत्र की तरह प्रतीत होने वाले छिटपुट विस्फोटों को दिखाया गया है। मई 2023 में बखमुत शहर पर कब्जा करने के बाद से अवदीव्का का पतन रूस की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

पाकिस्तान की राजनीति में नया मोड़: बिलावल ने चला बड़ा दांव, कहा- पिता को बनाएंगे राष्ट्रपति

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने मंगलवार को आगाह किया कि जलवायु परिवर्तन और खाद्य संकट की वजह से वैश्विक शांति के लिए...

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के आम चुनाव के 10 दिन बाद भी किस पार्टी की सरकार बनेगी और कौन प्रधानमंत्री बनेगा को लेकर असमंजस जारी है। नवाज शरीफ की पार्टी PMLN के अलावा बिलावल भुट्टो की पार्टी PPP भी सत्ता हथियाने के लिए जोड़ तोड़ में लगी है पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (PML-N) के साथ गठबंधन किया है। 8 फरवरी को हुए चुनाव के बाद दोनों दलों में ज्यादा सीटें पीएमएलएन को मिली हैं।PML-N ने नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ को पीएम बनाने का फैसला किया है लेकिन इस बीच PPP के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने बड़ा दांव चलते हुए रविवार को घोषणा की कि वह PM नहीं बनना चाहते लेकिन उनके पिता आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति पद के लिए पीपीपी के उम्मीदवार होंगे। उन्होंने कसम खाई कि पूर्व राष्ट्रपति जरदारी देश में एकता लाएंगे और नागरिकों के सामने आने वाले गंभीर मुद्दों का समाधान करेंगे। एक रैली में उन्होंने नफरत की आग बुझाने और देश की एकता की रक्षा करने में आसिफ अली जरदारी की भूमिका पर जोर दिया। बिलावल ने यह भी कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठने मरे नहीं जा रहे थे।

बिलावल ने चुनाव परिणामों और धांधली के आरोपों के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा, %सभी दलों को अपने बारे में छोड़कर पाकिस्तान का भला देखना चाहिए।

बिलावल ने कहा, हमारा लक्ष्य लोगों, विशेषकर बलूचिस्तान और सिंध में बाढ़ पीड़ितों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटना है। बिलावल ने कहा, मुझसे कहा गया था कि पीएमएल-एन पहले तीन साल के लिए अपना पीएम बनाएगी और फिर अगले दो वर्षों के लिए मैं पीएम बनूं, लेकिन मैंने इंकार कर दिया। हम अपने नहीं बल्कि लोगों के लिए काम करते है। दरअसल बिलावल के पिता आसिफ अली जरदारी चाहते थे कि वह पीएम बनें। अब भले ही बिलावल पीएम न बने हों, लेकिन उन्होंने अपने पिता को राष्ट्रपति बनाने की ठान ली है।

रोहित शर्मा ने पिच को लेकर इंग्लैंड को दी खुली चुनौती...

इन दो खिलाड़ियों की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली.एजेंसी

कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को राजकोट की पाटा पिच पर इंग्लैंड पर 434 रन की रिकॉर्ड जीत दर्ज करने के बाद कहा कि भारतीय टीम किसी भी पिच पर मैच जीतने की काबिलियत रखती है।

भारत ने तीसरे टेस्ट के चौथे दिन रविवार को जीत के लिए 557 रन का लक्ष्य देकर इंग्लैंड को महज 122 रन पर समेटकर पांच मैच की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली। रोहित ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमने इस तरह के विकेट पर पहले भी काफी मैच जीते हैं। टर्निंग पिच जहां गेंद टर्न लेती है, हमारी मजबूत बनी हुई हैं। इससे हमें संतुलन मिलता है।

उन्होंने कहा, हमने कई वर्षों तक नतीजे दिये हैं और हम भविष्य में भी नतीजे हासिल करते रहेंगे। लेकिन हम कुछ निश्चित चीजों पर काबू नहीं रख सकते जैसे हम यह चर्चा नहीं करते कि हमें रैंक टर्नर पिच चाहिए या नहीं। हम मैच से दो दिन पहले वेन्यू पर आते हैं और वैसे भी हम दो दिन में क्या ही कर

सकते है?

कप्तान ने कहा, क्यूरेटर फैसला करते हैं और पिच तैयार करते हैं। हमारे पास किसी भी विकेट पर खेलने और मैच जीतने की ताकत है। हमने जब दक्षिण अफ्रीका में केपटाउन में मैच जीता था तो हर कोई जानता था कि वो कैसा विकेट था।

रोहित ने कहा कि भारतीय टीम ने सभी परिस्थितियों से निकलने का तरीका ढूंढ लिया है जो पहले तीन टेस्ट में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा, पिछले तीन टेस्ट में, अलग अलग तरह की चुनौतियां थीं। पहले टेस्ट में हैदराबाद में गेंद स्पिन कर रही थी और पिच धीमी थी। विशाखापट्टनम में गेंद नीची रह रही थी। जैसे मैच आगे बढ़ा विकेट धीमा हो गया। यहां पहले दिन यह अच्छी रही।रोहित ने कहा, आज हमने देखा कि गेंद टर्न ले रही थी और यह धीमी थी। यह पिचों की प्रकृति में होता है, हमें भारत में इस तरह की पिचें मिलती हैं। लेकिन अगर हमें रैंक टर्नर मिलती हैं तो हम उन पर भी खेलेंगे।

पहली पारी में शतक जड़ने वाले और 41 रन देकर पांच विकेट झटकने वाला स्पैल डालने वाले रविंद्र जडेजा (112 रन) के बारे में रोहित ने कहा, हमने देखा है कि वह परिस्थितियों को बखूबी समझता है।

रेलवे ने रणजी ट्रॉफी में रचा इतिहास, त्रिपुरा के खिलाफ चेज किया टूर्नामेंट का सबसे बड़ा टारगेट

नई दिल्ली. रणजी ट्रॉफी में उस समय इतिहास रचा गया जब मौजूदा सीजन में रेलवे की टीम ने त्रिपुरा के खिलाफ टूर्नामेंट का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया। यह कारनामा उन्होंने सोमवार को एमबीबी स्टेडियम, अगरतला में अपने अंतिम लीग मैच में किया। रेलवे की जीत के हीरो सलामी बल्लेबाज प्रथम सिंह रहे जिन्होंने 169 रनों की नाबाद पारी खेली। इस मैच की पहली पारी में जहां दोनों टीमें 200 रन का आंकड़ा नहीं छू पाई थीं, वहीं दूसरी इनिंग में दोनों टीमों ने 300 से अधिक रन बनाकर मैच को रोमांचक बना दिया। रेलवे ने यह मैच 5 विकेट के अंतर से जीता।

इस मैच में रेलवे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था, उनका यह फैसला तब सही साबित हुआ जब गेंदबाजों ने त्रिपुरा की पूरी टीम को मात्र 149 रनों पर समेट दिया। रेलवे के लिए युवराज सिंह ने सर्वाधिक 4 विकेट चटकाए थे। त्रिपुरा के इस स्कोर को देख उम्मीद जताई जा रही थी कि रेलवे की टीम बड़ा स्कोर बनाकर मैच को पारी के अंतर से जीत सकती है, मगर उनकी हालत तो त्रिपुरा से भी बुरी हुई।

मैन ऑफ द मैच बने रविंद्र जडेजा ने बीवी को क्यों डेडिकेट किया अवॉर्ड, बोले- मेरे पीछे उसने कड़ी मेहनत की है

नई दिल्ली.एजेंसी

पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच में भारत की जीत में कप्तान रोहित शर्मा, रविंद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान और मोहम्मद सिराज सबका ही अहम योगदान रहा। यही वजह है कि राजकोट में खेले गए सीरीज के तीसरे टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच चुनना इतना आसान काम नहीं था। भारत की ओर से पहली पारी में बैटिंग के दौरान शतक लगाने वाले और इंग्लैंड को दूसरी पारी में 122 रनों पर समेटने में अहम भूमिका निभाते हुए पांच विकेट चटकाने वाले रविंद्र जडेजा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

रविंद्र जडेजा के लिए यह अवॉर्ड कई मायनों में बहुत खास है। सीरीज के पहले टेस्ट मैच के दौरान जडेजा चोटिल हो गए थे और दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाए थे। राजकोट टेस्ट उनके लिए कमबैक टेस्ट था, साथ ही यह उनके होमग्राउंड पर भी खेला जा रहा था।

राजकोट टेस्ट मैच से पहले रविंद्र जडेजा के पिता का एक इंटरव्यू काफी वायरल हो गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि रविंद्र जडेजा शादी के बाद बदल गए और पत्नी रिवाबा के आने के बाद से उनके रिश्ते बेटे के साथ खराब हो गए।

इस इंटरव्यू के बाद जडेजा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी डाली थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस तरह के सभी आरोप झूठे हैं। इन सब बातों के बीच भी जडेजा के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने अपने होम ग्राउंड पर धमाकेदार बैटिंग और बॉलिंग कर टीम इंडिया की जीत की नींव रखी। राजकोट टेस्ट में जब भारतीय टीम पहली पारी में बैटिंग करने उतरी, तो 33 रनों तक तीन विकेट गिर चुके थे। रविंद्र जडेजा को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोशन मिला और उन्होंने इसका पूरा फायदा भी उठाया।बीसीसीआई टीवी ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा से लेकर शुभमन गिल, बैटिंग कोच विक्रम राठौर सबने बताया है कि मैच का टर्निंग पॉइंट क्या रहा।

यशस्वी जायसवाल को लेकर माइकल वॉन की भविष्यवाणी, ये खिलाड़ी कई बॉलिंग अटैक बर्बाद करेगा, जैसे वीरेंद्र सहवाग करता था

नई दिल्ली.एजेंसी

पांच मैचों की सीरीज के तीन टेस्ट मैच खेले जा चुके है और भारतीय क्रिकेट टीम सीरीज में 2-1 से आगे है। सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच राजकोट में खेला गया, जहां भारत ने इंग्लैंड को 434 रनों से धो डाला। राजकोट में इंग्लैंड ने बैजबॉल पर यशस्वी जायसवाल

का जैसबॉल ज्यादा भारी पड़ा। इस सीरीज में यशस्वी ने अभी तक दो दोहरे शतक लगाए हैं। यशस्वी ने तीन मैचों की छह पारियों में 109 की औसत से और 81 के स्ट्राइक रेट से 545 रन बना डाले हैं। इस सीरीज में अभी तक यशस्वी के बल्ले से 22 छक्के निकल चुके हैं, जो किसी टेस्ट सीरीज में किसी भी बैटर द्वारा जड़े गए सबसे ज्यादा छक्के हैं। यशस्वी के लिए इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने एक बड़ी भविष्यवाणी की है।वॉन ने कहा, इंडिया के पास नया वीरेंद्र सहवाग आ गया है... यशस्वी जायसवाल ऐसा खिलाड़ी है, जो क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में कई बॉलिंग अटैक को तहस-नहस कर देगा, जैसा कि वीरू किया करता था। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड चौथा टेस्ट मैच 23 फरवरी से रांची में खेला जाना है।

रिकॉर्ड तोड़ दोहरे शतक के बाद अनिल कुंबले की यशस्वी जायसवाल से स्पेशल रिक्वेस्ट, कप्तान से कहो...

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी जायसवाल का बल्ला खूब धमाल मचा रहा है। वह दो दोहरे शतकों के साथ इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनकी बल्लेबाजी की क्षमता की दुनिया कायल है, हालांकि पूर्व लेग स्पिनर अनिल कुंबले को उनसे और भी ज्यादा उम्मीदें हैं। कुंबले यशस्वी जायसवाल से ऑलराउंड परफॉर्मेंस चाहते हैं। दरअसल, यशस्वी जायसवाल ने भारत के लिए अभी तक गेंदबाजी

नहीं की है, लेकिन वह नेट्स में लगातार लेग स्पिनर गेंदबाजी का प्रयास करते रहते हैं। कुंबले ने उनसे लेग स्पिनर गेंदबाजी जारी रखने की रिक्वेस्ट मैच के बाद की है।

राजकोट टेस्ट के बाद अनिल कुंबले की यशस्वी जायसवाल से बात हुई। इस दौरान उन्होंने इस युवा खिलाड़ी से ये स्पेशल रिक्वेस्ट की। यशस्वी ने इस बातचीत के दौरान कुंबले को यह भी बताया कि कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें आगामी टेस्ट में गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहने को भी कहा है।

अनिल कुंबले ने जियो सिनेमा पर कहा, +आपकी बल्लेबाजी बहुत अच्छी है, लेकिन एक चीज जो मैंने देखी है और मैं चाहता हूं कि आप इसे भी जारी रखें, वह यह है कि आपके पास स्वाभाविक लेग स्पिन है। हां, और एक्शन भी।

नासिर हुसैन ने की इंग्लैंड की टीम की आलोचना, बोले- बैजबॉल अटैक करने के बारे में है, लेकिन...

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारत के खिलाफ राजकोट टेस्ट में महत्वपूर्ण अवसरों को भुनाने में इंग्लैंड की विफलता पर अफसोस जताया। इस मुकाबले में इंग्लैंड की टीम को भारत ने 434 रनों से हराया और सीरीज 2-1 की बढ़त हासिल की। यह कहना सही होगा कि इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट में भारत से करारी हार का सामना करना पड़ा है। मेजबान भारत ने मेहमान टीम इंग्लैंड को एक फ्लैट पिच पर पटकनी दी। इंग्लैंड ने उस वक्त भी फायदा नहीं उठाया, जब फैमिली मेडिकल इमरजेंसी के कारण आर अश्विन घर लौट गए थे और भारत के पास सिर्फ चार ही गेंदबाज थे। इंग्लैंड ने सीरीज के बीच में ब्रेक लिया था। इंग्लैंड की टीम दो मैचों के बाद अबु धाबी चली गई थी और तीसरे टेस्ट से पहले सीरीज को अपने पक्ष में करने के इरादे से राजकोट में उतरी, लेकिन इसमें कामयाबी नहीं मिली। तीसरे टेस्ट मैच में कुछ कठिनाइयों का सामना भले ही टीम इंडिया ने किया, लेकिन तीसरे दिन और चौथे दिन भारत ने बहादुरी से जवाब दिया और राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में टेस्ट में रनों के लिहाज से बड़ी जीत भारत ने दर्ज की। टीम इंडिया को अपनी इस जीत के बाद काफी प्रशंसा मिली। कई रिकॉर्ड भी भारत ने बनाए।

भारत के खिलाफ मिली हार के बाद इंग्लैंड टीम की आलोचना नासिर हुसैन ने भी की। उन्होंने स्काई स्पोर्ट्स पर कहा, +एक चीज जो जो रूट देखेंगे वह है उस शॉट की टाइमिंग। (रविचंद्रन) अश्विन वहां नहीं थे, भारत के पास एक गेंदबाज की कमी थी; (रविंद्र) जडेजा चोट के बाद भी खेल रहे हैं; बुमराह लगातार तीन टेस्ट से खेल रहे हैं और ऐसी चर्चा है कि उन्हें आराम की जरूरत है। बैजबॉल आक्रमण के बारे में है, लेकिन यह दबाव झेलने के बारे में भी है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की फिर हुई किरकिरी, PSL LIVE में आई परेशानी तो भड़क उठे फैंस

नई दिल्ली.एजेंसी

पाकिस्तान में पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल 2024 की शुरुआत हो चुकी है और टूर्नामेंट की शुरुआत में ही एक बड़ी समस्या का सामना आयोजकों को करना पड़ा है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की भी आलोचना हुई है, क्योंकि पीएसएल 2024 की शुरुआत के दूसरे दिन ही लाइव ब्रॉडकास्टिंग और स्ट्रीमिंग बंद हो गई। करीब 15 मिनट तक पाकिस्तान और भारत समेत तमाम देशों में ब्रॉडकास्टिंग बाधित रही।मुल्तान सुल्तान्स वर्सेस कराची किंग्स मैच में करीब 15 मिनट तक स्ट्रीमिंग और ब्रॉडकास्टिंग में परेशानी देखी गई, जिससे फैंस नाराज दिखे। उन्होंने पीसीबी को भी निशाने पर लिया। कराची किंग्स के खिलाफ मुल्तान सुल्तान्स की पारी का चौथा ओवर प्रगति पर था। मैच मुल्तान क्रिकेट

स्टेडियम में खेला जा रहा था और उसी समय लाइव फीड में दिक्कत आ गई, जिससे टीवी और अपने स्मार्टफोन पर मैच लाइव देख रहे पाकिस्तान, भारत, इंग्लैंड, यूएई और तमाम देशों के फैंस को समस्या का सामना करना पड़ा।

पीएसएल 2024 का लाइव ब्रॉडकास्ट भारत में उपलब्ध नहीं है, क्योंकि कोई भी कंपनी राइट्स नहीं खरीदती है। हालांकि, लाइव स्ट्रीमिंग फैंस फैनकोड एप पर देख सकते हैं, लेकिन यहां भी फैंस को निराशा ही हाथ लगी। पाकिस्तान में, ए स्पोर्ट्स और टेन स्पोर्ट्स के पास प्रसारण अधिकार हैं। हालांकि, दोनों ने अभी तक आउटेज पर कोई बयान जारी नहीं किया है। वहीं, PSL 2024 लाइव स्ट्रीमिंग राइट्स रखने वाले टैपमैड ने एक बयान जारी कर कहा कि उसे एक तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा था।

टैपमैड ने एक एक्स पोस्ट करते हुए कहा, हमें आपको यह बताते हुए खेद हो रहा है कि पीएसएल 9 के लाइव फीड में वर्तमान में तकनीकी समस्याएं आ रही हैं, जिससे प्रसारण में रुकावट आ रही है।

चौथे टेस्ट से जसप्रीत बुमराह को मिलेगा आराम या नहीं? आया लेटेस्ट अपडेट

टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का चौथा टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज का चौथा टेस्ट मैच रांची में 23 फरवरी से खेला जाना है।

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। चौथा टेस्ट मैच 23 फरवरी से रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स मैदान पर खेला जाना है। बुमराह इसके बाद सीरीज के आखिरी टेस्ट मैच में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला चौथे टेस्ट मैच के रिजल्ट पर निर्भर करेगा। सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच 7 मार्च से धर्मशाला में खेला जाना है। तीन मैचों के बाद टीम इंडिया सीरीज में 2-1 से आगे है। भारत ने राजकोट टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 434 रनों की दमदार जीत दर्ज की। हैदराबाद टेस्ट भारत ने 28 रनों से गंवाया था, लेकिन इसके बाद विशाखापट्टनम टेस्ट में रोहित शर्मा एंड कंपनी ने वापसी करते हुए 106 रनों से जीत दर्ज की। भारतीय क्रिकेट टीम राजकोट से रांची के लिए 20 फरवरी को रवाना होगी। बुमराह इस दौरान टीम के साथ रांची ट्रैवल नहीं करेंगे। क्रिकबज की खबर के मुताबिक बुमराह राजकोट से अहमदाबाद जाएंगे। बुमराह के अलावा किसी और खिलाड़ी को अगले टेस्ट मैच के लिए आराम दिए जाने की खबर नहीं है। बुमराह को आराम वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत दिया जा रहा है। इस सीरीज में अभी तक सबसे ज्यादा विकेट बुमराह ने ही चटकाए हैं। बुमराह ने तीन मैचों में कुल 80.5 ओवर गेंदबाजी की है और इस दौरान उन्होंने कुल 17 विकेट चटकाए हैं। विशाखापट्टनम टेस्ट में बुमराह को मैन ऑफ द मैच भी चुना गया था।

मोहम्मद सिराज को विशाखापट्टनम टेस्ट से आराम दिया गया था और इसके बाद उन्होंने राजकोट टेस्ट में वापसी की थी। बुमराह की जगह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) किसी को रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल करेगा या मौजूदा स्क्वॉड में ही से कोई खिलाड़ी उनको रिप्लेस करेगा, इस पर फैसला जल्द लिया जा सकता है। तीसरे टेस्ट मैच से मुकेश कुमार को रिलीज किया गया था, कि वह रणजी ट्रॉफी मैच में खेल सकें, माना जा रहा है

बेन स्टोक्स ने की DRS से अंपायर्स कॉल हटाने की मांग, कहा- भारत में...

बेन स्टोक्स ने कहा कि मेरी राय है कि अगर गेंद स्टंप्स पर लग रही है, तो यह स्टंप्स पर ही लग रही है। अगर ईमानदार से कहूं तो उन्हें अंपायर कॉल को हटा देना चाहिए। मैं इसमें ज्यादा नहीं पड़ना चाहता।

नई दिल्ली.एजेंसी

राजकोट टेस्ट में भारत के खिलाफ मिली करारी हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अंपायर कॉल को खत्म करने की मांग की है। स्टोक्स का यह बयान चौथे दिन जैक क्रॉली के विकेट को लेकर आया जिन्हें अंपायर कॉल के चलते आउट दिया गया। इंग्लिश कप्तान का कहना है कि वह एक दो बार नहीं बल्कि तीन बार गलत एंड पर थे। स्टोक्स ने गुहार लगाई है कि टीमों के पास समान अवसर होना चाहिए और निर्णय पूर्ण होना चाहिए।

इंग्लैंड की दूसरी पारी के 9वें ओवर में जब जसप्रीत बुमराह की गेंद क्रॉली के पैड पर लगी तो अंपायर कुमार धर्मसेना ने अपनी उंगली उठा दी। इंग्लिश ओपनर ने डीआरएस का विकल्प चुना और बॉल-ट्रैकर ने दिखाया कि गेंद लेग स्टंप को छूकर जा रही है, जिससे क्रॉली को वापस जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मैच के बाद स्टोक्स और मैक्कुलम को मैच रेफरी जेफ क्रो के साथ बातचीत करते देखा गया।मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए स्टोक्स ने कहा कि वह मानते हैं कि अंपायरों का काम काफी कठिन है और अस्पष्टताओं को दूर करने की जरूरत है। बेन स्टोक्स ने कहा, +हम इस मैच में तीन बार अंपायर कॉल पर गलत एंड पर रहे हैं और यह छक्के का हिस्सा है। आप या तो सही पक्ष पर है या गलत पक्ष पर। दुर्भाग्य से, हम गलत पक्ष पर रहे। आप बस समान अवसर चाहते हैं। अंपायरों का काम अविश्वसनीय रूप से कठिन होता है, खासकर भारत में जब गेंद घूम रही होती है।

उन्होंने आगे कहा, मेरी निजी राय है कि अगर गेंद स्टंप्स पर लग रही है, तो यह स्टंप्स पर ही लग रही है।

अगर मैं पूरी तरह से ईमानदार हूं तो उन्हें अंपायर कॉल को हटा देना चाहिए। मैं इसमें ज्यादा नहीं पड़ना चाहता क्योंकि ऐसा लगता है हम कराह रहे हैं और कह रहे हैं कि इसीलिए हम टेस्ट मैच हार गए।बात मुकाबले की करें तो भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए कप्तान रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा के शतकों के दम पर 445 रन बोर्ड पर लगाए थे, इस स्कोर के सामने इंग्लैंड की पहली पारी 319 रनों पर सिमट गई थी।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ ऊना ▸ 20 फरवरी 2024 ▸ पृष्ठ 12 ▸ आरएनआईः HPHIN / 2012 / 48072

फास्ट न्यूज

बोर्ड परीक्षा में गड़बड़ी करने वाले परीक्षा केन्द्र से सीधे भेजे जाएंगे जेल

टीम एक्शन इंडिया/बलिया

बोर्ड परीक्षा पर पुलिस की भी पैनी नजर रहेगी। पूरी परीक्षा के दौरान पुलिस का स्पेशल सेल एक्टिव रहेगा। बोर्ड परीक्षा में गड़बड़ी की स्थिति में कड़ी पुलिसिया कार्रवाई होगी। कलेक्ट्रेट सभागार के गंगा बहुउद्देशीय सभागार में बैठक में डीएम व एसपी ने जोनल, स्टेटिक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक व बाह्य केंद्र व्यवस्थापकों की बैठक में चेताया कि परीक्षा केंद्र से सीधे तत्काल जेल भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा को सकुशलतापूर्वक, नकलविहीन और शुचितापूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने बैठक में कहा कि परीक्षा की जो नियम-शर्तें हैं, उनके अनुरूप ही परीक्षा कराएंगे। सचेत किया कि किसी भी स्तर पर छोटी से छोटी गलती भी अक्षम्य होगी। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी संज्ञान में आई तो व्यक्तिगत रूप से जवाबदेही तय करते हुए जिम्मेदार पर बड़ी कार्रवाई होगी। किसी भी दशा में कोई छोटी गलती भी स्वीकार नहीं होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि इस परीक्षा में जितने स्तर पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, वह पूरी तरीके से फूलप्रूफ व्यवस्था है, इसमें शामिल सभी अधिकारी यदि अपने कर्तव्यों का निर्वहन सही तरीके से करेंगे तो बोर्ड परीक्षा में कोई सेंधमारी नहीं होगी। यदि किसी ने सेंधमारी की कोशिश की तो इसके बुरे परिणाम भुगतने पड़ेंगे। साथ ही सभी केंद्र व्यवस्थापकों को स्ट्रांग रूम की फूलप्रूफ सुरक्षा से संबंधित रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। बैठक में एसपी देव रंजन वर्मा ने कहा कि परीक्षा के दौरान नकल माफियाओं, फर्जी अभ्यर्थियों और पेपर लीक जैसे बिंदुओं पर नकेल कसने के लिए अपनी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम के बारे में जानकारी दी। कहा कि परीक्षा की शूचिता बनाए रखने के लिए गोपनीय और ओपनली दोनों प्रकार के टीम अपना काम कर रही है। बैठक में एडीएम डीपी सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश सिंह, परियोजना निदेशक उमेश मणि त्रिपाठी, बीएसए मनीष सिंह व डीएसओ रामजतन यादव सहित सभी केंद्र व्यवस्थापक मौजूद थे।

हत्या की गुत्थी सुलझी, एक आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्लीः नरेला औद्योगिक क्षेत्र के भोरगढ़ में 16 फरवरी की रात लूटपाट के दौरान दो युवकों को चाकू मारने की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है।

यूपी यानी अनलिमिटेड पोटेंशियल: सीएम योगी

अपनी प्रतिभा को पहचान कर आज सुरक्षा, सुशासन और विकास से जुड़ चुका है उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री

योगी मॉडल

आज यूपी अपनी प्रतिभा और अनलिमिटेड पोटेंशियल को पहचान कर सुरक्षा, सुशासन और विकास से जुड़ चुका है।

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को चौथी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के शुभारंभ के लिए प्रदेश आगमन पर प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और 10 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आए हुए निवेशकों व उद्यमियों का भी स्वागत किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी अपनी प्रतिभा और अनलिमिटेड पोटेंशियल को पहचान कर सुरक्षा, सुशासन और विकास से जुड़ चुका है। सीएम योगी ने कहा कि यह भूमि भगवान श्रीराम की है,गोपेश्वर श्रीकृष्ण की है, बाबा विश्वनाथ की है, ऋषि मुनियों की कृपा भूमि है, मां गंगा, यमुना और सरयू जैसी नदियों का आशीर्वाद भी इसको प्राप्त हुआ है, यह धन्य भूमि है,पुण्य भूमि है, यह उद्यम और उद्यमता की भी भूमि है। आज उत्तर प्रदेश भारत के श्रम शक्ति पुंज को एक अर्थशक्ति पुंज के रूप में बनाने की ओर अग्रसर हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्ष में हमारा देश 11वीं अर्थव्यवस्था से 5वीं अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा, इसमें किसी को कोई संदेह नहीं। यह मोदी जी की गारंटी है, इस पर यूपी को भी यकीन है। इस संकल्प के साथ जुड़ते हुए उत्तर प्रदेश ने स्वयं को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है।

'लाखों युवाओं के लिए बढ़ीं रोजगार की संभावनाएं'

सीएम योगी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि निवेश और औद्योगिक निवेश के बारे में भारतीय मनीषा क्या कहती आई है। आचार्य कौटिल्य ने कहा था कि आर्थिक समृद्धि के लिए तीन तत्वों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। पहली भूमि, दूसरी जनसंख्या और तीसरी पूंजी। यह कहते हुए गौरव की अनुभूति हो रही है कि यह तीनों तत्व आज उत्तर प्रदेश में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। वर्ष 2018 में जब हमने यूपी इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया था, तब हमारी सरकार ने अपना पहला ही वर्ष पूरा किया था,लेकिन ट्रांसफॉर्मेशन के उस शुरूआती चरण में भी आपने प्रदेश पर विश्वास जताया और परिणामस्वरूप 4.28 लाख करोड़ रुपए के प्रस्ताव उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुए थे। आप सबके सहयोग से मात्र 5 माह में यानी जुलाई 2018 में पहली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 61 हजार 700 करोड़ के निवेश वाली परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। जुलाई 19 में दूसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमें 67 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों का शुभारंभ हुआ। कोविड कालखंड के बावजूद तीसरा ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह अन्य दो संस्करणों की तुलना में और भी भव्य था, जिसमें 80 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया।

जीबीसी 4.0 निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का उत्सव

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में निवेश की संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि 10-12 फरवरी 2023 के बीच आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की अभूतपूर्व सफलता से आप सभी परिचित हैं और उसके सहभागी रहे हैं। देश और दुनिया के उद्योग जगत ने हम पर विश्वास जताया। हमारी नीतियों पर भरोसा दिखाया और उत्तर प्रदेश को अब तक 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। आज इन्हीं निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का उत्सव है। आज प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का भूमि पूजन संपन्न होने जा रहा है। नया उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश से अब उद्यम प्रदेश बनकर भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में विकसित भारत के संकल्प में एक विकसित उत्तर प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि यह ट्रांसफॉर्मेशन, ये बदलाव, ये स्पीड विकसित भारत के विकसित उत्तर प्रदेश की नई पहचान है। आपके सहयोगसे क्रियान्वित हो रही ये परियोजनाएं न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर गुवाहटी में दूरदर्शन केंद्र का उद्घाटन करते हुए।

बनभूलपुरा दंगा: सभी अधिकारियों से भी की जायेगी पूछताछ

टीम एक्शन इंडिया/हल्द्वानी

बनभूलपुरा दंगे की जांच कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत कर रहे हैं। इस घटना के दौरान मौजूद सभी पुलिस, नगर निगम और प्रशासन के अधिकारियों-कर्मियों से भी पूछताछ की जाएगी ताकि जांच में पूरी निष्पक्षता हो। आयुक्त ने बताया कि सभी अधिकारियों को उनके द्वारा नोटिस भेज दिए गए हैं और इस सप्ताह में उन सभी अधिकारियों से अलग-अलग दिन पूछताछ होगी। उनसे लिखित जवाब भी मांगा जाएगा। उन्होंने क्षेत्र की जनता के लिए भी घटना से जुड़े साक्ष्य पेश करने की बात कही है। इसके लिए उन्होंने मेल आईडी और फोन नंबर जारी किया है, लेकिन अभी तक उनके पास कोई भी व्यक्ति नहीं आया है। उन्होंने बताया उनके पास जो भी साक्ष्य दस्तावेज या अन्य रूप में हैं, उसकी जटिलताओं को देखते हुए इस पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए थोड़ा समय और लग सकता है।

कैबिनेट: इंदौर-उज्जैन 4-लेन को विकसित करने राशि स्वीकृति

उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला में मोटरयान कर दर में मिलेगी 50 प्रतिशत की छूट, आंवलिया मध्यम सिंचाई परियोजना के लिए 224 करोड़ 46 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति,

टीम एक्शन इंडिया/भोपाल

बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला 2024 में गैर- परिवहन यानों तथा हल्के परिवहन यानों के विक्रय पर जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50 प्रतिशत की छूट का निर्णय लिया गया। निर्णय के अनुसार विक्रीत वाहनों का क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन से स्थाई पंजीयन कराने पर छूट दी जाएगी। उज्जैन के बाहर से आने वाले ऑटोमोबाइल व्यवसायी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन में व्यवसाय प्रमाण-पत्र प्राप्त करने तथा मेला प्रांगण में अपनी भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के बाद वाहन विक्रय कर सकेंगे।

मंत्रि-परिषद द्वारा इंदौर-उज्जैन 4-लेन मार्ग को 6-लेन मय पेव्हड शोल्डर में विकसित करने की स्वीकृति दी गई हैं। इसकी लम्बाई 45.475 कि.मी. है। योजना अंतर्गत 1692 करोड़ रुपये लागत से 45.475 कि.मी. के इंदौर-उज्जैन 4-लेन मार्ग को 6-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (40:60) अंतर्गत निर्माण किया जाना है। परियोजना में समस्त स्ट्रक्चर्स का 6-लेन में निर्माण के साथ अतिरिक्त 1.10 किलोमीटर लम्बाई में शनि मंदिर एप्रोच रोड को 3-लेन में चौड़ीकरण किया जायेगा। परियोजना में महत्वपूर्ण जंक्शनों को ग्रेडसेपरेटर (वीयूपी और फ्लाईओवर) के साथ निर्माण किया जायेगा। मार्ग के एकरेखण में आने वाले दो फ्लाई ओवर, छः अंडरपास एवं आठ वृहद जंक्शन का निर्माण परियोजना के अंतर्गत किया जायेगा। योजना अंतर्गत आने वाले सभी जंक्शन का सुधार, सड़क सुरक्षा के लिये आवश्यक उपाय, रोड मार्किंग एवं रोड फर्नीचर इत्यादि का कार्य करवाया जायेगा। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग में 1 अध्यक्ष एवं 4 सदस्यों सहित कुल 5 पद स्वीकृत हैं और वर्तमान में एक अध्यक्ष एवं दो सदस्य कार्यरत हैं।

पाकिस्तान को 1971 की तरह तोड़ देंगे: तालिबान

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

तालिबान के विदेश उपमंत्री ने अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान से निकाले जाने पर धमकी दी है। तालिबानी विदेश उपमंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टेनिकजई ने पाकिस्तान को 1971 की तरह तोड़ने की धमकी दी है। तालिबान ने कहा कि वो नकली डूरंड रेखा को मान्यता देता है, हम इस रेखा को कोई मान्यता नहीं देते। इस रेखा के उसपार भी अफगानिस्तान है। तालिबान के वरिष्ठ मंत्री ने अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान से निकाले जाने पर ये बयान दिया है। विदेश उपमंत्री ने कहा है कि पाकिस्तान विभाजन का एक बार फिर इतिहास दोहराया जाएगा और पाकिस्तान को दो टुकड़ों में बांट दिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान ने कहा कि पाकिस्तान लगातार अपने देश में आतंकियों को शह देता है, भारत समेत कई देशों में आतंकवादियों को भेजने का प्रयास करता है। पिछले दिनों पाकिस्तान से अफगानिस्तान की सीमा में भी आतंकवादियों को भेजने के दौरान गोलीबारी की खबर आई थी। भारत ने साल 1971 में पाकिस्तान को बुरी तरह से हरा दिया था, जिसके बाद बांग्लादेश और पाकिस्तान का विभाजन हुआ। बता दें कि पाकिस्तान पश्चिमी पाकिस्तान को अधिक महत्व देता था, जिसकी वजह से बांग्लादेश में स्वतंत्रता संग्राम शुरू हो गया जिसका भारत ने समर्थन किया था।

'भारत आज किसी भी आपदा से निपट सकता है'

आपदा प्रतिरोधी

मिशन शून्य-हताहत के कारण, बिपरजॉय चक्रवात की विनाशकारी शक्ति भी किसी की जान नहीं ले सकी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आपदा प्रतिरोधी भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बहुआयामी आपदा प्रबंधन योजना लेकर आए। उनके दूरदर्शी नेतृत्व के कारण भारत आज किसी भी आपदा से निपट सकता है। मिशन शून्य-हताहत के कारण, बिपरजॉय चक्रवात की विनाशकारी शक्ति भी किसी की जान नहीं ले सकी। 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर आपदा प्रबंधन पर पोस्ट की एक श्रृंखला में अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक बहुआयामी आपदा प्रबंधन योजना पेश की। इस दृष्टिकोण के तहत मोदी सरकार ने त्वरित प्रतिक्रिया बल बनाए और सतर्क प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित की, जिससे लाखों लोगों की जान बचाई गई। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री ने कहा कि आपदा प्रतिरोधी भारत के निर्माण के लिए प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपदाओं के प्रति हमारी प्रतिक्रिया में शून्य-हताहत दृष्टिकोण अपनाया है। आज हमारी आपदा प्रतिक्रिया टीमें हर जीवन को सुरक्षित करने के लक्ष्य से प्रेरित होकर पूरी तरह से पेशेवर ताकतों के रूप में काम करती हैं।

सिलक्यारा टनल के पुनर्निर्माण में अभी लगेगा वक्त

टीम एक्शन इंडिया/सिल्क्यारा

तीन माह बीत जाने के बाद भी उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग के पुनर्निर्माण में अभी भी कुछ और वक्त लग सकता है। हालांकि प्रशासन ने टनल के अंदर डैमेज एरिया के ट्रीटमेंट को हरी झंडी दे दी है। सूत्रों की मानें तो एनएचआईडीसीएल ने कान्ट्रैक्टर कंपनी नवयुगा कंपनी पर टनल के डैमेज एरिया को दुरुस्त करने का दबाव बढ़ा दिया है, लेकिन रिस्की प्वाइंट से मलबा हटाना आसान नहीं है। अब कंपनी ने अनुभवी इंजीनियरों से राय शुमारी करनी शुरू की है। हालांकि कंपनी के इंजीनियरों ने डैमेज एरिया में एसडीआरएफ की देख-रेख

में काम करना भी शुरू कर दिया था,लेकिन डैमेज प्वाइंट पर खतरा बना हुआ है और कंपनी की सभी मशीनें भी सुरंग के अंदर फंसी होने से मलबा हटाना मुश्किल है।

अब नयी रणनीति के तहत पहले अनुभवी इंजीनियरों की सलाह पर इसका प्रपोजल तैयार होगा और फिर टनल ट्रीटमेंट का काम शुरू होगा। सूत्र बताते हैं कि नवयुगा कंपनी इस कार्य को किसी और कंपनी के हाथों सौंपेगी, क्योंकि वर्तमान में न तो कंपनी के पास संसाधन हैं और ना ही अनुभवी इंजीनियर जिस कारण टनल निर्माण में समय लग सकता है। हालांकि कंपनी के वर्कर टनल के अंदर से पानी

रायशुमारी

डैमेज कंट्रोल के लिए चल रही राय शुमारी, भूस्खलन एरिया में आसान नहीं डगर, प्रशासन ने डैमेज एरिया के ट्रीटमेंट दी हरी झंडी

रिसाव को हटाने और ब्रिज निर्माण के कार्य में तेजी ला रहे हैं। धीरे-धीरे कंपनी के मजदूर भी वापस आने लगे हैं और अपने काम पर लग चुके हैं। मगर बड़ा सवाल यही है कि टनल के अंदर मलबे को कब हटाना शुरू होगा और कब कंपनी के मजदूर मलबे को हटाकर आगे बढ़ेंगे।

शाहजहांपुर में ट्रेन की चपेट में आने से 12 गौवंशों की मौत

शाहजहांपुरः रोजा थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर विचरण कर रहे गौवंशों का एक झुंड ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में करीब एक दर्जन गौवंशों की मौत हो गई और एक गौवंश गंभीर रूप से घायल हो गया। राष्ट्रीय गौरक्षक दल के मंडल कोषाध्यक्ष अतुल रस्तोगी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब पांच बजे रोजा थाना क्षेत्र में बिलिंदापुर गौटिया के पास गौवंश ट्रेन की चपेट में आ गए जिससे बारह गौवंशो की मौत हो गई और एक गौवंश गंभीर रूप से घायल हो गया। राष्ट्रीय गौरक्षक दल के कई पदाधिकारी और रोजा पुलिस मौके पर पहुंची जिनकी मदद से शवो को हटवाया गया।

हिमालयन बास्केट से खुलेंगे अंतरराष्ट्रीय बाजार के द्वार: सीएम धामी

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को चंपावत में हिमालयन बास्केट का मुख्यमंत्री आवास से वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हिमालयन बास्केट की शुरूआत वर्ष 2018 में सुमित और स्नेहा थपलियाल ने की थी। सुमित पेशे से इंजीनियर और स्नेहा मार्केटिंग पेशेवर हैं। देवभूमि से होने के कारण दोनों हमेशा स्थानीय लोगों को रोजगार देने के लिए कुछ अलग करना चाहते थे। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि दोनों ने डेरी, खेती और उनके

पहलुओं से संबंधित विकल्पों पर विचार कर हिमालयन बास्केट की स्थापना का निर्णय लिया। हिमालयन बास्केट के तहत दूध, हल्दी, पुदीना जैसे कृषि उत्पाद खरीदकर इनसे अलग-अलग उत्पाद बनाकर विदेशों में सप्लाई करते हैं।

उत्पाद बनाने के लिए 200 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। हिमालयन बास्केट से अंतरराष्ट्रीय बाजार के द्वार खुलेंगे ही, हुनरमंद कारीगरों को अलग पहचान मिलेगी और वे समृद्धि की उड़ान भरेंगे। उन्होंने कहा कि दूध से बनने वाले उत्पाद 'चुरपी' और 'घी' की अधिक डिमांड है। चुरपी गाय के दूध से बना एक विशेष कठोर पनीर है। दोनों ने उत्तराखंड में इसके उत्पादन का बीड़ा उठाया है।

संदेशखाली मामले पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने जताई चिंता

टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली के हालात पर चिंता व्यक्त की है। सोमवार को वह उत्तर 24 परगना जिले के अशांत संदेशखाली में जमीनी हालात का जायजा लेने से पहले दमदम हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने ममता बनर्जी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मैं पीड़ितों से मिलने संदेशखाली जाऊंगी। मैं चाहती हूं कि पीड़ित आकर मुझसे बात करें, राष्ट्रीय महिला आयोग उनके साथ है। रेखा शर्मा ने कहा कि वे कल पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और फिर राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगी। उनका कहना है कि कई बातें सामने आ रही हैं लेकिन पुलिस उन्हें दबा रही है।

न्याय

मैं पीड़ितों से मिलने संदेशखाली जाऊंगी। मैं चाहती हूं कि पीड़ित आकर मुझसे बात करें: रेखा शर्मा

विकास मुख्यमंत्री ने संभल में श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह को किया संबोधितू, संभल के ऐंचोड़ा कंबोह में प्रधानमंत्री ने किया कल्कि धाम का शिलान्यास

भारत में जो पहले असंभव था, आज वो संभव हुआ है: सीएम योगी

टीम एक्शन इंडिया/संभल

भारत में जो पहले असंभव माना जाता था, आज वो संभव हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र नई समृद्धियों को प्राप्त कर रहा है। यहां आस्था का सम्मान और आजीविका की गारंटी दोनों ही है। पहले की सरकारों ने न तो आस्था का सम्मान किया और ना ही आजीविका ही दी। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐंचोड़ा कंबोह में आयोजित श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संभल में स्वागत करते हुए कहा कि भगवान विष्णु के 10वें अवतार की भावी अवतरण भूमि पर प्रधानमंत्री का आगमन हुआ है। अयोध्या में पांच सदी के इंतजार को समाप्त करने और पहली बार संयुक्त अरब अमीरात में भी भव्य मंदिर के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री का आगमन संभल जनपद में हुआ है। पिछले 10 साल में हमने एक नये भारत का दर्शन किया है। इस नये भारत में हर नागरिक को सुरक्षा की गारंटी के साथ ही राष्ट्र को समृद्धि के नये सोपान तक पहुंचाने का संकल्प भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी में काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण, अयोध्या धाम में रामलला का पुनः विराजमान होना, केदारनाथ और बद्रीनाथ का पुनरोद्धार, महाकाल में महालोक की स्थापना नये भारत की तस्वीर है। यहां हर युवा को आजीविका और आस्था की गारंटी भी है। यही मोदी की गारंटी है। पहले की सरकारों ने आस्था के साथ खिलवाड़ किया। वो न आस्था दे पाए और ना ही आजीविका उपलब्ध करा पाए। मगर, आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की परंपराओं को वैश्विक मान्यता मिल रही है। हर साल 21 जून को दुनिया के 200 देश भारत की ऋषि परंपरा से जुड़कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाते हैं। सीएम ने कहा कि भारत में जो पहले असंभव था, आज वो संभव हुआ है। यह इसलिए हुआ क्योंकि हमारे पास एक यशस्वी नेतृत्व है। हमें गर्व होता है जब प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान दुनिया के मंच पर होता है। पूरी दुनिया उन्हें उम्मीद की निगाह से

समृद्धि

आस्था का सम्मान और आजीविका की गारंटी देती है डबल इंजन की सरकार: सीएम योगी आदित्यनाथ